शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, मंगलवार 23 सितंबर 2025 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 166 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.4	23.8
डालटनगंज	34.0	26.3
धनबाद	31.4	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

अबूझमाड़ मुठभेड़ में दो वर्दीधारी नक्सली ढेर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सोमवार की सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो वर्दीधारी नक्सलियों को ढेर कर दिया. अब तक दो नक्सलियों के शव हथियार समेत बरामद किये गये हैं. सुरक्षाबलों ने मौके से शव के साथ एके 47 सहित अन्य हथियार तथा भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, नक्सल साहित्य, प्रचार-प्रसार सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की है.

पाक ने अपनों पर ही बरसाए बम, 30 मरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की वायुसेना पर अपने ही लोगों पर बमबारी के आरोप लगे हैं. पाक वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के वजीरिस्तान स्थित तिराह घाटी में बिना कोई चेतावनी जारी किए ही बम गिरा दिए. इस हमले की चपेट में आकर 30 लोगों की जान चली गई. बताया गया है कि यह बमबारी पाकिस्तानी वायुसेना के जेएफ-17 विमान के जरिए की गई. जो बम बरसाए गए, वह घातक किस्म के एलएस-6 बम थे. यह घटना रविवार देर रात करीब दो बजे की है.

चमका सोना, प्रति ग्राम 11258 रु. का रेट

नयी दिल्ली। 22 सितंबर को नवरात्रि के पहले दिन फेस्टिव सीजन और वैश्विक बाजारों के संकेतों के चलते सोने की कीमतों में तगड़ा उछाल आया. सोमवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 43 रुपये बढ़कर 11,258 रुपये प्रति ग्राम हो गई, जबकि पिछले सत्र में यह 11,215 प्रति ग्राम थी. इसी तरह से 22 कैरेट सोने की कीमत 40 बढ़कर 10,320 रुपये प्रति ग्राम हो गई, जबकि 18 कैरेट सोने की कीमत 33 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8,444 प्रति ग्राम हो गई है.

जैकलीन को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दायर एफआईआर निरस्त करने की मांग की थी. जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया. दिल्ली हाईकोर्ट ने 3 जुलाई को अपने आदेश में अभिनेत्री की याचिका खारिज कर दी थी.

यूपी में अब जाति के नाम पर राजनीति नहीं

लखनऊ। यूपी में अब उन सियासी दलों की मुश्किल बढ़ेगी, जिनकी राजनीति की जमीन जाति आधारित है. इस संदर्भ में राज्य सरकार ने शासनादेश जारी किया है. दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक निर्णय में राज्य सरकार को प्राथमिकियों में जाति का उल्लेख करने की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया था. इसके बाद यूपी सरकार ने शासनादेश जारी किया. ऐसे में अब यूपी में जातीय होर्डिंग लगाने और जातीय रैलियां करने पर भी बैन रहेगा.

टैरिफ वॉर के बाद वीजा पर रोक : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के गोल्ड कार्ड पर एक्सपर्ट ने जताई आशंका, कहा

भारत को फायदा, अमेरिका के लिए इकोनॉमिक सुसाइड...

शुभम संदेश डेस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में काम करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी कर दी है. भारतीय पेशेवर एच1बी वीजा हासिल कर अपना अमेरिकन ड्रीम पूरा करते थे लेकिन अब ट्रंप के एक फैसले से यह सपना बेहद ही महंगा हो गया है.

ट्रंप ने गोल्ड कार्ड स्कीम के तहत एच1बी वीजा की फीस बढ़ा दी है. अब अमेरिकी एच1बी वीजा हासिल करने के लिए भारतीयों को 1 लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये देने होंगे. इसे लेकर भारत के आईटी सेक्टर और स्टार्टअप्स के बीच चिंता बढ़ गई है. ट्रंप प्रशासन का कहना है कि गोल्ड कार्ड से अमेरिका को भारी फायदा होगा. दुनिया भर के कुशल लोग ही अमेरिका में काम कर सकेंगे. एच1बी वीजा लेकर हर साल हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स अमेरिका जाते रहे हैं. ये वीजा न केवल अमेरिका में भारतीयों की मौजूदगी को बढ़ाता था, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होता था.

एच1बी वीजा फीस को लेकर ट्रंप का तर्क : ट्रंप का मानना है कि एच1बी वीजा का दुरूपयोग हो रहा है और इससे अमेरिकी नौकरियां खतरे में पड़ रही हैं. इसी तर्क के साथ वीजा जारी करने के नियम और कोटा दोनों पर सख्ती की जा रही है. व्हाइट हाउस ने अपनी नई वीजा नीति को सही ठहराते हुए आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें लिखा गया है कि साल 2003 में एच1बी पेशेवरों के पास

32% आईटी नौकरियां थी. 2025 तक यह आंकड़ा 65%से ज्यादा हो जाएगा. इसके साथ ही 'गोल्ड कार्ड' जैसे विकल्प के जरिए अमेरिका अब सीधे दुनिया के सबसे टैलेंटेड लोगों को बुलाना चाहता है ताकि उन्हें लंबे समय तक अमेरिका में रोका जा सके.

एच1बी वीजा फीस में बढ़ोतरी भारत के लिए चुनौती या अवसर : विशेषज्ञों का कहना है कि यह भारत के लिए दोहरी चुनौती और मौका दोनों हो सकता है. माना जा रहा है कि गोल्ड कार्ड की वजह से भारत के टेक्निकल व्यवसायियों के बीच भारत में घर वापसी की संभावना भी बढ़ रही है. अधिकतर कंपनियों के सीईओ का कहना है कि उनकी कंपनियों ने आव्रजन संबंधी मुश्किलों का सामना करने के लिए विदेशों में मजबूत ऑपरेशन मॉडल तैयार किए हैं. कई भारतीय आईटी फर्मों ने पहले ही एच-1बी वीजा पर अपनी निर्भरता 50% से कम कर दी है.

एआईओएनओएस के संस्थापक और उपाध्यक्ष सीपी गुरनानी ने कहा ने कहा, पिछले कई सालों में, भारतीय आईटी फर्मों ने एच-1बी वीजा पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है, और आवेदनों में 50% से अधिक की गिरावट आई है. यह बदलाव स्थानीय स्तर पर अधिक नियुक्तियां करने, ऑटोमेशन में निवेश करने और अपने वैश्विक डिलीवरी मॉडल को बेहतर बनाने की हमारी रणनीति का नतीजा है. वीजा फीस में बदलाव से हमारे बिजनेस पर काफी कम असर होगा क्योंकि हम पहले ही बदलते परिदृश्य के हिसाब से ढल चुके हैं.

पूरी तरह बदल जाएगी आईटी इंडस्ट्री की ग्लोबल पिक्चर

जानकारों का कहना है कि नई वीजा फीस के लागू होने से ग्लोबल लेवल पर आईटी टैलेंट का परिदृश्य बदलेगा. विओनिक्स बायोसाइंसेज के सीईओ विवेक वाधवा ने कहा कि इससे अमेरिका को नुकसान होने वाला है. वो कहते हैं, ट्रंप की एक लाख डॉलर की एच-1बी फीस अमेरिका के लिए आर्थिक आत्महत्या है. वाधवा ने कहा कि प्रतिभाओं के इस विपरीत प्रवाह से भारत को फायदा होगा. वो कहते हैं, वे कंपनियों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की जानकारी लेकर आएंगे. अब भारत सरकार और कंपनियों को मिलकर स्थानीय अवसर बढ़ाने होंगे. यह समय है जब भारत खुद को ग्लोबल टेक हब के रूप में स्थापित कर सकता है. जीटीटी डाटा सॉल्यूशंस लि. के अध्यक्ष गणेश नटराजन ने कहा कि अगर यह नियम लागू रहता है, तो मौजूदा प्रतिभा मॉडल में बदलाव किया जाएगा. इससे भारत जैसे देशों को लंबी अवधि में फायदा हो सकता है, लेकिन इसमें कुछ साल लग जाएंगे.

जीएसटी 2.0 लागू होने पर पीएम मोदी का देश के नाम पत्र

मुझे बिफोर और ऑफ्टर का बोर्ड देखकर अच्छा लगा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में किया गया व्यापक बदलाव, जिसे 'जीएसटी 2.0' कहा जा रहा है, सोमवार को नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही लागू हो गया. जीएसटी की नई व्यवस्था में एक आसान टैक्स स्ट्रक्चर लागू किया गया है, जिसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं को 5%, लग्जरी (विलासिता की वस्तुएं) और सिन गुड्स (स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डालने वाली वस्तुएं) को क्रमशः 18% और 40% के टैक्स स्लैब में रखा गया है.

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक संदेश में इस रोलआउट को 'जीएसटी बचत महोत्सव' की शुरुआत बताया और इसे आर्थिक आत्मनिर्भरता और स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया. पीएम मोदी ने कहा, 'यह नवरात्रि विशेष है. जीएसटी बचत महोत्सव के साथ, स्वदेशी (मेड इन इंडिया) के मंत्र को और भी बल मिलेगा. आइए, हम सब मिलकर एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रयास करें.'

उन्होंने लिखा, 'मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार. आपको और आपके परिवार को शक्ति की उपासना के पर्व नवरात्रि की बहुत-बहुत शुभकामनाएं. मेरी प्रार्थना है, ये त्योहार आप सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आए. इस वर्ष त्योहारों में हमें एक और उपहार मिल रहा है. आज से नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लागू होने के साथ ही पूरे देश में जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत हो गई है. इन रिफॉर्म्स से किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, सभी को फायदा होगा.'

मोदी ने लिखा- अब हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी शून्य कर दिया

पीएम मोदी ने लिखा, 'नए जीएसटी रिफॉर्म्स की विशेषता है कि अब मुख्य रूप से सिर्फ दो ही स्लैब रहेंगे. रोजमर्रा की जरूरी चीजें जैसे खाना, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट और कई अन्य सामान अब या तो टैक्स-फ्री होंगे या 5% की सबसे कम स्लैब में आएंगे. घर बनाने, गाड़ी खरीदने, बाहर खाने या परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जैसे सपनों को पूरा करना अब आसान होगा. हेल्थ इंश्योरेंस पर भी अब जीएसटी को शून्य कर दिया गया है. मुझे ये देखकर अच्छा लगा कि कई दुकानदार और व्यापारी पहले और अब (बिफोर एंड ऑफ्टर) के बोर्ड लगाकर, लोगों को बता रहे हैं कि कोई सामान कितना सस्ता हो गया है.'

संदेश में बोले-हमारी सरकार का मंत्र है नागरिक देवो भव:

प्रधानमंत्री ने देशवासियों के नाम अपने संदेश में कहा, 'हमारी जीएसटी यात्रा 2017 में शुरू हुई थी. तब देश को अनेक तरह के टैक्स और टोल के जंजाल से मुक्ति मिली थी. इससे ग्राहकों और व्यापारियों, कारोबारियों को बहुत राहत मिली थी. अब ये नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म हमें और आगे ले जा रहे हैं. इसमें सिस्टम को और सरल बनाया गया है. इससे हमारे दुकानदार साथियों, लघु उद्योगों की सहूलियत और बढ़ेगी. नागरिक देवो भव हमारा मंत्र है. पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं.'

हमने 12 लाख रुपए तक की आय को टैक्स फ्री कर दिया

उन्होंने कहा कि देश में एक नियो मिडिल क्लास तैयार हुआ है. अब इसे और सशक्त बनाया जा रहा है. पीएम मोदी ने कहा, 'हमने मध्यम वर्ग को भी मजबूत किया है. 12 लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लिया जा रहा है. अगर इनकम टैक्स में छूट और नए जीएसटी रिफॉर्म्स को मिलाकर देखें, तो देशवासियों के सालाना लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए बचेंगे. देश ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है और इसे सिद्ध करने के लिए आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलना जरूरी है. नए जीएसटी रिफॉर्म्स से आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी तेज गति मिलेगी.'

आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी अपनाएं : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है कि हम स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं. चाहे ब्रांड कोई भी हो, कंपनी कोई भी हो, अगर उसमें भारतीय श्रमिक और कारीगर की मेहनत लगी है, तो वो स्वदेशी है. जब भी आप अपने देश के कारीगरों, श्रमिकों और इंडस्ट्री के बनाए सामान को खरीदते हैं, तो आप कई परिवारों की रोजी-रोटी में मदद करते हैं और देश के युवाओं के लिए रोजगार पैदा करते हैं. मैं अपने दुकानदारों और व्यापारियों से भी अपील करता हूं कि वो स्वदेशी सामान ही बेचें. आइए गर्व से कहें, ये स्वदेशी है. आपके घर की बचत बढ़े, आपके सपने पूरे हों, आप अपने पसंद की चीजों के साथ त्योहारों की चमक बढ़ाएं... मेरी यही कामना है.'

ये कैसा बचत उत्सव : कांग्रेस ने जीएसटी सुधारों पर तंज कसा 8 साल में 55 लाख करोड़ वसूले, अब 2.5 करोड़ का फायदा गिना रहे

नयी दिल्ली। मोदी सरकार के जीएसटी सुधारों को लेकर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने सवाल किये हैं. उन्होंने एक्स पर कहा कि मोदी सरकार ने कांग्रेस के सरल और कुशल जीएसटी के बजाय, अलग-अलग 9 स्लैब से वसूली कर गब्बर सिंह टैक्स लगाया और 8 साल में 55 लाख करोड़ से ज़्यादा वसूले. आप 2.5 लाख करोड़ के बचत उत्सव की बात कर के जनता को गहरे घाव देने के बाद मामूली बैंड ऐड लगाने की बात कर रहे हैं. जनता इसे नहीं भूलेगी कि आपने उनके दाल-चावल-अनाज, पेंसिल, किताबें, इलाज, किसानों के ट्रैक्टर सबसे जीएसटी वसूला था. आपको तो जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी 2017 से ही जीएसटी 2.0 की मांग कर रही थी. जयराम ने कहा, मोदी सरकार लोगों से कह रही हैं कि दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंचना चाहिए, जो अच्छी बात है, उन्हें पहुंचना चाहिए, कीमतें कम होनी चाहिए, लेकिन क्या यह पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा, क्या मुनाफाखोरी समाप्त हो जाएगी?

मधुपुर एचडीएफसी बैंक में करोड़ों की डकैती, बैंककर्मियों को पीटा

हेलमेट और बुर्का पहनकर आए लुटेरों ने पूरा लॉकर कर दिया साफ

शुभम संदेश। देवघर

मधुपुर स्थित एचडीएफसी बैंक में छह बेखौफ अपराधियों ने सोमवार को दिनदहाड़े डकैती की घटना को अंजाम दिया. सोमवार को दोपहर करीब 12:45 बजे हेलमेट और बुर्का पहन कर दो लोग बैंक के अंदर घुसे. उसके बाद उनके पीछे से चार और लोग आए. बैंक में घुसते ही इन लोगंने ने हथियार के बल पर ग्राहकों और बैंककर्मियों का मोबाइल ले लिया. बैंक कर्मियों और ग्राहकों के साथ मारपीट भी की. अपराधियों ने बैंक का पूरा लॉकर साफ कर दिया. साथ ही ग्राहकों के पास से और बैंक में रखे नगदी और जेवरात भी लूट ले गये.

20 मिनट तक मचाया उत्पात : अपराधियों ने करीब 20 मिनट तक बैंक में लूटपाट की और फिर फरार हो गये. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. एसडीपीओ व मधुपुर इंस्पेक्टर इंचार्ज भी मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी. देवघर के एसपी कुमार सौरभ भी बैंक पहुंचे. उनकी देखरेख में पुलिस की टीम अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है. इसके साथ ही विशेष टीम भी बनाई गई है जो जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने के लिए अभियान चला रही है.

बैंक का शटर बंद कर हुए फरार : बैंक में मौजूद ग्राहकों ने बताया कि 6 अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है. इनमें से एक ने हेलमेट पहना हुआ था, जबकि एक अपराधी बुर्का पहने हुआ था. उन्होंनेने बंदूक दिखाकर गार्ड पर अटैक किया. बंदूक से ग्राहक और बैंककर्मी को मारना शुरू किया. ग्राहकों और बैंक में मौजूद सभी कैश के साथ बैंक के लॉकर का पूरा कैश भी लेकर भाग गए, जाते समय बैंक का शटर अपराधियों ने बंद कर दिया. बताया गया है कि करोड़ों की लूट हुई है. फिलहाल लूटी गयी राशि का अभी आकलन किया जा रहा है. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है.

डिएक्टिवेट किये गये 1.4 करोड़ आधार नंबर

नयी दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने देशभर में 1.4 करोड़ से अधिक आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए हैं. ये सभी आधार नंबर उन लोगों के थे जिनका निधन हो चुका है. यह कार्रवाई पिछले वर्ष शुरू किए गए आधार स्वच्छता अभियान का हिस्सा है, इसका मकसद कल्याणकारी योजनाओं को सही लाभार्थियों तक पहुंचाना और मृतकों के आधार का इस्तेमाल करके किए जा रहे फर्जी दावों पर रोक लगाना है.

यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश ने कहा, योजनाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने और दुरुपयोग रोकने के लिए मृत व्यक्तियों के आधार नंबरों को निष्क्रिय करना जरूरी है. इससे यह सुनिश्चित होता है कि सार्वजनिक धन पहचान की धोखाधड़ी या फर्जी दावों पर बर्बाद न हो. एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, प्राधिकरण का लक्ष्य दिसंबर तक करीब 2 करोड़ मृत व्यक्तियों के आधार नंबरों को डिएक्टिवेट करने का है.

मोरक्को में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिया साफ संदेश

एक दिन पीओके कहेगा मैं भी भारत का हिस्सा हूं

एजेंसियां। रबात

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत पाक के

कब्जे वाले अधिकृत कश्मीर (पीओके) को बिना किसी प्रयास के वापस हासिल करेगा. उन्होंने कहा कि अब वहां के लोग खुद ही मौजूदा शासन से आजादी की मांग कर रहे हैं. राजनाथ सिंह मोरक्को में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे. रक्षा मंत्री ने कहा, पीओके तो अपने आप हमारा हो जाएगा. आपने सुना होगा कि वहां अब आवाजें उठ रही हैं, नारे लग रहे हैं. मैंने पांच साल पहले भी ऐसी ही बात कही थी, जब वह जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहा था. तब भी मैंने कहा था कि हमें पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं होगी. वह तो पहले से हमारा है. पीओके खुद कहेगा- मैं भी भारत हूं. वो दिन जरूर आएगा.

सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कई लोग सरकार पर आरोप लगा रहे कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके पर कब्जा करने का मौका गंवा दिया है. इसके बाद विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार की आलोचना की थी कि जब भारत को संघर्ष में बढ़त मिली हुई थी, तब संघर्षविराम को क्यों स्वीकार किया गया. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिन के मोरक्को दौरे पर हैं, जहां वह टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की नई निर्माण इकाई का शुभारंभ करेंगे.

विराटता का ज्ञानबोध हैं माता ब्रह्मचारिणी

डॉ. मयंक मुरारी

शक्ति भीतर है, लेकिन हम बाहर खोजते हैं. जीवन अंदर अंकुरित होता है. परंतु हम मृत्यु तक बाहर ढूंढ़ते हैं. यही कारण है कि जीवन में विराट होने की संभावना होती है, लेकिन हम अपनी लघुता को ही बड़ा समझ लेते हैं. शैलपुत्री से विकास कर माता शक्ति का ब्रह्मचारिणी स्वरूप का एक संदेश है. विकास के साथ विराटता की ओर आरोहण के लिए अपनी चेतना को वृहत बनाना. और ज्ञान के साथ उसको ऊर्ध्वगामी करना होता है. यही कारण है कि भारतीय परंपरा में माना जाता है कि जड (अपरा) में ज्ञान (परा) का प्रस्फुरण के पश्चात चेतना का वृहत संचार भगवती के दूसरे रूप का प्रादुर्भाव है. यह जड़ चेतन का जटिल संयोग है. प्रत्येक वृक्ष में इसे देख सकते हैं. सैंकड़ों वर्षों तक पीपल और बरगद जैसे अनेक बड़े वृक्ष ब्रह्मचर्य धारण करने के स्वरूप में ही स्थित होते है. महानता उस विराटता में होती है, जहां तप, कर्म, धर्म और प्रज्ञा का चतुर्दिक मिलन होता है. इसके लिए माता के इस ब्रहचारणी स्वरूप का स्मरण आवश्यक है.

ब्रह्मचारिणी मां दुर्गा का नवदुर्गा स्वरूपों में दूसरा रूप हैं, और उनकी पूजा नवरात्रि के दूसरे दिन की जाती है. ब्रह्म का तात्पर्य है तप व सृजनरत और चारिणी का अर्थ है आचरण करने वाली, इसलिए ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप का आचरण करने वाली है. देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी, जिसके कारण उन्हें यह नाम मिला. इस देवी की पूजा से ज्ञान, बुद्धि और समृद्धि की प्राप्ति होती है और व्यक्ति के अंदर तप करने की

शक्ति आती है. ब्रह्मचारिणी का स्वरूप हमको क्या शिक्षा देती है. जीवन में चाहे कितने भी कष्ट आएं, धैर्य और तप नहीं छोड़ना चाहिए. ब्रह्मचारिणी की आराधना से इच्छाशक्ति मजबूत होती है, मनोबल बढ़ता है और व्यक्ति को अनुग्रहपूर्वक ज्ञान व सिद्धि प्राप्त होती है.

इस स्वरूप के बारे में परंपरा है कि राजा हिमालय के घर देवी पार्वती ने जन्म लिया. नारद मुनि की सलाह पर उन्होंने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की. इस दौरान उन्होंने एक हजार साल तक फल-फूल खाए और सौ साल तक शाक खाकर जीवन यापन किया. उनकी इस कठिन तपस्या के कारण उनका नाम ब्रह्मचारिणी पड़ा. मां दुर्गा के दूसरे रूप ब्रह्मचारिणी माता के एक हाथ में जप की माला और दूसरे में कमंडल रहता है. सिर पर मुकुट के अलावा इनका श्रृंगार कमल के फूलों से होता है. हाथों के कंगन, गले का हार, कानों के कुंडल और बाजूबंद सभी कुछ कमल के फूलों का होता है. मां ब्रह्मचारिणी को ज्ञान और तप की देवी माना जाता है. उनकी पूजा करने से साधक को धन, समृद्धि और ज्ञान प्राप्त होता है. इस देवी की पूजा करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा आती है और जीवन के संघर्षों में भी विचलित न होने की शक्ति मिलती है. नवरात्र के दूसरे दिन साधक इनकी आराधना कर अपने चित्त को 'स्वाधिष्ठान' चक्र में स्थित करते हैं. मां जगत में समाई रहती है. जगत मां में सिमटा रहता है.माता का ब्रहमचारिणी स्वरूप के साथ अपना विस्तार, जीवन के विकास और समेष्टि की विराटता का भी बोध करते हैं. माता का शैलपुत्री का स्वरूप अब विकास के साथ ब्रहमचारिणी बन गया है. स्थूलता का एक सोपान. इस सोपान पर केवल मस्तिष्क के क्रियाकलापों से नहीं बल्कि अपनी इंद्रियों, प्रतिक्रियाओं, स्नेह, प्रेम, उत्तर से अपने को प्रकट करते हैं. यह कालवधि तामसिक गुणों पर विचार करने और इसमें सुधार के लिए ब्रहमचारणी का आहवान करते है. माता का यह स्वरूप संस्कारबद्ध मन को सत्य का बोध कराता है.

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने एच-1बी वीजा पर कहा

हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते, जरूरी कदम उठाने होंगे

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा की फीस बढ़ाए जाने और टैरिफ को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का बयान सामने आया है. उन्होंने कहा, हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते. भारत को इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए जरूरी कदम उठाना चाहिए. भागवत ने कहा, भारत के सामने आज जो समस्याएं उठ खड़ी हुई हैं, वे पिछले 2 हजार सालों से अपनाई गयी उस व्यवस्था का नतीजा हैं. यह विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही है. उन्होंने ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को अपनी राह खुद तय करनी पड़ेगी.

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत इन हालात से निकलने का रास्ता तलाश लेगा. हालांकि चेताया कि भविष्य में कभी न कभी हमें फिर ऐसे ही हालात का सामना करना पड़ सकता है. कहा कि खंडित दृष्टि में हमेशा मैं और बाकी दुनिया या हम और वे की सोच हावी रहती है. मोहन भागवत ने सनातन दृष्टिकोण अपनाने की बात कही. उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य में विकास और प्रगति के सनातन दृष्टिकोण का पालन करते हुए अपना रास्ता खुद बनाना चाहिए, तभी ऐसा समस्याओं से पार पाया जा सकेगा. आरएसएस प्रमुख ने कहा कि तीन साल पूर्व अमेरिका के एक प्रमुख व्यक्ति से मुलाकात हुई थी. हालांकि उन्होंने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया. मोहन भागवत के अनुसार उस व्यक्ति ने सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और अर्थव्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत-अमेरिका साझेदारी और सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की, लेकिन वे बार बार अमेरिकी हितों की रक्षा की बात दोहरा रहे थे.

सदर अस्पताल, रांची में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के पांच साल पूरे होने पर केक काट खुशियां मनाईं

अब शाम की दूसरी पाली में भी ऑपरेशन की शुरुआत

- शाम की पाली में अब न्यूरो सर्जरी, अस्थि रोग, पल्मोनोलॉजी (फेफड़ों की चिकित्सा), प्लास्टिक सर्जरी, सामान्य सर्जरी व स्त्री रोग विभागों के मरीजों का ऑपरेशन होगा

शुभम संदेश। रांची

रांची स्थित सदर अस्पताल में लेप्रोस्कोपिक (दूरबीन पद्धति) सर्जरी की शुरुआत की पांचवीं वर्षगांठ सोमवार को मनायीगयी. इस अवसर पर चिकित्सकों एवं ऑपरेशन थिएटर (ओटी) स्टाफ की उपस्थिति में केक काटा गया. कार्यक्रम के तहत अस्पताल में द्वितीय पाली (शाम की पाली) में भी ऑपरेशन शुरू कर दिए गए हैं. 22 सितंबर 2020 को, कोविड-19 महामारी के दौरान, सदर अस्पताल रांची झारखंड का पहला जिला अस्पताल बना था, जहां लेप्रोस्कोपी विधि से सर्जरी की शुरुआत हुई थी. इन पांच वर्षों में सैकड़ों मरीजों का इलाज सफलतापूर्वक इस न्यूनतम इनवेसिव तकनीक से किया जा चुका है.

हाल के दिनों में ऑपरेशन के लिए मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिससे मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा था. इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने उपलब्ध संसाधनों के तहत शाम की पाली में भी ऑपरेशन आरंभ करने का निर्णय लिया.कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार और उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह ने संयुक्त रूप से केक काटकर टीम को शुभकामनाएं दीं और फीता काटकर द्वितीय पाली के ओटी का शुभारंभ किया.

नवंबर से स्नातकोत्तर डीएनबी कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी

सिविल सर्जन ने मीडिया से बातचीत करते हुए जानकारी दी कि नवंबर माह से अस्पताल के शल्य विभाग में स्नातकोत्तर (डीएनबी) कोर्स की पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी, जिससे आपातकालीन सर्जरी की सुविधा और बेहतर हो सकेगी .शाम की पाली में अब न्यूरो सर्जरी, अस्थि रोग, पल्मोनोलॉजी (फेफड़ों की चिकित्सा), प्लास्टिक सर्जरी, सामान्य सर्जरी व स्त्री रोग विभागों के मरीजों का ऑपरेशन किया जाएगा. कार्यक्रम में ओटी प्रभारी डॉ. अजीत कुमार, डॉ. नीरज, डॉ. विकास बल्लभ, डॉ. स्टीफन खेस, डॉ. वसुधा, डॉ. तन्मय, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. धनंजय प्रमुख सिस्टर्स नेली, स्नेहलता, माला सिन्हा सहित समस्त ओटी स्टाफ उपस्थित रहे.

नमन अखंड तिरंगा यात्रा में जमशेदपुर आयेंगे सांसद मनोज तिवारी: अमरप्रीत

- आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश देती है यह यात्रा
- हर वर्ष 23 मार्च को निकलती है अखंड तिरंगा यात्रा
- शहीदों के सम्मान और नशामुक्त भारत के संकल्प हेतु निरंतर कार्यरत है नमन परिवार

शुभम संदेश। रांची/ नयी दिल्ली

नमन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अमरप्रीत सिंह काले ने नयी दिल्ली में विश्वप्रसिद्ध गायक व भाजपा सांसद मनोज तिवारी से मुलाकात की. तिवारी ने बेहद आत्मीयता के साथ कई सामाजिक एवं राष्ट्रीय विषयों पर विस्तृत चर्चा की और काले द्वारा विगत दिनों आयोजित अंतिम सोमवारी भजन के शानदार सफल आयोजन के लिए एक बार फिर बधाई दी. उल्लेखनीय है कि भजन प्रस्तुति के लिए तिवारी पांव जख़्मी होने के बावजूद नयी दिल्ली से आए थे. काले ने उन्हें आगामी 23 मार्च 2026 को आयोजित होने जा रही देश की प्रतिष्ठित "तिरंगा यात्रा सह शहीद सम्मान यात्रा" में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया. काले ने उन्हें बताया कि यह ऐतिहासिक आयोजन लगातार 11 वर्षों से भव्यता के साथ संपन्न हो रहा है और आज नमन परिवार के अथक प्रयासों से राष्ट्रभक्तों की सबसे बड़ी आवाज़ बन चुका है.

काले ने सांसद तिवारी को बताया कि यात्रा में हर वर्ष हज़ारों की संख्या में नौजवान, मातृशक्ति, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, धार्मिक और शिक्षण संस्थान यात्रा से जुड़कर भारत माता के प्रति अपने समर्पण और शहीदों के बलिदान के प्रति आभार प्रकट करते हैं. यह आयोजन युवाओं में देशभक्ति की ज्योति प्रज्वलित करने का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुका है.

काले ने बताया कि जब उन्होंने मनोज तिवारी को यात्रा की गरिमा, उद्देश्य और जनभागीदारी के बारे में अवगत कराया, तो उन्होंने तुरंत सहमति प्रदान करते हुए उत्साहपूर्वक इसमें शामिल होने की सहमति प्रदान की. काले ने मनोज तिवारी की सहमति हेतु समस्त शहरवासियों की ओर से उनके प्रति आभार प्रकट किया.

बिल्डर कमल भूषण हत्याकांड में डब्लू कुजूर समेत अन्य को आजीवन कारावास

शुभम संदेश। रांची

रांची के चर्चित बिल्डर कमल भूषण हत्याकांड के दोषियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही कोर्ट ने सभी दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है. सोमवार को रांची सिविल कोर्ट के अपर न्याययुक्त आनंद प्रकाश की कोर्ट ने राहुल कुजूर, डबलू कुजूर, सुशीला कुजूर, और काविस अदनान की सजा का ऐलान किया. कोर्ट ने उक्त सभी लोगों को शुक्रवार को दोषी करार दिया था.

मई 2022 में गोली मारकर की गई थी हत्या : गौरतलब है कि 30 मई 2022 को पिस्का मोड़ के देवी मंडप रोड के पास बिल्डर कमल भूषण की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. कमल भूषण की हत्या की साजिश की पूरी जानकारी उसकी बेटी यामिनी को थी. डब्लू कुजूर के बेटे राहुल और छोटू कुजूर ने इस हत्याकांड की साजिश रची थी. यामिनी ने राहुल के साथ लव मैरिज किया था, जिसकी वजह से कमल भूषण नाराज थे. मामला सिर्फ कमल भूषण की हत्या तक सीमित नहीं रहा. कमल भूषण की हत्या के आरोपियों ने उनके अकाउंटेंट संजय सिंह की हत्या भी करवा दी, जो इस केस में गवाह थे. इस हत्या में भी कमल की बेटी यामिनी को आरोपी बनाया गया, क्योंकि आरोप है कि उसने ही शूटरों को पैसे दिए थे.

गवाहों व रिपोर्ट के आधार पर सभी दोषी करार : रांची सिविल कोर्ट के अपर न्याययुक्त आनंद प्रकाश की कोर्ट में ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने 30 से ज्यादा गवाहों का बयान दर्ज कराया और एफएसएल की रिपोर्ट भी पेश की. इसके साथ ही पुलिस ने कई अन्य साक्ष्य भी जुटाए, जिनके आधार पर आरोपियों को दोषी करार दिया गया.

दिल्ली में सरस मेला

झारखंड की ग्रामीण महिलाओं और पलाश ब्रांड को बढ़ावा देने पहुंचीं मंत्री दीपिका पांडेय

- मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित सरस आजीविका मेले का जायजा लिया

शुभम संदेश। रांची/ दिल्ली

झारखंड की ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और हुनर को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के लिए ग्रामीण विकास मंत्री, दीपिका पाण्डेय सिंह आज दिल्ली पहुंचीं. उन्होंने मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित सरस आजीविका मेले का दौरा किया और झारखंड के स्टॉल में प्रदर्शित पलाश और आदिवा ब्रांड के उत्पादों का अवलोकन किया.

मंत्री ने कहा, हमारे राज्य की ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और हुनर काबिले तारीफ है. उन्हें राष्ट्रीय मंच पर अपनी कला और उत्पाद प्रदर्शित करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए. पलाश ब्रांड और सरस मेला इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रोत्साहित करते हुए राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया. दीपिका पाण्डेय सिंह ने ट्विटर पर लिखा, आज नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित सरस आजीविका मेला में शामिल होकर झारखंड की ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास और हुनर को देखकर गर्व हुआ.

मेले में पलाश और आदिवा ब्रांड के साथ-साथ झारखंड की हैंडलूम परंपरा और भागैया सिल्क ने भी लोगों का ध्यान खींचा. रागी लड्डू, शुद्ध शहद, काले गेहूं का आटा, अरहर दाल, हर्बल साबुन, लेमन ग्रास ऑइल और पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पादों में ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और गुणवत्ता साफ झलकी. सरस आजीविका मेला इस बात का सबूत है कि झारखंड की महिलाएँ परंपरा और नवाचार का संगम बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं. राज्य सरकार की पहल उनके सपनों को नई ऊँचाई देने में सहायक साबित हो रही है.

झामुमो नेता पटवारी हांसदा ने बिहार के प्रभावशाली इलाकों से चुनाव लड़ने की रखी मांग

बिहार में झामुमो की चुनावी तैयारी तेज हेमंत सोरेन से 14 सीटों पर उतरने का आग्रह

शुभम संदेश। रांची

बिहार में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का अब तक कोई संगठित प्रादेशिक ढांचा नहीं है, लेकिन कुछ जिलों में इसका प्रभाव जरूर है. पार्टी ने इन्हीं प्रभावशाली क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए चुनावी तैयारी शुरू कर दी है. इसी क्रम में झामुमो के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य पटवारी हांसदा उर्फ बाबा ने पार्टी अध्यक्ष और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक पत्र सौंप कर 14 सीटों से प्रत्याशी उतारने का आग्रह किया है. जिन विधानसभा क्षेत्रों का जिक्र उन्होंने किया है, उनमें धमदाहा, कोढ़ा, पूर्णिया सदर, प्राणपुर, मनिहारी, बहादुरगंज, रानीगंज, पिरपैंती, कटोरिया, बांका, चकाई, तारापुर, बिहारीगंज और छातापुर शामिल हैं.

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अब उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है. दुर्गा पूजा के बाद किसी भी समय चुनाव की घोषणा हो सकती है. ऐसे में एनडीए और इंडिया गठबंधन की पार्टियां जोर-शोर से प्रचार में जुटी हैं. सीटों के बंटवारे को लेकर भी चर्चाएं तेज हो चुकी हैं और दशहरा के बाद प्रत्याशियों की सूची सामने आ सकती है. इन हालातों को देखते हुए झामुमो भी अब बिहार में अपनी सियासी मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी में जुट गया है. जानकारी के मुताबिक, झारखंड से भी झामुमो के कई नेताओं ने बिहार की 12 से 14 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग पहले ही रख दी है.

पूर्व डीसी छवि रंजन की बेल पर 10 अक्टूबर को सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट से ईडी ने मांगा समय

रांची। रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे शीर्ष अदालत ने स्वीकार करते लिया. न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की कोर्ट में छवि रंजन की याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 10 अक्टूबर की निर्धारित की है. बता दें कि पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन ने अपनी बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है. 6 अगस्त को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने छवि रंजन की याचिका खारिज करते हुए उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया था.

सरकार की शह पर झारखंड में महाघोटाला

लुटेरों को डीजीपी का संरक्षण : बाबूलाल मरांडी

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के कथित अवैध डीजीपी के संरक्षण में कई लुटेरे संगठित रूप से अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं. मरांडी ने कहा कि रामगढ़ पुलिस का वांटेड अपराधी राजेश राम जमानत पर बाहर होने के बावजूद डीजीपी कार्यालय में बेरोक-टोक आता-जाता रहा, लेकिन उसे कभी गिरफ्तार नहीं किया गया. उन्होंने दावा किया कि एक वायरल ऑडियो में राजेश राम और डीजीपी के करीबी माने जाने वाले पुलिसकर्मियों, जैसे सिपाही रंजीत राणा और इंस्पेक्टर गणेश सिंह का नाम सामने आया है, जो वसूली और अवैध धंधे में लिप्त हैं. मरांडी ने कहा कि ये महाघोटाले किसी फिल्मी कहानी जैसे लग सकते हैं, लेकिन यह झारखंड की कड़वी सच्चाई है.

मरांडी ने सरकार से पूछा कि क्या इन अवैध वसूलियों में उनकी भी हिस्सेदारी है? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शराब घोटाले में चार्जशीट देर से दायर कर जिन माफिया तत्वों को जमानत दिलाई गई, उसमें 100 करोड़ से अधिक की लेन-देन की चर्चा है. उन्होंने पूछा कि इस धनराशि में किसका कितना हिस्सा है.

उन्होंने चेतावनी दी कि जिस तरह लालू प्रसाद को चारा घोटाले में सजा मिली, उसी तरह झारखंड के इन घोटालों के लिए भी देर-सबेर न्याय होगा. "बबूल का पेड़ बोएंगे तो कांटे भी चुभेंगे," कहते हुए उन्होंने जांच एजेंसियों की कार्रवाई के प्रति आगाह किया.

बंगाल पुलिस ने कोटशिला जाने से सुदेश महतो को रोका

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो को पश्चिम बंगाल के झालदा में पुलिस ने पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ कोटशिला जाने से रोक दिया. महतो वहां हाल ही में हुई हिंसा की घटनाओं के पीड़ितों से मिलने जा रहे थे. प्रतिनिधिमंडल में सुदेश महतो के साथ पार्टी के पूर्व विधायक लंबोदर महतो, ईचागढ़ के पूर्व प्रत्याशी हरेलाल महतो, पार्टी के महासचिव एवं हजारीबाग लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी संजय मेहता शामिल थे. ज्ञात हो कि कुड़मी समाज के एसटी दर्जे की मांग को लेकर हुए आंदोलन के दौरान कोटशिला क्षेत्र के कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे. इन घायलों से मिलने और उनके हालचाल जानने के उद्देश्य से महतो व आजसू पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पश्चिम बंगाल रवाना हुआ था, लेकिन रास्ते में ही पुलिस प्रशासन ने उन्हें रोक दिया और आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी. पार्टी के महासचिव संजय मेहता ने पुरुलिया के एडिशनल एसपी से बात की. कहा कि लोकतांत्रिक अधिकार का हनन हमलोग नहीं सहेंगे. हमलोगों को जाने दिया जाए.

झारखंड में कुपोषण पर उठाए गंभीर सवाल

सरकार बच्चों का निवाला छीन रही है : राफिया नाज

शुभम संदेश । रांची

झारखंड में बच्चों के पोषण को लेकर भारतीय जनता पार्टी की नेत्री राफिया नाज ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की प्राथमिकता बच्चों की भूख मिटाने के बजाय अपनी छवि चमकाने और सत्ता के सुख भोगने में लगी हुई है. राफिया नाज ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि झारखंड में 42.9% बच्चे कम वजन के 39.6% बच्चे कद में छोटे और 29.5% बच्चे कुपोषित और कमजोर हैं. ये आंकड़े राष्ट्रीय औसत से कहीं ज्यादा भयावह हैं. उन्होंने सवाल किया कि जब राज्य के बच्चों की असली भूख को नजरअंदाज किया जा सकता है, तो फिर विज्ञापनों और वीआईपी सुविधाओं पर खर्च करना किस तर्क पर आधारित है?" राफिया ने सरकार की कथित संवेदनहीनता पर हमला बोलते हुए कहा कि मंत्रियों और विधायकों को सुख-सुविधाएं देने के लिए सरकार के पास धन है, लेकिन जब बच्चों के पोषण की बात आती है, तो सरकार मौन साध लेती है.उन्होंने यह भी कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं को महीनों से मानदेय नहीं मिला है, जबकि वही महिलाएं दिन-रात बच्चों और गर्भवती महिलाओं की देखभाल में लगी हैं. सरकार की बेरुखी से सीधे तौर पर महिलाएं और बच्चे प्रभावित हो रहे हैं.राफिया ने कहा कि भाजपा राज्य के बच्चों के भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं करेगी और सरकार से आंगनबाड़ी पोषण आहार की राशि में तत्काल बढ़ोतरी करने, कार्यकर्ताओं को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने, कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके लिए विशेष पोषण योजनाएं लागू करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि हर बच्चे का हक है कि वह स्वस्थ, ताकतवर और खुशहाल जीवन जिए. इसे नजरअंदाज करना अब स्वीकार्य नहीं है.

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ईएसआईसी अस्पताल का दौरा किया

ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया, मरीजों के बीच बांटे फल

शुभम संदेश। रांची

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सोमवार को रांची स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल का दौरा किया. इस अवसर पर डीन डॉ. संध्या आर, क्षेत्रीय निदेशक श्री राजीव रंजन, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, नियोजक संगठन के प्रतिनिधि प्रमोद सारस्वत सहित अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया.मंत्री ने अस्पताल में दो नए ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन कर निरीक्षण भी किया. सीएमओ डॉ. राजेश कुमार प्रसाद ने अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी उन्हें दी. इसके बाद मंत्री संजय सेठ ने मरीजों से मुलाकात की और उन्हें फल वितरित किए.

मंत्री संजय सेठ ने अस्पताल में कूल्हा प्रत्यारोपण करने वाले चिकित्सक डॉ. संजय कुमार से भी भेंट की और उनके मरीजों का हालचाल जाना. अस्पताल की व्यवस्था और सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने नागरिकों और अधिकारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया.सभागार में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक ने मंत्री के व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि उनके सहयोग से अस्पताल के निर्माण कार्य में तेजी आई और आज यह अस्पताल मरीजों को अत्याधुनिक सेवा दे रहा है.

मौके पर मंत्री ने सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक अभिषेक कुमार ने किया.डीन डॉ. संध्या आर ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक शिवेन्द्र कुमार, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजीत कुमार, उपनिदेशक अमरनाथ मिश्र सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

दिल्ली में झारखंड के यूपीएससी छात्रों के लिए छात्रावास बनाएगी सरकार: मंत्री चमरा लिंडा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार राज्य के उन विद्यार्थियों के लिए जो यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं, राजधानी दिल्ली में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराएगी. इसकी घोषणा राज्य के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने की. मंत्री लिंडा रांची स्थित संत जेवियर्स कॉलेज में ट्राइबल सोसाइटी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह निर्णय मीणा समुदाय की पहल से प्रेरित होकर लिया गया है. उन्होंने बताया कि मीणा समुदाय के अधिकारियों ने दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में अपने समाज के छात्रों के लिए एक भवन का निर्माण कराया है, जिससे प्रेरणा लेकर झारखंड सरकार ने भी यह कदम उठाने का निर्णय लिया है. उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के युवाओं को अधिक संख्या में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसी शीर्ष सेवाओं में लाने की आवश्यकता है, क्योंकि राज्य के विकास की दिशा तय करने में मंत्रियों के साथ-साथ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. मंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे संघर्ष करते हुए आगे बढ़ें और शिक्षा के माध्यम से अपनी क्षमता का विकास करें. उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी समाज के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास कर रही है.

सीआईआई की पहल: जीएसटी 2.0 - प्रमुख बदलाव और उद्योग पर प्रभाव पर विशेष सत्र का आयोजन

जीएसटी 2.0 भारत की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर : जयेश टांक

शुभम संदेश। रांची

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) झारखंड की ओर से 'जीएसटी 2.0 ; प्रमुख बदलाव एवं उद्योग पर प्रभाव' पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया. इस सत्र का मुख्य उद्देश्य जीएसटी 2.0 के तहत हुए हालिया सुधारों, अनुपालन आवश्यकताओं और उनके उद्योग जगत पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तृत जानकारी देना था. सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने व्यावहारिक सुझाव और रणनीतियां साझा कीं, ताकि व्यवसाय नई कर प्रणाली के अनुरूप स्वयं को प्रभावी रूप से ढाल सकें.

सीआईआई झारखंड के मेंटर एवं सीईओ जयेश टांक ने कहा कि जीएसटी 2.0 भारत की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है. यह सुधार न केवल अनुपालन को सरल बनाता है, बल्कि पारदर्शिता को भी बढ़ावा देता है. उन्होंने विशेष रूप से एमएसएमई के लिए उत्पन्न हो रही नई संभावनाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला. टांक ने जीएसटी को व्यापार करने की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने वाला कदम बताया.

सीआईआई झारखंड के आर्थिक, वित्तीय एवं कर मामलों की समिति के संयोजक एवं चीफ लीगल काउंसल, टाटा स्टील लिमिटेड विकास मित्तल ने कहा कि जीएसटी 2.0 भारत के आर्थिक सुधारों में सबसे बड़ा बदलाव है. उन्होंने बताया कि नई प्रणाली के तहत 5% की दर आवश्यक वस्तुओं के लिए, 18% मानक दर और 40% विलासिता एवं 'सिन' वस्तुओं के लिए निर्धारित की गई है. यह संरचना न केवल व्यापारियों, एमएसएमई, किसानों, महिलाओं और मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाएगी, बल्कि महंगाई में भी कमी ला सकती है. संजय कुलकर्णी ने जीएसटी 2.0 की सादगी और समाज पर इसके सकारात्मक प्रभाव की सराहना की. उन्होंने सरकार और वित्त मंत्री के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने कर ढांचे को सरल और जनहितकारी बनाने के लिए राज्यों को एक मंच पर लाया. उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हुए उद्योग जगत से सहयोग का आह्वान किया. आर्थिक, वित्तीय एवं कर मामलों की समिति के सह-संयोजक अरुण ए गौर ने कहा कि जीएसटी 2.0 न केवल एक कर सुधार है, बल्कि आनेवाले दशक में भारत के आर्थिक विकास की नींव है. यह प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगा, डेटा आधारित नीति निर्माण को सशक्त बनाएगा और सरकार तथा उद्योगों के बीच भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा.

मंईयां सम्मान योजना

महिलाओं के खातों में पहुंची सितंबर की राशि

रांची। झारखंड में मंईयां योजना के लिए बड़ी खुशखबरी है. सोमवार 22 सितंबर को, यानी नवरात्रि के पहले दिन, राज्य सरकार ने सितंबर माह की 2500 रुपए की राशि महिलाओं के खाते में ट्रांसफर करनी शुरु कर दी है. बता दें बीते दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महालया के अवसर पर ऐलान किया था कि 22 सितंबर से सभी जिलों में यह प्रक्रिया शुरु हो जाएगी. वहीं, सरकारी अधिकारियों के अनुसार, अक्टूबर माह की किस्त भी दीपावली से पहले लाभुकों के खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी, जिससें महिलाएं चिंता मुक्त हो कर त्योहार मना सकेंगी. बता दें कि मंईयां सम्मान योजना झारखंड सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य है वंचित और जरूरतमंद महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करना.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 23 सितंबर 2025 I आश्विन शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 166 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

शारदीय नवरात्र

द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

दधाना कर पद्माभ्यामक्ष माला कमण्डलु।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन जगदंबा ब्रहचारिणी की पूजा-अर्चना का विधान है. ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी यानी आचरण करने वाली। इस प्रकार ब्रह्मचारिणी का अर्थ है तप का आचरण करने वाला. इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बाएं हाथ में कमण्डल रहता है. इस दिन साधक कुंडलिनी शक्ति को जागृत करने के लिए भी साधना करते हैं, जिससे उनका जीवन सफल हो सके और अपने सामने आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा का सामना आसानी से कर सकें. माँ दुर्गाजी का यह दूसरा स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनन्तफल देने वाला है. इनकी उपासना से मनुष्य में तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम की वृद्धि होती है. जीवन के कठिन संघर्षों में भी उसका मन कर्तव्य-पथ से विचलित नहीं होता. मां ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से उसे सर्वत्र सिद्धि और विजय की प्राप्ति होती है.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

झारखंड में सबसे अधिक गिरिडीह में 70 मिलीमीटर हुई बारिश

रांची। झारखंड में सबसे अधिक पिछले 24 घंटों के दौरान गिरिडीह जिले के पालगंज में 70 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई. मौसम विभाग के अनुसार 24 सितंबर को राज्य के दक्षिणी जिलों के कुछ भागों में भारी बारिश होने की आशंका व्यक्त की गई है. इसके अलावा तेज गति से हवा चलने (30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से) और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका व्यक्त की गई है. वहीं, 25 और 26 सितंबर को भी राज्य के दक्षिणी और इससे सटे मध्यवर्ती हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है. इन इलाकों में भी कहीं -कहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका व्यक्त की गई है. इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में और कड़ी धूप रही. ऐसे में लोगों को गर्मी का एहसास हुआ और उमस महसूस की गई. राजधानी रांची में अधिकतम 95 प्रतिशत उमस दर्ज किया गया. सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री, जमशेदपुर में 36 डिग्री, डालटेनगंज में 33.4 डिग्री, बोकारो में 34.2 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

लोहरदगा : समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दीक्षा कुमारी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी सम्मानित

शुभम संदेश। लोहरदगा

जिले की बेटी दीक्षा कुमारी ने अपने उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के माध्यम से न केवल जिले, बल्कि पूरे राज्य का मान बढ़ाया है. दीक्षा को 29 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. यह सम्मान उन्हें समाज सेवा, स्वच्छता और जागरूकता अभियानों में उनके निरंतर योगदान के लिए दिया जा रहा है. दीक्षा कुमारी रांची विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई से जुड़ी हुई हैं और लंबे समय से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं. उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, साक्षरता अभियान, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति अभियान और सड़क सुरक्षा अभियान जैसे कई महत्वपूर्ण अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई है. दीक्षा ने राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत गांवों और शहरी इलाकों में जाकर लोगों को जागरूक किया है.

सेन्हा प्रखंड अंतर्गत उगरा गांव निवासी दीक्षा कुमारी समाजसेवी और किसान प्रदीप कुमार सिंह तथा गृहिणी किरण सिंह की बेटी हैं. दीक्षा ने जवाहर नवोदय विद्यालय से 12वीं तक की पढ़ाई पूरी की. इसके बाद उन्होंने अपने पिताजी से प्रेरणा लेकर सामाजिक कार्यों की दिशा में कदम बढ़ाया और कॉलेज के दिनों से ही एनएसएस से जुड़ गईं. उनके उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए उन्हें वर्ष 2023 में रांची विश्वविद्यालय द्वारा 'बेस्ट वालंटियर' के खिताब से नवाजा गया. इसके अलावा वे 26 जनवरी 2023 को नई दिल्ली में आयोजित कर्तव्य पथ परेड में भी शामिल हुईं, जो किसी भी स्वयंसेवक के लिए गौरव की बात है. दीक्षा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से न केवल उनके घर और गांव में, बल्कि पूरे लोहरदगा जिले में खुशी और गर्व का माहौल है. हर कोई उनके प्रयासों और समर्पण की सराहना कर रहा है. दीक्षा कुमारी आज की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरी हैं.

आईसीएसई-आईएससी परीक्षा पैटर्न में बड़ा बदलाव

50% प्रश्न क्रिटिकल थिंकिंग के, 3 विषयों में सीबीटी का विकल्प

शुभम संदेश डेस्क

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने परीक्षा प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार करते हुए कक्षा 11 और 12 के लिए प्रश्नपत्र की संरचना में बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है. नई व्यवस्था के तहत अब परीक्षाओं में 50 प्रतिशत प्रश्न क्रिटिकल थिंकिंग यानी आलोचनात्मक चिंतन पर आधारित होंगे, जबकि शेष 50 प्रतिशत प्रश्न कॉन्सेप्ट बेस्ड यानी अवधारणात्मक ज्ञान पर केंद्रित होंगे. इस परिवर्तन का उद्देश्य छात्रों की विषय को समझने की गहराई, तार्किक सोच और विश्लेषणात्मक क्षमता का मूल्यांकन करना है. अब तक की प्रणाली में जहां मुख्य रूप से याददाश्त पर निर्भरता अधिक थी, वहीं अब छात्रों को 'आउट ऑफ द बॉक्स' सोचने और विषय की मूलभूत समझ विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा.

इसके साथ ही बोर्ड ने 10वीं और 12वीं के छात्रों को एक और बड़ी सुविधा देने की घोषणा की है. अब ये छात्र अधिकतम तीन विषयों में कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) का विकल्प चुन सकेंगे. यह कदम न केवल छात्रों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाएगा, बल्कि उन्हें डिजिटल युग की शिक्षा प्रणाली से भी बेहतर ढंग से जोड़ने में मदद करेगा. यह अहम निर्णय हाल ही में आयोजित एक क्षेत्रीय बैठक में लिया गया, जिसमें झारखंड जोन के 172 स्कूलों के प्राचार्य शामिल हुए. बैठक में बोर्ड की ओर से स्पष्ट किया गया कि यह बदलाव छात्रों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए किया गया है, जिससे शिक्षा केवल अंकों तक सीमित न रहकर वास्तविक समझ और कौशल पर आधारित हो सके.

शिक्षाविदों का मानना है कि यह बदलाव भले ही छात्रों के लिए शुरू में चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन इससे शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा. छात्रों को अब पढ़ाई की दिशा बदलनी होगी रटने की बजाय विषयों को गहराई से समझने और तर्क के आधार पर विश्लेषण करने पर फोकस करना होगा. सीआईएससीई का यह कदम साफ संकेत देता है कि अब परीक्षा प्रणाली में केवल अंक नहीं, बल्कि छात्रों की सोचने-समझने की असली क्षमता ही सफलता की असली कसौटी बनेगी.

झारखंड : नक्सलियों के साथ अपराधियों पर भी कसा शिकंजा

पुलिस की कड़ाई से टूट रहा गैंगस्टरों का वर्चस्व

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में नक्सलवाद और उग्रवाद के खिलाफ लंबे समय से अभियान चल रहा है. लेकिन अब पुलिस ने संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क पर भी सख्ती बढ़ा दी है. बीते नौ महीनों में राज्य के विभिन्न जिलों में हुई मुठभेड़ों में कई कुख्यात अपराधियों को ढेर कर दिया गया है. झारखंड पुलिस और एटीएस की इस सख्त कार्रवाई का असर राज्यभर में सक्रिय आपराधिक गिरोहों पर साफ दिखाई देने लगा है.

झारखंड में संगठित अपराध और नक्सल नेटवर्क दोनों ही लंबे समय से विकास और सुरक्षा के रास्ते में बाधा रहे हैं. लेकिन हाल के महीनों में हुई पुलिस और एटीएस की कार्रवाइयों ने एक सशक्त संदेश दिया है कि कानून से बड़ा कोई नहीं है. हालांकि चुनौती अभी भी बनी हुई है, क्योंकि 600 से अधिक अपराधी अब भी सक्रिय हैं. लेकिन जिस तरह पुलिस का अभियान तेज हुआ है, उससे उम्मीद है कि आने वाले समय में अपराधियों और गैंगस्टरों का प्रभाव और भी कमजोर होगा और राज्य में शांति व विकास का रास्ता और साफ होगा.

नौ जिलों में सक्रिय आपराधिक गिरोह : झारखंड पुलिस की रिपोर्ट बताती है कि राज्य के नौ जिलों- रांची, हजारीबाग, पलामू, रामगढ़, चतरा, लातेहार, गढ़वा, धनबाद और जमशेदपुर—में लगभग 10 प्रमुख आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं. इनमें करीब 633 अपराधी शामिल हैं. ये गिरोह रंगदारी, अपहरण, अवैध खनन, तस्करी और हथियार कारोबार जैसी गतिविधियों में लिप्त रहे हैं. कई बार इनका गठजोड़ नक्सली संगठनों के साथ भी देखने को मिला है, जिससे पुलिस और प्रशासन की चुनौती और बढ़ जाती है.

मुठभेड़ों में ढेर हुए अपराधी

पिछले कुछ महीनों में पुलिस ने जिन अपराधियों को एनकाउंटर में मार गिराया है, उनमें कई बड़े नाम शामिल हैं.

- 11 जनवरी को रामगढ़ में कुख्यात अपराधी राहुल तुरी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया.
- 11 मार्च को झारखंड का गैंगस्टर अमन साहू पलामू जिले में एटीएस के ऑपरेशन में ढेर हो गया. वह 100 से ज्यादा मामलों में आरोपी था और पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था.
- 29 मार्च को जमशेदपुर के गोविंदपुर इलाके में यूपी एसटीएफ और झारखंड एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में मुख्तार अंसारी गिरोह का शार्प शूटर अनुज कनौजिया मारा गया.
- 10 अगस्त को गोड्डा जिले में हुए मुठभेड़ में सूर्या हांसदा मारा गया. इस घटना ने काफी विवाद भी खड़ा किया. जहां उसके समर्थकों ने उसे समाजसेवी बताया, वहीं पुलिस रिकॉर्ड में वह एक कुख्यात अपराधी था.
- 20 सितंबर को चतरा में पुलिस ने कुख्यात अपराधी उत्तम यादव को एनकाउंटर में मार गिराया. वह चतरा और हजारीबाग पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था.

इसके अलावा, झारखंड के दो अन्य अपराधी भी हाल में दूसरे राज्यों की पुलिस कार्रवाई में मारे गए.

एटीएस और पुलिस की सख्ती से असर

हाल के महीनों में झारखंड एटीएस और जिला पुलिस ने संयुक्त रूप से कई बड़ी कार्रवाई की है. इन ऑपरेशनों के चलते संगठित अपराध की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है. मुठभेड़ों में मारे गए अपराधियों के बाद गैंगस्टरों के नेटवर्क कमजोर हुए हैं और नए अपराधियों की भर्ती पर भी रोक लगी है. झारखंड में पुलिस की रणनीति केवल मुठभेड़ों तक सीमित नहीं है. संगठित गिरोहों की फंडिंग और अवैध कारोबार पर भी लगातार कार्रवाई की जा रही है. पुलिस की कोशिश है कि नक्सल और आपराधिक नेटवर्क के बीच मौजूद संबंधों को तोड़ा जाए, ताकि राज्य में स्थायी शांति स्थापित हो सके.

श्रीराम पावर प्लांट में फटा बॉयलर, दो मजदूर झुलसे

शुभम संदेश। रामगढ़

रामगढ़ जिले के कुज्जू ओपी क्षेत्र में स्थित श्रीराम पावर प्लांट में सोमवार को बॉयलर फट गया. इस हादसे में दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए हैं. दोनों मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद रांची के देव कमल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. श्रीराम पावर प्लांट में प्रबंधन की लापरवाही की वजह से मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था ताक पर है. सोमवार की सुबह दो मजदूर बॉयलर के पास काम कर रहे थे. इसी दौरान बॉयलर फटा और वे दोनों मजदूर आग की चपेट में आ गए. मजदूरों की पहचान मुरपा निवासी नेतलाल ठाकुर और चुंबा निवासी अब्दुल अंसारी के रूप में हुई है. दोनों मजदूरों की स्थिति नाजुक बनी हुई है.

आनन फ़ानन में प्राइम हॉस्पिटल में कराया भर्ती, रेफर : दोनों मजदूर को आनन फ़ानन में कैथा स्थित प्राइम हॉस्पिटल ले जाया गया. जहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रेफर कर दिया. इधर पूरे मामले को दबाने के लिए प्लांट प्रबंधन पूरी ताकत लगा रहा है. वहां काम करने वाले मजदूर सिकंदर अंसारी ने बताया कि प्रबंधन मजदूरों से काम तो लेती है. लेकिन उसकी सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं रखती है. इस कारण प्लांट में आए दिन घटना दुर्घटना होते रहती है.

धनबाद में युवक की गला रेतकर हत्या, शव सेप्टिक टैंक से बरामद

धनबाद। वासेपुर आरा मोड़ मटकुरिया चेकपोस्ट क्षेत्र में एक युवक की हत्या की गई है. मृतक की पहचान 22 वर्षीय सोनू यादव के रूप में हुई है. जिसका गला रेता गया है. शव को सरकारी आंगनबाड़ी स्कूल के सेप्टिक टैंक से बरामद हुआ है. बैंक मोड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. सोनू यादव की हत्या धारदार हथियार से की गई है. डीएसपी नौशाद आलम भी मौके पर पहुंचे हैं. उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारियों को जांच तेज करने का निर्देश दिया. डीएसपी ने बताया कि हत्या के पीछे की वजहों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच में जुट गई है. सोनू के परिजन रो-रोकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अपराधी पकड़े जाएंगे.

गोड्डा में भीषण सड़क हादसा, दंपती सहित 3 की मौत

शुभम संदेश। गोड्डा

गोड्डा जिले के महागामा-एकचारी मुख्य मार्ग पर ग्राम शीतल के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों में एक दंपती और उनकी पड़ोसी महिला शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे करीब दो फीट गहरी खाई में जा गिरी. मृतकों की पहचान महागामा ऊर्जा नगर निवासी जोगेंद्र कुमार यादव, उनकी पत्नी बिंदेश्वरी देवी (53) और पड़ोसी महिला कौशल्या देवी (48) के रूप में हुई है. तीनों व्यक्ति नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना के लिए बिहार के कहलगांव स्थित गंगा घाट से जल लेकर अपने घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया. घटना की सूचना मिलते ही महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, महागामा थाना और हनवारा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची. स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से शवों को खाई से बाहर निकाला गया. क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को भी बाहर लाया गया. पुलिस ने वाहन को जब्त कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए गोड्डा भेज दिया है.

महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि जांच जारी है. घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है. इस दुर्घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है.

रामगढ़ में ट्रक-बस की टक्कर में दो लोगों की मौत

रामगढ़। रामगढ़ जिले के एनएच-23 पर छतर मांडू के पास यात्रियों से भरी श्री गोकुल बस और एक तेज रफ्तार ट्रक के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई. यह दुर्घटना इतनी भयावह थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और दोनों चालकों की मौके पर ही मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा कोठार के पास एक तीखे मोड़ पर हुआ, जब दोनों वाहन तेज रफ्तार में आ रहे थे और अनियंत्रित होकर आपस में भिड़ गए. टक्कर के बाद बस में सवार कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

जामताड़ा : टाटा जा रही सुपरफास्ट ट्रेन में लगी आग

यात्रियों में मचा हड़कंप, कोई हताहत नहीं

शुभम संदेश। जामताड़ा

नई दिल्ली-हावड़ा वाया पटना रेलखंड पर सोमवार दोपहर करीब 12 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई जब बक्सर से टाटा जा रही सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में अचानक धुआं उठने लगा. यह घटना जामताड़ा और विद्यासागर स्टेशन के बीच काशी टांड हॉल्ट के पास हुई, जहां ट्रेन की इंजन से तीसरी बोगी में धुआं उठता देख यात्रियों में भगदड़ मच गई.

धुआं उठते ही कई यात्री घबरा कर चलती ट्रेन से कूद पड़े और इधर-उधर भागने लगे. रेलवे सूत्रों के अनुसार, 8184 डाउन ट्रेन के ब्रेक बेंडिंग होने के कारण यह धुआं निकला और आग लग गई थी. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को तत्काल रोक दिया गया. मौके पर तैनात रेल कर्मचारियों ने फायर सिलिंडर की मदद से तुरंत आग पर काबू पाया. हालांकि, तब तक यात्रियों में जान बचाने की होड़ लग चुकी थी और कई लोग अपना सामान लेकर ट्रेन से उतर गए. करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद हालात सामान्य हुए और ट्रेन को फिर से रवाना किया गया. गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं.

केंद्र सरकार ने मांगा नया प्लान, रांची, धनबाद और जमशेदपुर को मिलेगी नई रफ्तार

रांची, धनबाद व जमशेदपुर में दौड़ेगी मेट्रो!

शुभम संदेश। रांची

झारखंडवासियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर! राज्य के तीन प्रमुख और भीड़भाड़ वाले शहरों रांची, जमशेदपुर और धनबाद में अब मेट्रो ट्रेन दौड़ने की तैयारी तेज हो गई है. केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार से इन शहरों में मेट्रो परियोजना के लिए नया 'कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान' (सीएमपी) मांगा है. केंद्र सरकार के इस निर्देश के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तुरंत एक्शन लिया और नगर विकास एवं आवास विभाग को नया सीएमपी तैयार करने का निर्देश दिया. विभाग ने इसके लिए 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल' (आरएफपी) भी जारी कर दिया है.

कहां से शुरू हुई मेट्रो की बात : 10 जुलाई 2025 को हुई पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने रांची मेट्रो प्रोजेक्ट का मुद्दा उठाया था. इसके बाद नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने केंद्र को एक प्रस्ताव भेजा. हालांकि, केंद्र ने स्पष्ट किया कि पुराने सीएमपी को अपडेट करके दोबारा जमा किया जाए. इसके बाद अब नए सीएमपी पर काम शुरू हो गया है.

क्या है सीएमपी : कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान (सीएमपी) शहर की मौजूदा यातायात व्यवस्था का अध्ययन कर भविष्य के लिए ट्रैफिक, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी योजना तैयार करता है. मेट्रो जैसे प्रोजेक्ट के लिए सीएमपी अनिवार्य होता है.

किन शहरों में मेट्रो?

- **रांची :** राजधानी और प्रशासनिक केंद्र, ट्रैफिक में भारी दबाव.
- **जमशेदपुर :** औद्योगिक नगरी, टाटा स्टील और बड़े व्यवसायिक हब का केंद्र.
- **धनबाद :** कोयला राजधानी, तेजी से बढ़ती आबादी और ट्रैफिक.

इन तीनों शहरों में मेट्रो के आने से यातायात की सुविधा बेहतर होगी, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूती मिलेगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी.

अब आगे क्या

सीएमपी तैयार होने के बाद इसे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा. स्वीकृति मिलने के बाद डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनेगा और फिर फंडिंग व निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी.

हाइवा की चपेट में आकर युवक की मौत, सड़क जाम

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा थाना क्षेत्र अंतर्गत जलडहर पेट्रोल पंप के पास सोमवार सुबह करीब सवा सात बजे हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान लावा पंचायत के कियाबोहाल गांव निवासी 30 वर्षीय गंगासागर टुडू के रूप में हुई है. घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने टाटा–पटमदा मुख्य सड़क को जाम कर दिया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि बालू लदे हाइवा अक्सर तेज रफ्तार और लापरवाही से इस मार्ग पर दौड़ते हैं. स्पीड ब्रेकर नहीं होने की वजह से यहां बार-बार हादसे हो रहे हैं. इसी क्रम में रांगामाटी से आ रहा अनियंत्रित हाइवा गलत दिशा में घुस गया और बाइक सवार गंगासागर टुडू को कुचल दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गंगासागर मजदूरी करने जमशेदपुर जा रहे थे और उन्होंने हेलमेट भी पहन रखा था, बावजूद इसके टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया.

झगड़े के बाद पति की चाकू मारकर हत्या पत्नी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शुभम संदेश। जामताड़ा

जामताड़ा के मिहिजाम स्थित कुर्मीपाड़ा पाइपलाइन इलाके में रविवार रात 35 वर्षीय एक युवक कि सीने में चाकू घोंप कर हत्या कर दी गई. मृतक का कि पहचान महावीर यादव के रूप में हुई है. वह निजी ट्रक चालक था. पुलिस ने घटना के आरोप में मृतक कि पत्नी काजल साव को गिरफ्तार किया है.

दोनों को एक 7 साल कि बेटी भी है. घटना के बारे में बताया जा रहा है कि मृतक रविवार शाम ट्रक को बेसिक स्कूल के पास पार्क कर गांव से आये बड़े भाई अवधेश यादव के साथ कुर्मीपाड़ा स्थित भाड़े के मकान में पहुंचे. जहां बड़े भाई और पत्नी के साथ मिलकर महावीर ने शराब पी.

भाई अवधेश कमरे में ही लेट गया, दोनों पति पत्नी बाहर आकर आपस में किसी बात को लेकर झगड़ पड़े. इतने में तैश में आकर पत्नी ने पति के सीने पर चाकू से वार कर दिया. घटना में महावीर कि मौत हो गई. सूचना मिलते ही मिहिजाम थाना प्रभारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है. घटनास्थल से चाकू और लहूलुहान कपड़े बरामद किये गये है. मृतक महावीर के पिता रामसुबोध यादव ने बताया कि 14 साल पहले थाने में जबरन शादी हुई, 4 साल पहले शराब के नशे में झाड़ कि सिक से मेरी बाई आंख फोड़ दी. दोनों में अक्सर झगड़ा होता था दोनों साथ में शराब पीते थे. काजल के पिता सूरज उर्फ़ पप्पू साव ने बताया कि दोनों को शराब पीने से मना करता था नहीं माना आज ये घटना हो गई. वहीं थाना प्रभारी विवेकानंद दूबे ने बताया कि पुलिस मामले कि पूरी तहकीकात कर आगे कि कार्रवाई की जा रही है.

मोरहाबादी मैदान में जेसीआई रांची के 28वें एक्सपो उत्सव का शानदार समापन

एक्सपो उत्सव रांची ही नहीं, बल्कि पूरे जेसीआई इंडिया का गौरव है : झुनझुनवाला

शुभम संदेश। रांची

जेसीआई रांची द्वारा आयोजित 28वें एक्सपो उत्सव का शानदार समापन हुआ, जिसमें नए उत्साह और ऊर्जा के साथ अगले साल फिर से लौटने का संकल्प लिया गया. सात दिनों तक चले इस भव्य आयोजन के अंतिम दिन मोरहाबादी मैदान में भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने जमकर खरीदारी की. सभी स्टॉलधारक इस अद्भुत आयोजन से काफी संतुष्ट दिखे.

जेसीआई रांची के अध्यक्ष प्रतीक जैन ने आए सभी स्टॉल धारक, मेले में घूमने आए लोगों, जेसीआई रांची के मेंबर्स और आए सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएफएस अंकुर झुनझुनवाला ने जेसीआई रांची की सराहना करते हुए कहा कि एक्सपो उत्सव सिर्फ रांची ही नहीं, बल्कि पूरे जेसीआई इंडिया का गौरव है. इस स्तर के आयोजन के लिए अनुभव और समर्पण की जरूरत होती है, जिसे जेसीआई रांची ने सफलतापूर्वक पिछले 28 सालों से निभाया है.

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मंडल अध्यक्ष जेएफडी एडवोकेट गौरव अरोड़ा ने कहा कि उनको जेसीआई रांची के सभी कार्यक्रम में आ कर खुशी का एहसास होता है.कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेसीआई इंडिया से जेएफएस राखी जैन ने कहा कि उन्होंने एक्सपो उत्सव को वर्षों से बढ़ते और निखरते देखा है. यह आयोजन अब इतना भव्य हो चुका है कि हर साल रांचीवासी इसका इंतजार करते हैं. इसमें पुराने और नए सदस्यों की मेहनत साफ दिखाई देती है.

उल्लेखनीय योगदान के लिए सदस्यों को सम्मानित किया

समापन समारोह में एक्सपो उत्सव 2025 के मुख्य संचालक सिद्धार्थ जयसवाल द्वारा उत्सव के सभी सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिससे पूरे आयोजन का उत्साह और भी बढ़ गया. सुपर स्टार ऑफ एक्सपो– आदित्य जालान, देवेश जैन, सिद्धार्थ चौधरी, सृजन हेतमसरिया, विनय मंत्री, चीफ को ऑर्डिनेटर रिकग्निशन अवॉर्ड– सक्षम मोदी, एक्सपो पंचरत्न – पीयूष केडिया, प्रवीण अग्रवाल, ऋषभ जैन, ऋषभ जालान, तरुण अग्रवाल, एक्सपो अर्जुन– पंकज साबू, प्रशांत पाटोदिया, रॉबिन गुप्ता, संजय शर्मा, सुशील केडिया, मोहित वर्मा,एक्सपो भूषण– ऋषभ अग्रवाल, एक्सपो पद्मभूषण– सौरव जालान, एक्सपो रतन अवार्ड सनी केडिया को मिला. आखिर में सचिव सन्नी केडिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया. कार्यक्रम में जेसीआई रांची के सदस्य, स्टॉल धारक, पार्टनर्स और स्पॉन्सर्स उपस्थित थे.

एक नजर

नवरात्र के अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दिया बड़ा उपहार : संजय सेठ

रांची । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर सोमवार को 'जीएसटी बचत उत्सव' को लेकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ चुटिया में दुकानदारों से मिले और उन्हें फूल देकर इस उत्सव की बधाई दी. रक्षा राज्य मंत्री ने दुकानदारों से संवाद कर स्वदेशी उत्पादन अपनाने, खरीदने और बिक्री करने के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नवरात्रि में देश को बड़ा उपहार दिया है. स्वदेशी को अपनाने और इसे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ने जीएसटी रिफॉर्म किया है, ताकि देश में आवश्यक वस्तुओं का मूल्य कम हो सके. संजय सेठ ने कहा कि सभी दुकानदार स्वदेशी की खरीद-बिक्री को बढ़ावा दें तथा प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के संकल्प को पूर्ण करने में सहयोग करें. इस दौरान व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में स्वदेशी अपनाने से संबंधित स्टीकर भी लगाया. इस अवसर पर रांची महानगर के महामंत्री बलराम सिंह, रोमित नारायण सिंह, सुजीत शर्मा, ललित ओझा, सतीश सिन्हा, राधेश्याम केसरी, जनार्दन शाह, सुरेश साहू, राजदीप महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

जायंट्स ग्रुप ऑफ़ रांची ने बरियातु वृद्धाश्रम में 60 बुजुर्गों को कराया भोजन

रांची। रांची के बरियातु में स्थित एनडी ग्रोवर वरिष्ठ नागरिक भवन (वृद्धाश्रम) में जायंट्स ग्रुप ऑफ़ रांची द्वारा 60 वृद्धजनों के लिए विशेष भोजन का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का सफल संचालन परियोजना प्रमुख मीना कपूर और हेमलता अग्रवाल के नेतृत्व में हुआ, जिनके देखरेख में महिला जायंट्स सदस्यों ने स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन तैयार किया.कार्यक्रम में महिलाओं ने अपने घरों से पूरी, सब्जी, पुलाव, खीर, सलाद, दाल, मिठाई, दही जैसे कई व्यंजन स्वयं बनाकर लाए. इसके साथ ही सेव, केला जैसे फल भी वृद्धाश्रम के निवासियों को प्रेमपूर्वक खिलाए और स्वयं भी साथ में भोजन किया. इस आयोजन में मुख्य रूप से मीना कपूर, सीमा साहू, नीता श्रीवास्तव, पायल गुप्ता, श्वेता जायसवाल, गायत्री अग्रवाल, रंजना साहू और निशा सुलतानिया ने सक्रिय भागीदारी निभाई.इसके अलावा जायंट्स समूह के पुरुष सदस्यों जैसे विनोद कपूर, प्रदीप अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, मिथिलेश साहू, जितेंद्र साहा, धनंजय कुमार, प्रमोद रंजन, अविनाश श्रीवास्तव और मितुल कुमार ने भी इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया. कार्यक्रम के अंत में आश्रम के प्रबंधकों द्वारा जायंट्स समूह को उनके सेवा कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापन और स्वस्तिवाचन प्रदान किया गया.

खलारी में पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर फायरिंग, हवलदार घायल

एक हिरासत में

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के खलारी थाना क्षेत्र में रविवार देर रात अपराधियों ने पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर फायरिंग कर दी. यह घटना बमने के निर्मल महतो चौक के पास घटी है. इस गोलीबारी में खलारी थाना के हवलदार राम शरीफ शर्मा घायल हो गए. उन्हें इलाज के लिए राज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है.

कार सवार नकाबपोश अपराधियों ने चलाई गोलीः बताया जा रहा है कि पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी पर एक सफेद स्विफ्ट कार में सवार नकाबपोश अपराधियों ने हमला किया. उन्होंने छोटे हथियार से लगभग 3-4 राउंड गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली हवलदार राम शरीफ शर्मा के दाहिने पैर में लगी. गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया. जहां से प्राथमिक उपचार कराने के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची के राज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया.

पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारीः इधर घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है. मामले की जांच के लिए कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है. पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है. साथ ही कई लोगों से पूछताछ भी की जा रही है.

एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछः पुलिस ने अब तक दो सफेद कारें जब्त कर ली हैं, जो इस घटना में शामिल हो सकती हैं. इसके साथ ही एक संदिग्ध व्यक्ति को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. हालांकि, अभी तक फायरिंग के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो ने सोमवार को बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है.

स्वस्थ नारी और सशक्त भारत अभियान के तहत राज्यों को मिला प्रशिक्षण

रांची। देशभर के चलाए जा रहे स्वस्थ नारी, सशक्त भारत अभियान के तहत सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, नई दिल्ली की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई. बैठक में देशभर से लगभग ढाई हजार से अधिक प्रतिनिधि जुड़े. बैठक में अभियान के अंतर्गत बनाए गए डैशबोर्ड को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और बताया गया कि डेटा को किस प्रकार समय पर और सही तरीके से अपडेट किया जाए. इसके साथ ही सभी राज्यों को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया गया. ताकि अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके.

मेगालिथ इक्विनोक्स पर्यटन स्थल के विकास की पहल शुरू, ग्रामीण बोले

रैयती जमीन केवल मुआवजा व रोजगार की शर्त पर ही देने पर करेंगे विचार

डीपीओ ने किया स्थल निरीक्षण

शुभम संदेश । रांची/हजारीबाग

हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत चार प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास और जीर्णोद्धार की दिशा में राज्य सरकार ने पहल शुरू कर दी है. इसी कड़ी में पंकरी बरवाडीह गांव स्थित ऐतिहासिक मेगालिथ इक्विनोक्स स्थल का हाल ही में निरीक्षण जिला योजना पदाधिकारी (डीपीओ) पंकज तिवारी द्वारा किया गया. निरीक्षण के दौरान डीपीओ ने स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की. उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय महत्व के स्थल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने हेतु जमीन चिह्नित की जा रही है. इस प्रक्रिया में यह देखा जा रहा है कि किस रैयत की कितनी भूमि परियोजना में आएगी. डीपीओ ने कहा कि पहले चरण में केवल मापी की जाएगी और इसके लिए ग्रामीणों का सहयोग आवश्यक है.

ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे रैयती भूमि केवल मुआवजा और रोजगार की शर्त पर ही देने पर विचार करेंगे. इस पर जवाब देते हुए डीपीओ ने भरोसा दिलाया कि सरकार किसी भी सूरत में जबरन भूमि अधिग्रहण नहीं करेगी. यह पूरी प्रक्रिया सहमति पर आधारित होगी और कोई भी कार्य ग्रामीणों की इच्छा के विरुद्ध नहीं होगा. उन्होंने यह भी बताया कि अभी मुआवजे से संबंधित बजट तैयार नहीं हुआ है. प्रस्ताव शीर्ष अधिकारियों के पास भेजा जाएगा और वहां से स्वीकृति मिलने के बाद ही मुआवजा की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी. उन्होंने कहा कि इस समय कोई ठोस आश्वासन देना जल्दबाज़ी होगी, लेकिन सरकार की मंशा ग्रामीणों के हितों की रक्षा करते हुए विकास कार्य करने की है.

डीपीओ तिवारी ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे इस स्थल के विकास में सहयोग करें और भूमि देने के साथ-साथ उसके संरक्षण व रखरखाव की जिम्मेदारी भी लें. इससे न केवल क्षेत्रीय लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा, बल्कि यह स्थल ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से राज्य और देशभर में प्रसिद्ध होगा.

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में ही पंकरी बरवाडीह स्थित मेगालिथ इक्विनोक्स को राष्ट्रीय पर्यटन स्थल तथा गुफा, परसों पानी और महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव को राज्य स्तरीय पर्यटन स्थल घोषित किया गया था. इन सभी स्थलों के विकास के लिए अधिकारियों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से निरीक्षण और योजना निर्माण की प्रक्रिया जारी है

अनुसूचित बहुल वार्ड में समस्याओं का निदान करे निगम : लवकुश

शुभम संदेश। रांची

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य लव कुश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को कचहरी स्थित राज्यकीय अतिथिशाला में रांची नगर निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की हुई. बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के कर्मियों और नागरिकों को निगम स्तर पर दी जा रही सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं ओर फोकस करने को कहा गया. इस अवसर पर आयोग के सदस्य लव कुश ने कहा कि रांची नगर निगम खास तौर पर अनुसूचित जाति नागरिक बहुल वार्डों में सड़क, बिजली और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था का आकलन कर शीघ्र सुधार सुनिश्चित करें. आयोग के सदस्य ने निगम प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि महिला उद्यमियों और वेंडर्स की स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग नियमित रूप से कराई जाए ताकि वे बाज़ार की प्रतिस्पर्धा में टिक सकें.

उन्होंने कहा कि जिन लाभुकों के आवेदन किसी योजना में अस्वीकृत हुए हैं, उनकी फाइलों की पुनः जांच कर लाभ दिया जाए. इसके अलावे आयोग सदस्य ने महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों और वेंडर मार्केट के उद्यमियों से उनके ऋण प्राप्ति के बाद व्यवसाय की स्थिति की जानकारी ली. मौके पर लाभुकों ने बताया कि वे अपने व्यवसाय से जीवन-यापन कर रहे हैं और ऋण चुकाने में कोई कठिनाई नहीं हो रही है. कुमार ने सभी लाभुकों को आय का प्राथमिक उपयोग बच्चों के उत्तम भोजन और शिक्षा पर विशेष कार्य करने की सलाह दी. इसके पूर्व निगम प्रशासन ने आयोग सदस्य को निगम कर्मियों को वेतन के अतिरिक्त ईपीएफ, ईएसआईसी और सुरक्षा किट जैसी सुविधाएं देने, अनुसूचित जाति नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराए जाने, डे-एनयूएलएम योजना के अंतर्गत पिंक ऑटो, दीदी कैंटीन, सोहराय पेंटिंग और वेंडर मार्केट जैसी परियोजनाओं के जरिए स्वरोजगार के अवसर दिए जाने संबंधित जानकारियां दी. उन्होंने राजधानी में पिंक ऑटो परियोजना की विशेष रूप से सराहना की. बैठक में निगम के प्रशासक सुशांत गौरव, अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक, निगम के कर्मचारी और लाभुक मौजूद थे.

निगम कर्मियों की हड़ताल 25 को, 24 को घेरेंगे श्रमायुक्त कार्यालय

रांची। झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन ने नगर निगम कर्मियों की मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है. यूनियन ने घोषणा की है कि 25 सितंबर को निगम कर्मी एक दिवसीय हड़ताल करेंगे. वहीं 24 सितंबर को दोपहर तीन बजे श्रमायुक्त कार्यालय का घेराव किया जाएगा. यह फैसला रविवार को पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित सभा में लिया गया. यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि निगम कर्मियों को अबतक वैधानिक छुट्टी, बोनस, स्थायीकरण, पहचान पत्र और वेतन पर्ची का अधिकार नहीं दिया गया है. जबकि दुकान प्रतिष्ठान अधिनियम और बोनस एक्ट 1965 के तहत यह अधिकार सुनिश्चित है. उन्होंने आरोप लगाया कि श्रम विभाग मजदूरों की समस्याओं को दूर करने के बजाय नगर प्रशासक की खुशामद में लगा है. भवन सिंह ने साफ कहा कि यदि 23 सितंबर तक बोनस और छुट्टी लागू करने का नोटिस जारी नहीं किया गया तो 24 तारीख से घेराव होगा. और यह आंदोलन तबतक जारी रहेगा जबतक कड़ी कार्रवाई कर अधिकार नहीं मिल जाते.

हेमंत सोरेन सरकार की लोकप्रियता से घबरा गए हैं बाबूलाल : विनोद पांडेय

शुभम संदेश। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि विपक्ष हेमंत सोरेन सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से बौखला गया है. इसी कारण झूठ और अफवाहों का सहारा लिया जा रहा है. उन्होंने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और अन्य नेताओं के आरोपों को बेबुनियाद बताया.

पांडेय ने कहा कि मरांडी लूट और घोटाले के मनगढ़ंत किस्से गढ़कर मुख्यमंत्री और पुलिस महकमे को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन है. उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा नेताओं का उद्देश्य भ्रष्टाचार की जांच नहीं, बल्कि जनादेश से बनी सरकार की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हमेशा पारदर्शिता और जवाबदेही की मिसाल पेश की है. अगर किसी के पास कोई ठोस सबूत है तो वह जांच एजेंसियों को दे, लेकिन भाजपा केवल प्रेस बयान और सोशल मीडिया पोस्ट से जनता को गुमराह कर रही है. बच्चों के पोषण को लेकर लगाए गए आरोपों पर पांडेय ने पलटवार करते हुए कहा कि झारखंड में कुपोषण भाजपा के लंबे शासनकाल की देन है. हेमंत सरकार ने पोषण अभियान, आंगनबाड़ी केंद्रों के आधुनिकीकरण, पोषण आहार बजट बढ़ाने और सेविकाओं का मानदेय नियमित करने जैसे कई ठोस कदम उठाए हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा को झूठे आरोपों से बाज आकर रचनात्मक सुझाव देने चाहिए. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य विकास और सामाजिक न्याय के नए मानक स्थापित कर रहा है और सभी वर्गों के उत्थान के लिए योजनाएं तेजी से लागू हो रही हैं.

भाजपा के पास सिर्फ़ कहानियां जनता गुमराह नहीं होगी : कांग्रेस

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य पुलिस पर लगाए गए ताज़ा आरोपों पर प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि भाजपा नेताओं की राजनीति अब जनता की समस्याओं और जमीनी मुद्दों से कट चुकी है. यही कारण है कि वे आए दिन झूठ और कल्पना पर आधारित बयान देकर राज्य की राजनीति को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं. कमेटी के महासचिव अलोक कुमार दुबे ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा का पूरा प्रयास सिर्फ़ यह दिखाना है कि झारखंड में विकास का काम रुक गया है, जबकि सच्चाई यह है कि मौजूदा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान कल्याण और युवाओं के रोजगार में लगातार सकारात्मक काम किया है. भाजपा नेताओं को यह हजम नहीं हो रहा कि जनता ने उन्हें नकार दिया और गठबंधन सरकार पर भरोसा जताया. अब झूठे आरोप लगाकर जनता के मन में संशय पैदा करने की नाकाम कोशिश हो रही है.

दुर्गा पूजा : डोरंडा में 62वें दुर्गोत्सव का आगाज

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ छप्पन सेट पूजा समिति का दुर्गोत्सव

शुभम संदेश। रांची

छप्पन सेट दुर्गा पूजा समिति रांची की ओर से सोमवार को डोरंडा में 62वें दुर्गोत्सव का आगाज़ भव्य कलश शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ. शारदीय नवरात्र की पावन बेला में सुबह नौ बजे समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे, संरक्षक कपिल देव सिंह, अध्यक्ष गौतम दुबे गोपी, सचिव रितेश सिंह और मनोज सिंह के नेतृत्व में कलश यात्रा नेपाल हाउस, राजेंद्र चौक होते हुए बटम तालाब पहुंची. वहां से श्रद्धालुओं ने पवित्र जल भरकर संकल्प किया. वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मंदिर परिसर में कलश स्थापना संपन्न की.इस अवसर पर मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा कि छप्पन सेट दुर्गा पूजा केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का प्रतीक है. 62 वर्षों से यह पूजा नई पीढ़ी को संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का कार्य कर रही है. समिति के अध्यक्ष गौतम दुबे ने जानकारी दी कि इस बार पूजा पंडाल विशेष थीम पर सजा है. विद्युत सज्जा, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होंगे.

भव्य कलश शोभायात्रा में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश और नारियल उठाकर हिस्सा लिया, वहीं बच्चे और युवा ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि और मां के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बनाते रहे. भीड़ उमड़ने से पूरा इलाका आस्था के रंग में रंग गया. कलश स्थापना और पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुड़िया सिंह, शोभा सिंह, छाया अम्बष्ट, पुष्पांजलि सिंह, निशा कुमारी, मैहुल दूबे, विकास कुमार सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे.

अधिवक्ता परिषद का उद्देश्य न्याय क्षेत्र में मानव की सेवा करना है : राजेंद्र

रांची। अधिवक्ता परिषद व्यवहार न्यायालय रांची इकाई सह टैक्सेशन इकाई की ओर से अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद का 34वां स्थापना दिवस हेमसी बिल्डिंग, कचहरी रोड में सोमवार को धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर बिहार और झारखंड राज्य के बतौर विशिष्ट अतिथि संगठन आयाम के प्रमुख राजेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि अधिवक्ता परिषद का मूल उद्देश्य न्याय के क्षेत्र में मानव सेवा करना है. साथ ही उन्होंने परिषद की स्थापना की पृष्ठभूमि, संगठन के विभिन्न आयाम और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी भी विस्तार से साझा की. यह जानकारी परिषद के प्रांत मीडिया प्रभारी रितेश कुमार बॉबी ने दी. उन्होंने बताया कि व्यवहार न्यायालय रांची के अध्यक्ष प्रदीप कुमार चौरासिया ने आगंतुकों का स्वागत किया.

24 सितंबर को होगा 212वां स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम

पेंशनरों की शिकायतों का होगा समाधान

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के दीपाटोली कैंट स्थित कैंप परिसर में 24 सितंबर को 212वें स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे रक्षा राज्य मंत्री और रांची सांसद संजय सेठ, जबकि रक्षा लेखा महानियंत्रक आरके अरोड़ा भी इसमें उपस्थित रहेंगे. यह जानकारी भारतीय रक्षा लेखा सेवा, पटना के रक्षा लेखा नियंत्रक हिमांशु शंकर ने मीडियो को दी.

कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न जिलों से 5- 6 सौ पेंशनरों के शामिल होने की उम्मीद है. इसका मुख्य उद्देश्य पेंशन से संबंधित शिकायतों का स्थल पर तुरंत समाधान करना है. विशेष रूप से, दूर-दराज के इलाकों से आनेवाले पेंशनरों की डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र और संचालन से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा.पेंशनरों की सुविधा के लिए कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सीय जांच स्टॉल, ईसीएचएस शिकायत निवारण काउंटर, और एडब्ल्यूपीओ भर्ती सहायता स्टॉल भी लगाए जाएंगे. इस आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए 111 एरिया और 23 इंफैंट्री डिवीजन का सहयोग लिया जा रहा है.

रक्षा लेखा नियंत्रक ने पेंशनरों और उनके परिवारों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लें, ताकि वे विभागीय सेवाओं का लाभ उठाते हुए अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकें. इसके अलावा, जमशेदपुर और गुमला से आने वाले पेंशनरों के लिए विशेष बस सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी.

ब्रीफ न्यूज

दुर्गा पूजा-सह-नवरात्र प्रवचन के लिए कलश स्थापना

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड के बड़कागांव हनुमानगढ़ी परिसर में दुर्गा पूजा समिति द्वारा कलश स्थापना का भव्य आयोजन किया गया. समिति के संरक्षक दिलीप कुमार तिवारी ने बताया कि 23 सितंबर से 1 अक्टूबर तक नवरात्र प्रवचन प्रतापगढ़ और वाराणसी के पंडितों द्वारा किया जाएगा. कलश स्थापना के लिए चेड़ी दाई सह सूर्य मंदिर से अमानत नदी का जल लाकर पूजा स्थल पर विधिपूर्वक कलश स्थापित किया गया. अनुष्ठान में पुरोहित नरेंद्र पाठक और संजीत कुमार दूबे ने यजमान का दायित्व निभाया. कलश यात्रा में समिति के पदाधिकारी एवं कई श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए. कार्यक्रम में अध्यक्ष उमेश नारायण त्रिपाठी, सचिव अंकेश चंद्र त्रिपाठी सहित कई लोग उपस्थित थे.

झारखंड में तान्या महतो ने तीसरी रैंक हासिल की

रामगढ़। डीएवी पब्लिक स्कूल सीसीएल एनटीएस बरकाकाना की मेधावी छात्रा तान्या महतो ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा 2025 में झारखंड राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रौशन किया. इस उपलब्धि पर जिला स्तरीय समारोह में तान्या के माता-पिता को सम्मानित किया गया. उन्हें 1 लाख रुपये, लैपटॉप, मोबाइल, बैग और प्रमाणपत्र भेंट किए गए. तान्या ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और माता-पिता को दिया.

वेस्ट बोकारो : अत्याधुनिक खेल परिसर का उद्घाटन

रामगढ़। टाटा स्टील वेस्ट बोकारो डिवीजन में सोमवार को वाइस प्रेसिडेंट (रॉ मैटेरियल्स) संदीप कुमार ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त वेस्ट बोकारो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया. लगभग 4,200 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला यह खेल परिसर वॉकिंग ट्रैक, इनडोर बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट पिच, फेंसिंग कोर्ट, वॉलीबॉल व बास्केटबॉल कोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस है. यह परिसर टाटा स्टील की अपने कर्मचारियों व स्थानीय समुदाय के लिए स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है.

श्रद्धालुओं ने किया उत्साह के साथ स्वागत

पदमा मनातू में कलश यात्रा निकाली गयी

शुभम संदेश । पदमा (मनातू)

- खास आकर्षण भोजपुरी गायिका अक्षरा सिंह थीं

नवरात्र के पावन अवसर पर पदमा मनातू में कलश यात्रा का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें आस्था और श्रद्धा का अनोखा संगम देखने को मिला. सुबह से ही पुराना बाजार के दुर्गा मंडप से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ निकली कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह की लहर दौड़ा दी. समाजसेवी रामदास साव के नेतृत्व में यह यात्रा पदमा चौक होते हुए सूर्य मंदिर तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हजारों श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना की.

रामदास साव ने कलश यात्रा में शामिल भक्तों को नवरात्र के शुभ अवसर पर पेड़ देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया, जो सामाजिक रूप से सराहनीय रहा. यात्रा के दौरान गाजे-बाजे की मधुर धुन पर भक्तजन झूमते-नाचते नजर आए. इस अवसर पर पांकी भाजपा नेत्री मंजू लता भी शामिल हुईं, जिन्होंने श्रद्धालुओं को नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए मां दुर्गा से क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की.

यात्रा की सबसे खास आकर्षण भोजपुरी गायिका अक्षरा सिंह थीं, जिन्होंने बनारस से आकर मनमोहक भक्ति गीतों से सभी का मन मोह लिया. उनके गीतों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया.

कलश यात्रा में समाजसेवी अनिल साहू, भोला साव, टेनी प्रजापति, कमलेश कुमार, गिरेंद्र प्रजापति, सांसद प्रतिनिधि बिगु साहू, जिला परिषद सदस्य प्रदीप कुमार चावला एवं पंचायत समिति सदस्य पूनम देवी सहित कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई. यात्रा ने समाज में एकता और धार्मिक सौहार्द का संदेश दिया, विशेषकर युवा वर्ग में भक्ति और सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा दिया. सुरक्षा के लिए थाना पुलिस पूरी मुस्तैदी से कार्यरत रही और भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित किया गया. कलश यात्रा का समापन सूर्य मंदिर प्रांगण में सामूहिक आरती के साथ हुआ, जहां भक्तों ने दीप प्रज्वलित कर मां दुर्गा की जयकारें लगाईं. इस आयोजन ने साबित कर दिया कि आस्था जब उत्सव का रूप लेती है तो समाज एक सूत्र में बंध जाता है. पदमा मनातू की यह भव्य यात्रा क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत में एक यादगार दिन साबित हुई.

संरक्षक इंदर सिंह नामधारी ने कहा-वरिष्ठता केवल उम्र का नाम नहीं

मेदिनीनगर में प्रथम वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

होटल ब्लू बर्ड सभागार में वरिष्ठ नागरिक मंच पलामू के तत्वाधान में प्रथम वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह तथा वरिष्ठ नागरिक मंच नूतन संस्था परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महापौर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह ने की. इस अवसर पर मंच के संरक्षक इन्दर सिंह नामधारी ने कहा कि वरिष्ठता केवल उम्र का नाम नहीं, बल्कि समाज में उत्कृष्ट योगदान का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि हमारे वरिष्ठ नागरिकों ने अपने तन, मन और धन से समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हम सभी प्रेरित होते हैं.

कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक मंच के अन्य पदाधिकारियों ने भी इस मंच की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि यह संस्था पलामू एवं मेदिनीनगर के सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास में अहम योगदान देगी. वरिष्ठ नागरिक मंच के संरक्षक मंडल में सोमेस्वर प्रसाद, केके मिश्रा, सुरेश जैन, रघुवंश नारायण सिंह, प्रेम भसिम, ज्ञानचंद पांडेय, एके विश्वकर्मा और एमपी सिंह शामिल हैं. अध्यक्ष पद पर विजयानंद सरस्वती, महा सचिव भिखारी राम, उपाध्यक्ष राणा प्रताप सिंह तथा सचिव डीएस श्रीवास्तव, चीतेश मिश्रा, नारायण तिवारी समेत अन्य पदाधिकारी नियुक्त किए गए.

कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित भी किया गया, जिससे उनका समाज में योगदान सम्मानित हुआ और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा मिली. यह आयोजन वरिष्ठ नागरिकों की विरासत को संरक्षित करने और उनके अनुभवों से समाज को लाभान्वित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

भव्य कलश शोभायात्रा

उंटारी रोड (पलामू)। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई. बिरजा गांव के पूजा पंडाल से गाजे-बाजे के साथ निकली यात्रा दरुआ होते हुए कोयल नदी तट पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भराई की गई. इसके बाद श्रद्धालु वापस पंडाल लौटे और विधिवत पूजा के साथ कलश स्थापित किया गया.

करंट की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों की मौत

बालूमाथ (लातेहार)। अमरवाडीह पंचायत के बजरमरी ग्राम में सोमवार देर शाम बिजली करंट की चपेट में आने से दो चचेरे भाइयों प्रकाश उरांव (24 वर्ष) और विनय उरांव (25 वर्ष) की दर्दनाक मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, विनय अपने घर की छत पर बिजली तार से जुड़ी बोदी सब्जी तोड़ रहा था, तभी करंट लगने से वह घायल हो गया. उसे बचाने गए चचेरा भाई प्रकाश भी बिजली के नंगे तार को पकड़ने की कोशिश में करंट की चपेट में आ गया. दोनों को गंभीर हालत में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए पलामू से पांच खिलाड़ी चुने गए

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के सहयोग से मोराबादी फुटबॉल स्टेडियम में तीन दिवसीय ईस्ट जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 24 सितंबर तक आयोजित की जा रही है. इस प्रतियोगिता के लिए पलामू से कुल पांच खिलाड़ियों का चयन हुआ है. चयनित खिलाड़ी झारखंड सरकार खेल विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं.

चयनित खिलाड़ियों में आकांक्षा को अंडर-20 वर्ग में 200 मीटर, 400 मीटर दौड़ और 4×100 मीटर रिले के लिए चुना गया है. वहीं, अंडर-18 वर्ग में हेमंत कुमार को जैवलिन थ्रो, संध्या कुमारी व मानसी सिंह को हाई जंप और शिवानी कुमारी को डिस्कस थ्रो के लिए चयनित किया गया है.

पलामू जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ईस्ट जोन जूनियर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के लिए चुना जाएगा. साथ ही, जिला के दो तकनीकी पदाधिकारी मोनू कुमार और प्रदीप कुमार मेहता का भी इस प्रतियोगिता में चयन हुआ है.

जिला खेल पदाधिकारी रतन कुमार सिंह, पलामू जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष आजादशत्रु प्रसाद सिन्हा समेत कई खेल संघों के पदाधिकारियों ने चयनित खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं. प्रशिक्षकों और संघों ने भी खिलाड़ियों के सफल प्रदर्शन की उम्मीद जताई है.

महुआडांड़ में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार और आयुष्मान शिविर का सफल आयोजन

लातेहार। महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार एवं आयुष्मान शिविर का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमित खलखो ने की. शिविर में गर्भवती महिलाओं के लिए एएनसी (एंटीनेटल केयर), टीबी, एचआईवी और एनसीडी (गैर-संचारी रोग) की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई. इस दौरान शिविर में पहुंचने वाले सभी मरीजों की जांच की गई और उन्हें आवश्यकतानुसार मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं. जांच रिपोर्टों को

संकलित कर जिला मुख्यालय भेजा गया ताकि आगे की चिकित्सीय कार्यवाही प्रभावी ढंग से की जा सके. शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया. डॉ. अमित खलखो ने बताया कि ऐसे शिविरों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जनता को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें निशुल्क चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है. इससे ग्रामीण समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं और बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलती है. कार्यक्रम में डॉक्टर सीमा कुमारी, शंकर उरांव, यशवंत राम सहित कई एएनएम भी मौजूद थे, जिन्होंने शिविर के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

हत्या के तीन आरोपियों को पलामू जिला न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्वेता ढींगरा की अदालत ने हत्या के तीन आरोपियों सुनिल राम, आलोक राम उर्फ नेपाली, और धर्मेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डु पांडेय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. उन्हें आईपीसी की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और दस हजार रुपये जुर्माना, साथ ही धारा 201 के तहत तीन वर्ष कारावास व पांच हजार रुपये जुर्माना भी दिया गया. मामला सेमरी गांव के हेमंत कुमार की हत्या से जुड़ा है, जिनका शव चिन्हो खुर्द के बकरा जंगल में मिला था. आरोपियों को गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर दोषी पाया गया. इस मामले की जांच पाटन थाना के तत्कालीन पुअनि अशोक कुमार महतो ने की थी.

दुर्गा पूजा की शुरुआत बंगाली समाज की देन: अरुणा शंकर

मेदिनीनगर। नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने दुर्गाबाड़ी में महाल्या पूजा में भाग लिया और कहा कि शहर में दुर्गा पूजा की परंपरा बंगाली समाज द्वारा शुरू की गई है, जो 111 वर्षों से भक्ति और समर्पण के साथ निभाई जा रही है. उन्होंने बताया कि बंगीय दुर्गा बाड़ी की पूजा पूरे जिले के लिए आस्था का केंद्र है और यहां के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी समृद्ध परंपरा का हिस्सा हैं. इस अवसर पर अरुणा शंकर ने दुर्गाबाड़ी में भक्तों के लिए शीतल जल की सुविधा हेतु वाटर कूलिंग मशीन प्रदान की. बंगाली दुर्गा बाड़ी महिला समिति की सचिव मुनमुन चक्रवर्ती और पृथा भट्टाचार्य ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया. डीएवी स्कूल की प्राचार्य इंद्राणी चटर्जी ने पूजा स्थल का घरेलू माहौल और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना की. लायंस क्लब के अध्यक्ष गुरवीर सिंह गोलू ने दुर्गाबाड़ी की पूजा को शहर के लिए गर्व बताया.

आईजी शैलेंद्र सिन्हा ने पदभार संभाला, बोले अपराध व नक्सल के खिलाफ समन्वय से कार्रवाई करेंगे

मेदिनीनगर। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने सोमवार को पलामू जोन के नए आईजी के रूप में पदभार संभाला. वे इससे पहले दुमका जोन के आईजी थे. पद ग्रहण समारोह में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. शैलेंद्र सिन्हा ने कहा कि एक सक्षम टीम लीडर के रूप में अपराध एवं नक्सल उन्मूलन के लिए बेहतर समन्वय से कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने आगामी दुर्गा पूजा पर्व और बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस की सतर्कता बनाए रखने पर भी जोर दिया. सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा को लेकर मंगलवार को बैठक आयोजित की जाएगी और बिहार चुनाव में हर संभव सहयोग दिया जाएगा. शैलेंद्र कुमार सिन्हा पलामू जोन के आठवें आईजी हैं. इससे पहले इस पद पर दीपक वर्मा, एमएस भाटिया, आरके मल्लिक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं. 2016 से 2024 तक यह पद समाप्त कर दिया गया था, जिसे अब पुनः बहाल किया गया है.

परीक्षा

लातेहार जिले के 10 प्रखंडों में 432 विद्यालयों में जांच परीक्षा का आयोजन

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम, नवसाक्षरों के लिए परीक्षा का आयोजन

शुभम संदेश । लातेहार

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के 10 प्रखंडों में 432 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाकर नवसाक्षरों के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक जांच परीक्षा का आयोजन किया गया. इस परीक्षा में निर्धारित 40 हजार लक्षित नवसाक्षरों में से लगभग 25 हजार नवसाक्षर उपस्थित हुए. परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यस्क शामिल हुए. परीक्षा का सफल संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रखंड संसाधन केंद्र पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए थे, जिनमें डीआरजी एवं बीआरसी कर्मी तैनात थे जो विद्यालयों से नियमित रिपोर्टिंग कर रहे थे.

जिला कार्यालय में जिला शिक्षा अधीक्षक के नेतृत्व में कंट्रोल रूम स्थापित कर परीक्षा की अनुश्रवण व्यवस्था की गई. सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड साधन सेवी एवं संकुल साधन सेवियों द्वारा किया गया. साथ ही, भारत सरकार की वाणी गर्ग द्वारा चंदवा प्रखंड के लाधुप उच्च विद्यालय और अमझरिया मध्य विद्यालय का औचक निरीक्षण भी किया गया.

मंडल कारा लातेहार में चल रहे जन चेतना केंद्र का भी वाणी गर्ग ने निरीक्षण किया. उपायुक्त लातेहार समय-समय पर परीक्षा केंद्रों की स्थिति और संचालन की जानकारी लेते रहे. पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व जिला शिक्षा अधीक्षक-सह-अधिवक्ता गौतम कुमार साहू एवं जिला साक्षरता समिति ने मिलकर किया. इस परीक्षा आयोजन से नवसाक्षरों के साक्षरता स्तर में सुधार की उम्मीद जताई गई है और यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार में सहायक माना जा रहा है.

25 हजार नवसाक्षर उपस्थित हुए

उपायुक्त लातेहार समय-समय पर परीक्षा केंद्रों की स्थिति और संचालन की जानकारी लेते रहे.

प्रेस क्लब ने की सदस्यता अभियान की जोरदार शुरुआत

लातेहार। प्रेस क्लब, लातेहार ने सोमवार को सदस्यता अभियान की शुरुआत सर्किट हाउस में की. यह अभियान दोपहर करीब एक बजे शुरू हुआ, जिसमें लातेहार सदर प्रखंड के सदस्यता प्रभारी आशीष वैध, संजीत पांडेय और विवेक सिन्हा ने जिले के मुख्यालय में मौजूद पत्रकारों को सदस्यता दिलाई. प्रेस क्लब के सचिव राजीव मिश्रा ने बताया कि पूर्व निर्धारित योजना के तहत यह अभियान 12 अक्टूबर तक पूरे जिले में चलाया जाएगा. उन्होंने कहा कि जल्द ही अन्य प्रखंडों के पत्रकारों के लिए भी सदस्यता अभियान का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तिथि पहले से सूचित कर दी जाएगी.इस दौरान बताया गया कि 22 से 25 सितंबर तक लातेहार सूचना एवं जनसंपर्क विभाग कार्यालय में सुबह 11:30 से 12:30 बजे तक सदस्यता फॉर्म का वितरण भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पत्रकार सदस्य बन सकें.

एक नजर

कलश स्थापना के साथ शुरू हुई मां दुर्गा की आराधना, निकली भव्य कलश यात्रा

मेदिनीनगर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर माँ दुर्गा की आराधना कलश स्थापना के साथ सोमवार को शुरू हुई. बारालोटा स्थित शिव शांति संघ में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना हुई, जहां भक्तिमय माहौल बना रहा. नवरात्र के दौरान दैनिक पूजा, संध्या आरती, हवन, भजन-कीर्तन एवं प्रवचन आयोजित होंगे. अंतिम दिन महाअष्टमी व महानवमी पर भंडारा एवं कन्या पूजन भी होगा. इसी बीच, नावा बाजार में श्री संकट मोचन सिद्धि धाम महावीर मंदिर के तत्वाधान में भव्य कलश यात्रा निकली, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल थे. वेदमंत्र उच्चारण के साथ कलश जलाभिषेक किया गया और माँ दुर्गा की विशेष पूजा अर्चना हुई.

नवाह्न पारायण महायज्ञ की कलश यात्रा निकली

सतबरवा। नव युवक संघ द्वारा आयोजित 34वां नवाह्न पारायण महायज्ञ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ. महावीर चौक से प्रारंभ हुई यात्रा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच रामघाट नदी तट पर जलाभिषेक के बाद बस पड़ाव, क्रांति चौक, मेला टांड होते हुए यज्ञ स्थल पहुँची. वहां यजमान लक्ष्मण सोनी व पत्नी को जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी ने कलश सौंपकर शुभारंभ किया. यात्रा में कई नेता और सैकड़ों श्रद्धालु शामिल थे, जो जय श्रीराम और जय माता दी के नारे लगा रहे थे. महायज्ञ 9 दिनों तक चलेगा, जिसमें रात्रि में भक्ति संगीत और जागरण आयोजित होंगे. दुलसुलमा से भी कलश यात्रा प्रारंभ होकर वैदिक मंत्रों के साथ यज्ञ स्थल पर कलश स्थापना हुई.

भौतिकवाद के इस युग में धर्म के प्रति उत्साह सराहनीय

लातेहार। अंबाकोठी स्थित श्रीरामचरित मानस नवाह्न पारायण पाठ का 52वां अधिवेशन वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ शुरू हुआ. पूर्व मंत्री और मुख्य संरक्षक बैद्यनाथ राम ने कहा कि आज के भौतिकवाद के युग में भी धर्म के प्रति लोगों का उत्साह अत्यंत सराहनीय है. उन्होंने श्रीरामचरित मानस को केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का सार बताया. महासमिति अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद सिंह ने आयोजन की सफलता पर बधाई दी. कथा वाचक अनिल भारद्वाज ने श्रद्धा और विश्वास से सच्चे भक्त बनने की बात कही. कोषाध्यक्ष विनोद कुमार महलका ने लातेहार में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सहयोग की अपील की. पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे. मंच का संचालन मंत्री सुनील कुमार शौंडिक ने किया.

पांडु में कलश स्थापना के साथ दुर्गा पूजा प्रारंभ

पांडु (पलामू)। शारदीय नवरात्र की शुरुआत पांडु प्रखंड में कलश स्थापना के साथ हुई. शिवंडी, कुलिया, रत्नाग, झारखंड तीसरी बार समेत कई गांवों की पूजा समितियों ने जल यात्रा निकाली और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापना की. मां शैलपुत्री की पूजा कर श्रद्धालु नौ दिनों तक भक्ति में लीन हो गए. जल यात्रा में जय श्रीराम के नारे लगे. पांडु थाना प्रभारी विशेष कुमार राय ने पूजा पंडालों का निरीक्षण कर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की.

श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति की बैठक संपन्न

लातेहार। श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति की कार्यकारिणी बैठक संरक्षक विनोद कुमार साहू की अध्यक्षता में हुई. बैठक में दुर्गा पूजा 2025 की तैयारियों की समीक्षा की गई. प्रतिमा निर्माण कार्य जारी है और कलश स्थापना की तैयारी पूरी कर ली गई है. समिति ने मनु उपाध्याय को सहयोगी के रूप में नियुक्त किया. पूजा के बाद मंदिर में फर्नीचर खरीद, सदस्यता अभियान और स्थायी सदस्य बनाने पर भी निर्णय लिए गए. बैठक में कई सदस्य उपस्थित रहे.

दुर्गापूजा को लेकर 24 को शांति समिति की बैठक

मेदिनीनगर। दुर्गापूजा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 24 सितंबर को टाउन हॉल में सुबह 11:30 बजे आयोजित होगी. बैठक में दुर्गापूजा आयोजन समिति के पदाधिकारियों सहित विभिन्न शांति समिति के सदस्य शामिल होंगे. पलामू एसपी सहित जिले के अन्य प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहेंगे.

दुर्गा पूजा-सह-नवरात्र प्रवचन के लिए कलश स्थापना

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड के बड़कागांव हनुमानगढ़ी परिसर में दुर्गा पूजा समिति द्वारा कलश स्थापना का भव्य आयोजन किया गया. समिति के संरक्षक दिलीप कुमार तिवारी ने बताया कि 23 सितंबर से 1 अक्टूबर तक नवरात्र प्रवचन प्रतापगढ़ और वाराणसी के पंडितों द्वारा किया जाएगा. कलश स्थापना के लिए चेड़ी दाई सह सूर्य मंदिर से अमानत नदी का जल लाकर पूजा स्थल पर विधिपूर्वक कलश स्थापित किया गया. अनुष्ठान में पुरोहित नरेंद्र पाठक और संजीत कुमार दूबे ने यजमान का दायित्व निभाया. कलश यात्रा में समिति के पदाधिकारी एवं कई श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए. कार्यक्रम में अध्यक्ष उमेश नारायण त्रिपाठी, सचिव अंकेश चंद्र त्रिपाठी सहित कई लोग उपस्थित थे.

जंगली हाथी ने विद्यालय का गेट तोड़ा, मची अफरा-तफरी

बालूमाथ (लातेहार)। तस्तबार स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में रविवार रात जंगली हाथी ने हमला कर विद्यालय का मुख्य गेट तोड़ डाला. घटना से छात्राओं में दहशत फैल गई और परिसर में अफरा-तफरी मच गई. पूर्व मुखिया सुरेंद्र उरांव ने मौके पर पहुंचकर वन विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए. ग्रामीणों व अभिभावकों ने हाथियों को आबादी से दूर रखने और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है.

जमीयत उलेमा-ए-हिंद का चुनाव सम्पन्न, जियाउल्लाह बने सदर

बालूमाथ (लातेहार)। जामा मस्जिद बालूमाथ में रविवार को लातेहार जिला जमीयत उलेमा-ए-हिंद की बैठक आयोजित की गई. बैठक में सर्वसम्मति से मौलाना जियाउल्लाह को सदर, मौलाना अब्दुल वाजिद चतुर्वेदी को जनरल सेक्रेटरी और शमशुलहोदा उर्फ पपनू कुरैशी को ट्रेजरर चुना गया. मौलाना अबू शहमा और डॉ. मुर्शिद उप-सदर बनाए गए. बैठक में जमीयत की भूमिका और कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक का समापन मौलाना रिजवान दानिश की दुआओं के साथ हुआ.

साप्ताहिक बाजार का उद्घाटन, लोगों को मिली सुविधा

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के चियांकी पंचायत के पहाड़ के पास रविवार को साप्ताहिक बाजार का उद्घाटन सदर प्रखंड प्रमुख बसंती देवी और अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. बाजार में सब्जी, फल, चाय-पकौड़ी की दुकानें लगी हैं. प्रखंड प्रमुख ने कहा कि बाजार से स्थानीय लोगों को जरूरी सामान आसानी से मिलेगा और यह क्षेत्र के विकास का प्रतीक है.

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने शुरू की नवरात्रि पूजा

रामगढ़। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और पूर्व विधायक सुनीता चौधरी ने रांची स्थित अपने आवास में मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की. दोनों ने कलश स्थापना कर माता शैलपुत्री की आराधना की और मां भगवती से रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे झारखंड की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की प्रार्थना की. इस धार्मिक आयोजन में आचार्य गोपाल बाबा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई और मां दुर्गा की आरती का संचालन किया. सांसद और पूर्व विधायक ने नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां दुर्गा की कृपा से सभी लोगों का जीवन खुशहाल और समृद्ध हो. इस मौके पर अनिता सिन्हा, ईशान चौधरी, पीयूष चौधरी, सोनल प्रिया, विनय कुमार, चंद्रकांत सिंह, सारिका देवी सहित अन्य लोग भी मौजूद थे. पूजा के दौरान भक्ति और श्रद्धा का माहौल रहा, जिसमें सभी ने मिलकर मां दुर्गा से क्षेत्र की खुशहाली और विकास के लिए आशीर्वाद मांगा.

ग्रामीण और वर्करों ने बीएलए कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोला, सड़क पर उतरे

आम्रपाली कोल परियोजना में उत्खनन कार्य ठप

शुभम संदेश । टंडवा

चतरा के टंडवा में आम्रपाली कोल परियोजना में लगभग 20 दिनों से कोयला उत्खनन का कार्य पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है. पूर्व में यह कार्य ज्वॉइंट वेंचर अंबे-लक्ष्मी कंपनी द्वारा संचालित था, लेकिन उनका अनुबंध समाप्त हो चुका है. अब नई प्रक्रिया के तहत कोयला उत्पादन के लिए एक्सटेंशन टेंडर के जरिए दो कंपनियां आमने-सामने आई हैं, जिनमें से बीएलए कंपनी ने 13 मिलियन टन कोयला उत्पादन का ठेका हासिल किया है. इस बीच, ज्वॉइंट वेंचर अंबे-लक्ष्मी कंपनी में काम कर रहे स्थानीय वर्करों को रनो वर्क नो पेय नोटिस जारी कर काम से बैठा दिया गया है, जिससे उनकी नाराजगी बढ़ गई है. वर्करों और स्थानीय ग्रामीणों ने बीएलए कंपनी से अपील की है कि वह पहले गांव-गांव जाकर बैठक करें और स्थानीय लोगों की सहमति से कार्य प्रारंभ करें. सोमवार की सुबह बीएलए कंपनी ने बिना स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार दिए और बिना ग्रामीणों की जानकारी के पूजा-अर्चना कर कार्य शुरू करने का प्रयास किया. इसकी खबर जैसे ही स्थानीय लोगों और वर्करों को मिली, वे तत्काल आम्रपाली परियोजना के पांच नंबर डंप पर पहुंचकर कंपनी के कार्य को रोक दिया. उन्होंने नारे लगाकर अपनी मांगों को मजबूत किया. ग्रामीणों और वर्करों ने जोर देकर कहा कि वे कंपनी की गुंडागर्दी और दमन नीति को स्वीकार नहीं करेंगे. उन्होंने कंपनी पर उग्रवादी संरक्षण लेने का आरोप भी लगाया. विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थानीय पुलिस जवान भी तैनात किए गए हैं, ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके. स्थानीय ग्रामीण और वर्कर एकजुट होकर बीएलए कंपनी से मांग कर रहे हैं कि वे पहले स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार में लें, ज्वॉइंट वेंचर के वर्करों को पुनः शामिल करें और उनकी बात सुने बिना कोई कार्यवाही न करें. इस आंदोलन के चलते आम्रपाली कोल परियोजना का उत्खनन कार्य फिलहाल ठप पड़ा हुआ है और भविष्य में इसका समाधान कब होगा यह अनिश्चित बना हुआ है.

एक नजर

बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने दो सड़कों के सुदृढ़ीकरण कार्य का किया शिलान्यास

केरेडारी । केरेडारी. बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गर्रीखुर्द से बरियातू तक 2.3 किमी एवं बालोदेवरी से तेलिया बेंगवारी तक 3.45 किमी सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया. वर्षों से जर्जर इन सड़कों के कारण ग्रामीणों को काफी कठिनाई होती थी. ग्रामीण कार्य विभाग, हजारीबाग द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इन सड़कों का निर्माण कराया जा रहा है. नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना के शुभ अवसर पर नारियल फोड़कर विधायक ने कार्य का शुभारंभ किया. उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर गांव, गली-मोहल्ले का विकास कर बड़कागांव को झारखंड का आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाना उनका लक्ष्य है. मौके पर मुखिया नीतु कुमारी, आजसू प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा, जिला उपाध्यक्ष भोला महतो, पूर्व मुखिया उपेंद्र सिंह, उप मुखिया लक्ष्मीकांत, लीलाधन साव, तापेश्वर कुमार तापस, बाल गोविंद सोनी समेत कई नेता व ग्रामीण उपस्थित रहे. ग्रामीणों ने विधायक के इस पहल की सराहना की और जल्द से जल्द सड़क निर्माण पूर्ण होने की कामना की.

एच-1 बी वीज़ा फीस बढ़ोतरी पर केंद्र की चुप्पी का विरोध

शुभम संदेश । हजारीबाग

जिला कांग्रेस कमिटी के मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने अमेरिका में एच-1 बी वीज़ा फीस को करीब 88 लाख रुपये तक बढ़ाए जाने पर केन्द्र सरकार की मौनता की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि यह फैसला भारतीय आईटी सेक्टर और लाखों प्रोफेशनल्स के भविष्य पर संकट बनकर मंडरा रहा है. खान ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार विदेशी दौरों और इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त है, लेकिन भारतीय युवाओं और प्रोफेशनल्स के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है.

उन्होंने बताया कि पहले तीन साल की वीज़ा फीस केवल 5,000 डॉलर थी, जिसे अब बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर कर दिया गया है. हर साल लगभग तीन लाख भारतीय एच-1 बी वीज़ा पर अमेरिका जाते हैं, जिनमें से 70% से अधिक भारतीय हैं. इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को ही उठाना होगा. निसार खान ने कहा कि भाजपा सरकार भारत-अमेरिका रिश्तों का दावा करती है, लेकिन इन रिश्तों का लाभ भारतीय छात्रों, प्रोफेशनल्स और आम नागरिकों तक नहीं पहुंचता. जब चुनौती सामने आती है, तब मोदी सरकार चुप्पी साध लेती है. उन्होंने इसे भाजपा की संवेदनहीनता और कूटनीतिक विफलता करार दिया.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने पहले ही इस खतरे को लेकर सरकार को चेताया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी बातों को नजरअंदाज किया. इससे आईटी सेक्टर और भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट आने की आशंका है.

हजारीबाग में भाजपा का जीएसटी जागरूकता अभियान

मनीष जायसवाल ने दिया स्वदेशी अपनाने का संदेश

शुभम संदेश । हजारीबाग

त्योहारों के सीजन से ठीक पहले केंद्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में किए गए संशोधनों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा हजारीबाग इकाई ने सोमवार को एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया. इस अभियान का नेतृत्व स्वयं हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने किया. भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और शहर की प्रमुख सड़कों पर उतरकर जनता को नई जीएसटी दरों की जानकारी दी.

अभियान की शुरुआत सांसद सेवा कार्यालय से हुई, जहाँ से कार्यकर्ताओं का कारवां झंडा चौक, मेन रोड, पैगोडा चौक, गुरु गोविंद सिंह रोड, कांग्रेस ऑफिस रोड, भगत सिंह चौक और मालवीय मार्ग होते हुए वापस झंडा चौक पर समाप्त हुआ. इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल खुद दुकानों पर पहुंचे और ग्राहकों से सीधे संवाद कर उन्हें जीएसटी दरों में हुई कटौती की जानकारी दी. उन्होंने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे नई दरों के अनुसार ही वस्तुओं की बिक्री करें, ताकि उपभोक्ताओं को अधिक लाभ मिल सके. सांसद जायसवाल ने अपने हाथों में हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी की तख्ती थाम रखी थी. उन्होंने दुकानों पर स्वदेशी अपनाने और जीएसटी में राहत के संदेश वाले फ्लेक्स भी लगवाए. उनका यह जनसंपर्क अभियान न केवल कर सुधारों की जानकारी देने तक सीमित रहा, बल्कि उन्होंने लोगों को 'स्वदेशी अपनाओ, भारत बनाओ' के नारे से जोड़ने की कोशिश भी की. प्रचंड धूप और गर्मी के बावजूद सांसद का यह सक्रिय जनसंपर्क अभियान लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहा. अचानक सड़क पर अपने सांसद को देखकर दुकानदार और ग्राहक दोनों ही चौंक गए. कई लोगों ने उनका स्वागत फूल-मालाओं और मिठाइयों से किया और उनके साथ सेल्फी भी ली. इस अवसर पर लोगों ने सांसद को भरोसा दिलाया कि वे न केवल जीएसटी सुधारों का पालन करेंगे, बल्कि स्वदेशी उत्पादों को भी प्राथमिकता देंगे. अभियान के समापन पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा, मोदी सरकार ने देश की जनता को त्यौहारी तोहफे के रूप में जीएसटी में राहत दी है. यह बचत उत्सव का समय है और इसके लिए हम सभी प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हैं. विकसित भारत के निर्माण में स्वदेशी अपनाना नितांत आवश्यक है और यह हर नागरिक की जिम्मेदारी बनती है. इस अभियान में बड़ी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता, सांसद प्रतिनिधिगण और आम नागरिक शामिल हुए. यह कार्यक्रम भाजपा की जनसंपर्क रणनीति का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य केंद्र सरकार की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना और आम जनता को सीधे जोड़ना है.

इस प्रकार, भाजपा का यह अभियान न केवल आर्थिक जानकारी प्रदान करने वाला प्रयास रहा, बल्कि एक जन-जागरूकता और राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण आंदोलन का रूप भी ले चुका है.

जीएसटी सुधार लागू होने पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने जताया आभार

हजारीबाग । सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए रिफार्मका स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि नवरात्रि के शुभारंभ पर यह सुधार देशवासियों के लिए बड़ा उपहार है, जो टैक्स प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाता है. नए जीएसटी रेट स्लैब से दैनिक आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर कर कम होगा, जिससे आम जनता और व्यापारियों को राहत मिलेगी. साथ ही, पुराने माल पर पुनः स्टिकर बदलने की अनिवार्यता नहीं होगी, जो छोटे व्यापारियों के लिए राहत है. उन्होंने बताया कि जीएसटी रिटर्न की प्रक्रिया भी सरल हुई है और टैक्स बोझ कम होने से रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा. विधायक ने कहा कि यह सुधार जीएसटी2.0 के रूप में देश की आर्थिक व्यवस्था को नई ऊँचाई देगा और पूरे देश के लिए आर्थिक नवजीवन का अवसर बनेगा.

हजारीबाग : प्रशिक्षुओं तुमुल शेखर और चारु भारती को पोस्टर प्रस्तुति में दिया गया तीसरा पुरस्कार

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य डॉ. श्री कृष्णा ने मुंबई में आयोजित 20वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रमेटल आयन 2025 इन बायोलॉजी एंड मेडिसिनर में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया. यह सम्मेलन नेहरू विज्ञान केंद्र, मुंबई में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित हुआ. इस अवसर पर कॉलेज के प्रशिक्षु तुमुल शेखर और चारु भारती ने पोस्टर प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार जीतकर संस्थान को गौरवान्वित किया. संगोष्ठी में समकालीन इमेजिंग, डिजिटल तकनीक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई. प्राचार्य डॉ. कृष्णा ने बहु-विषयक मंचों के महत्व को रेखांकित किया, वहीं संगोष्ठी अध्यक्ष डॉ. सुनाली खन्ना ने इसे शोधार्थियों के लिए व्यावहारिक ज्ञान से भरपूर बताया. कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी.

जिला ए डिवीजन फुटबॉल लीग फाइनल: नवयुवक क्लब ओरिया ने एक गोल से रेड आर्मी को हराया

हजारीबाग । जिला ए डिवीजन फुटबॉल लीग का फाइनल मुकाबला रविवार को कर्जन ग्राउंड में नवयुवक क्लब ओरिया और रेड आर्मी क्लब के बीच खेला गया. रोमांचक मुकाबले में निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी. अतिरिक्त समय में ओरिया के रितेश कुमार ने निर्णायक गोल कर टीम को खिताब दिलाया. मुख्य अतिथि कमल नयन सिंह व अन्य विशिष्ट अतिथियों ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार दिए. बेस्ट गोलकीपर का खिताब काली यादव (ओरिया), मैन ऑफ द मैच राहुल कुमार (ओरिया) और मैन ऑफ द टूर्नामेंट विकास कुमार (रेड आर्मी) को मिला. इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल 28 टीमों ने भाग लिया.

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

सांसद ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्य स्टालों का किया निरीक्षण

शुभम संदेश । हजारीबाग

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सोमवार को हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य स्टालों का हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने निरीक्षण किया. इस दौरान सांसद ने स्वयं किशोरियों के बीच सैनेटरी पैड वितरित किए और अपना बीपी भी नापा.

ट्रॉमा सेंटर के बाहर विशेष कैंप में महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए एनसीडी (बीपी, शुगर), एनीमिया, सिकल सेल, मानसिक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध थी. गर्भवती महिलाओं के लिए एएनसी, पोषण परामर्श, टीकाकरण तथा पीएमजेएवाई आयुष्मान कार्ड और अन्य स्वास्थ्य सुरक्षा कार्ड का वितरण भी किया गया. साथ ही रक्तदान, अंगदान, विकलांगों के लिए विशेष जांच एवं प्रमाणपत्र जारी करने का भी आयोजन हुआ.

सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह अभियान पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा. उन्होंने सभी महिलाओं से अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर जाकर जांच कराने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया. उन्होंने इस पहल को महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण, परिवार सशक्तिकरण एवं स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया. इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, नोडल अधिकारी डॉ. कपिल मुनि प्रसाद, भाजपा नेता अनिल मिश्रा सहित कई अधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

अवैध गिट्टी वाहन जब्त, प्रशासन पर उठे सवाल-क्या लगेगा अवैध खनन पर लगाम?

शुभम संदेश। चौपारण

अंचलाधिकारी संजय यादव ने पुलिस के सहयोग से ढाब सलोनिया क्षेत्र से अवैध गिट्टी लदा वाहन जप्त कर चौपारण थाना को सौंपा. यह कार्रवाई प्रशासन की सतर्कता का संकेत है, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे दिखावटी पहल बताया है. उनका आरोप है कि असली समस्या—अवैध क्रशरों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. ग्रामीणों का मानना है कि जब तक इन क्रशरों को सील नहीं किया जाता, अवैध खनन और परिवहन जारी रहेगा. इसके अलावा, क्षेत्र में कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण की बात भी कही जा रही है, जो प्रशासन की कार्रवाई को कमजोर बनाती है. ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता सरकार से निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि प्राकृतिक संसाधनों की लूट रोकी जा सके और कानून का शासन कायम हो सके.

विधायक रोशन लाल चौधरी ने मां अष्टभुजी मंदिर में की पूजा-अर्चना, क्षेत्र की समृद्धि की कामना

केरेडारी। नवरात्र के प्रथम दिन बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कंडाबेर स्थित प्रसिद्ध मां अष्टभुजी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की. इस दौरान उन्होंने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए माँ से आशीर्वाद मांगा. विधायक ने कहा कि नवरात्र जैसे पावन अवसर पर माता के समक्ष उपस्थित होकर अपने क्षेत्र की खुशहाली की कामना करना सौभाग्य की बात है. उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा के आशीर्वाद से बड़कागांव को झारखंड का सबसे विकसित विधानसभा क्षेत्र बनाया जाएगा. माँ अष्टभुजी से प्रार्थना है कि वे सभी लोगों को शक्ति, बुद्धि और समृद्धि प्रदान करें. पूजा-अर्चना के बाद मंदिर परिसर में मौजूद कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने भी विधायक के साथ माँ के जयकारे लगाए. मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष कर्मचारी साव, आजसू प्रखंड अध्यक्ष पंकज साहा, प्रवक्ता तपेश्वर महतो, वरिष्ठ नेता लीलाधन साव, पूर्व मुखिया उपेंद्र सिंह, उप मुखिया लक्ष्मीकांत, मनोहर साव, बाल गोविंद सोनी, भोला महतो सहित दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित रहे.

ग्वाल टोली में दुर्गा पूजा का भव्य शुभारंभ लॉटरी कूपन से मिलेगा सहयोग का अवसर

हजारीबाग । नवरात्र के पावन अवसर पर शारदीय दुर्गा पूजा महासमिति ग्वाल टोली पंडाल में माता शैलपुत्री का विधिवत पूजन शुक्रवार को संपन्न हुआ. भक्तों ने माता को पुष्प, धूप, दीप व नैवेद्य अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की. महासमिति अध्यक्ष दीनानाथ यादवेंद्र ने बताया कि पंडाल की भव्यता और सजावट इस वर्ष भी आकर्षण का केंद्र रहेगी. श्रद्धालु लॉटरी कूपन खरीदकर पूजा में सहयोग कर सकते हैं, जिनका ड्रा धनतेरस पर होगा. महासचिव संजय गोप ने कहा कि विसर्जन समारोह भव्य रहेगा. षष्ठी से ढाक की धुन पर भव्य आरती का आयोजन होगा. उपाध्यक्ष जीतू यादव सहित पूरी टीम आयोजन की तैयारियों में जुटी है.

कोडरमा पुलिस ने किया चोर गिरोह का खुलासा, सात अभियुक्त गिरफ्तार

मरकच्चो (कोडरमा) । नवलशाही थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का कोडरमा पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन किया है. इस मामले में सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है. एसपी अनुदीप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि चोरी की बढ़ती घटनाओं और दुर्गा पूजा के मद्देनजर जिले के सभी थाना प्रभारियों को गश्ती बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे. इसी दौरान नवलशाही पुलिस ने तीन संदिग्धों को पकड़ा, जिनके पास चोरी के औजार और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई. पूछताछ में उनके अन्य साथी भी चोरी की घटनाओं में शामिल पाए गए. एसपी ने बताया कि एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में विशेष दल गठित कर अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है. चोरी के मामले का उद्भेदन करने वाले पुलिस कर्मियों को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. नवलशाही थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार को 5 हजार, अन्य अधिकारियों को 2-2 हजार और जवानों को 1-1 हजार रुपये दिए जाएंगे. इससे जिले में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी.

सांसद मनीष जायसवाल खेलों को बढ़ावा देंगे नई जीएसटी स्लैब पर व्यापारियों से की चर्चा

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में फुटबॉल, क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो और शतरंज सहित कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर लगभग 1 लाख खिलाड़ियों को खेल के प्रति जोड़ने का संकल्प लिया है. उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रतिभा को बढ़ावा मिलेगा.प्रेस वार्ता के बाद सांसद मेन रोड पर दुकानदारों और व्यापारियों से मिले और नई जीएसटी स्लैब पर परिचर्चा की. सांसद ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा और व्यापारियों से अपील की कि वे इस राहत को ग्राहकों तक पहुंचाने में सहयोग करें.

अवैध शराब पर कड़ा प्रहार, हजारीबाग में 1600 किलो जावा महुआ नष्ट, 20 लीटर महुआ शराब जब्त

हजारीबाग। नवरात्रि के अवसर पर हजारीबाग प्रशासन ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है. उपायुक्त के आदेश और सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देशन में इचाक थाना क्षेत्र के ग्राम मड़पा और सायल जंगल स्थित असना नदी किनारे छापेमारी की गई.

इस कार्रवाई के दौरान कई अवैध महुआ चुलाई शराब की भट्टियां ध्वस्त कर दी गईं. मौके से लगभग 1600 किलो जावा महुआ नष्ट किया गया और 20 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की गई. साथ ही, शराब बनाने के उपकरण भी जब्त किए गए हैं. अभियुक्तों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है. इस छापेमारी अभियान में उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक कृष्णा प्रजापति, सहायक अवर निरीक्षक एंथोनी बागे, उत्पाद आरक्षी अनूप कुमार सिंह तथा सशस्त्र सुरक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे. प्रशासन ने अवैध शराब मुक्त समाज के लिए इसी तरह कठोर कदम उठाने का आश्वासन दिया है.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में सेवा और पर्यावरण संरक्षण के साथ कुलाधिपति का जन्मदिन मनाया गया

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलाधिपति संतोष चौबे का जन्मदिन सेवा और संस्कारों के साथ मनाया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने वृद्धाश्रम जाकर बुजुर्गों का सम्मान किया और उनका आशीर्वाद लिया. साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया.कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि संतोष चौबे ने शिक्षा क्षेत्र में आदर्श स्थापित किए हैं, जो सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं. कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने बुजुर्गों के आशीर्वाद

को सच्ची पूंजी बताया और कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक संवेदना पहुंचाना है. समकुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने पौधारोपण को आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर पर्यावरण का संकल्प बताया. विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, कर्मचारी और छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर कुलाधिपति के दीर्घायु और प्रेरणादायी जीवन की कामना की. यह आयोजन सेवा और मानवता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का सफल प्रयास रहा.

कुडमी समाज की मांग के विरोध में आदिवासी संगठनों ने निकाली बाइक रैली

रामगढ़। बरकाकाना क्षेत्र के विभिन्न आदिवासी संगठनों ने कूडमी समाज द्वारा एसटी (अनुसूचित जनजाति) दर्जा में शामिल करने की मांग के विरोध में आदिवासी सेवा समिति के बैनर तले केंद्रीय कर्मशाला बरकाकाना के फुटबाल मैदान से बाइक रैली निकाली. आदिवासी नेता गोविंद बेदिया की अगुआई में निकाली गई यह रैली घुटुवा से शुरू होकर विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेगी.

गोविंद बेदिया ने बताया कि यह बाइक रैली कूडमी समाज के एसटी दर्जा मांगने के विरोध में आयोजित की गई है. उन्होंने आगे बताया कि

24 सितंबर को आदिवासी छात्र संघ के बैनर तले रामगढ़ के सिद्धू कानहु मैदान से उपायुक्त कार्यालय तक एक आक्रोश मार्च निकाला जाएगा. इस मार्च में हजारों आदिवासी समाज के पुरुष और महिलाएं हिस्सा लेकर अपना विरोध प्रकट करेंगे. इस आयोजन का उद्देश्य आदिवासी समुदाय की आवाज को सरकार तक पहुंचाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है. यह विरोध प्रदर्शन आदिवासी समाज की एकता और संघर्ष की पहचान बन चुका है.

झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक विष्णुगढ़ में सम्पन्न, निजी स्कूलों की समस्याओं पर जताई चिंता

विष्णुगढ़। बेड़ा हरियारा स्थित अतिथि सत्कार होटल में झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित हुई. महासचिव राम रंजन सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में निजी स्कूलों को सरकारी नियमों से हो रही परेशानियों पर चिंता जताई गई. विशेष रूप से जमीन और अन्य शर्तों को लेकर जारी नोटिस से छोटे स्कूलों का संचालन कठिन हो गया है, जिससे गरीब बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने का खतरा है.

सूरजपुर मंदिर की झलक वाला पंडाल आकर्षण का केंद्र

जयनगर (कोडरमा) । शारदीय नवरात्र की शुरुआत मां शैलपुत्री की पूजा से हुई. परसाबाद की सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ने अपने 96वें वर्ष में छत्तीसगढ़ के सूरजपुर मंदिर की झलक पर आधारित भव्य पंडाल तैयार किया है, जो 60 फीट ऊँचा और 120 फीट चौड़ा है. पंडाल की भव्यता और बंगाल से आए शिल्पकारों की कला श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है. रंग-बिरंगी लाइटिंग रात में पंडाल की सुंदरता बढ़ाएगी.

ब्रीफ न्यूज

माकपा का 6 अक्टूबर को धरना -प्रदर्शन का ऐलान

तमाड़ (राहे)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की राहे क्षेत्र की तीनों लोकल कमिटी की बैठक कटयाडीह में कामरेड सदानंद महतो की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक की शुरुआत शहीद गोपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा पर वरिष्ठ कामरेड अमरसिंह मुंडा द्वारा झंडोत्तोलन से हुई. बैठक में माकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य समीर दास, सुफल महतो, जिला सचिव दिवाकर सिंह मुंडा और राज्य कमिटी सदस्य रंगोवती देवी उपस्थित रहे. बैठक में बेरोजगारी, महंगाई, निजीकरण, कॉर्पोरेट लूट, यूरिया खाद की किल्लत के मुद्दे को उठाया गया.

राजबलम गोप की 15 दिन बाद इलाज के दौरान मौत

रातू। थाना क्षेत्र के झखराटांड निवासी राजबलम उर्फ बलमा की सोमवार सुबह रामप्यारी अस्पताल में मौत हो गई. वे बीते 15 दिनों से जिंदगी और मौत से जूझ रहे थे. 7 सितंबर की शाम बिरसा चौक पर अपराधियों ने राजबलम गोप और उनके दोस्त रवि कुमार साहु पर गोली चला दी थी. रवि की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि राजबलम गंभीर रूप से घायल हो गए थे. गोली उनके जबड़े में लगी थी, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में रिम्स ले जाया गया. वहां चार दिन इलाज के बाद परिजनों ने बेहतर इलाज के लिए रामप्यारी अस्पताल में भर्ती कराया. सोमवार सुबह करीब 6 बजे उनकी मौत हो गई. उनकी मौत की खबर गांव में फैलते ही मातम छा गया. राजबलम गोप की तीन पत्नियां विधवा हो गईं. इस घटना को लेकर रातू पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. गांव के लोगों में घटना को लेकर अब भी आक्रोश है और परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं.

दो राशन डीलरों का निधन सरकार को ठहराया जिम्मेदार

सोनाहातू। दुलमी-बोंगादार मौजा के जमींदार, समाजसेवी और ग्राम प्रधान संघ के संरक्षक 65 वर्षीय मुंडा कृष्ण कुमार सिंह का रविवार रात निधन हो गया. वे लंबे समय से बीमार थे. आदिवासी समुदाय में खासे लोकप्रिय सिंह राशन डीलर भी थे. उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है. इसी रात बारेंदा गांव के 60 वर्षीय राशन डीलर अजीत पांडे का भी बीमारी के कारण निधन हो गया. एक ही दिन में दो डीलरों के निधन से प्रखंड क्षेत्र में शोक का माहौल है. राज्य व जिला डीलर संघ ने दोनों की मौत के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया है. संघ का कहना है कि डीलरों को एक वर्ष से मानदेय व कमीशन नहीं मिला, जिससे वे आर्थिक तंगी में थे और उचित इलाज नहीं करा सके.

साधु के वेश में घूम रहे हैं संदिग्ध, पुलिस ने किया सतर्क

रातू। रांची के रातू थाना क्षेत्र में साधू के वेश में घूम रहे कुछ संदिग्ध लोगों की गतिविधियों को लेकर चिंता जताई जा रही है. पुलिस के अनुसार, ये लोग झाड़-फूंक, ग्रह दोष निवारण और तंत्र-मंत्र के नाम पर आम लोगों को भ्रमित कर रहे हैं और आर्थिक ठगी कर रहे हैं. रातू के कमड़े और रवि स्टील इलाके से ऐसी कई शिकायतें मिली हैं कि साधू जैसे दिखने वाले कुछ लोग घर-घर जाकर लोगों को झांसा देकर उनकी गाढ़ी कमाई लेकर फरार हो जा रहे हैं. इस पर संज्ञान लेते हुए रातू थाना प्रभारी रामनरायण सिंह ने क्षेत्रवासियों से सतर्क रहने की अपील की है.

शहीद शशिचरवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन के मौके पर बोले सांसद सुखदेव भगत

खिलाड़ी प्रतिबद्धता से खेलें, लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा

शुभम संदेश। लोहरदगा

सदर प्रखंड के ग्राम भुजनिंया में आयोजित शहीद शशिचरवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन शनिवार को बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ हुआ. टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला उदरंगी बनाम हिरही के बीच खेला गया, जो रोमांचक पेनाल्टी शूटआउट तक गया. अंततः उदरंगी की टीम ने 4-2 से जीत दर्ज करते हुए चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत थे. आयोजन स्थल पर पहुंचने पर समिति के सदस्यों द्वारा उनका पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया. सांसद भगत सबसे पहले शहीद शशिचरवा उरांव की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके पश्चात उन्होंने मैदान में उपस्थित सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि खेल के माध्यम से शहीदों को सम्मान देना एक सराहनीय पहल है. उन्होंने कहा कि झारखंड में फुटबॉल सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है और यहां के लोग टूर्नामेंट को सिर्फ खेल नहीं, बल्कि उत्सव की तरह मानते हैं. सांसद भगत ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसके माध्यम से भी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं. उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की कि वे खेल को सिर्फ मनोरंजन तक सीमित न रखें, बल्कि इसे रोजगार और करियर से जोड़ने की दिशा में प्रयास करें. इसके लिए जरूरी है कि खिलाड़ी फीफा के नियमों के तहत प्रशिक्षण लें और अनुशासन तथा प्रतिबद्धता के साथ खेलें.

उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो बस उन्हें सही दिशा और अवसर देने की. उन्होंने यह भी बताया कि जिला फुटबॉल संघ लीग मैचों का आयोजन कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन कर रहा है और यह एक सकारात्मक प्रयास है. सांसद ने यह विश्वास जताया कि यदि खिलाड़ी समर्पण और अनुशासन के साथ खेलते रहेंगे तो वे निश्चय ही राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे. कार्यक्रम में शिक्षक सुकरा उरांव, वजीर अहमद, जिना उरांव, रामविलास उरांव, हरिसेवक उरांव, बृजमनी उरांव, बासमती उरांव, वीरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी और ग्रामीण उपस्थित थे. आयोजन समिति और स्थानीय लोगों ने इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. कार्यक्रम का समापन सांसद सुखदेव भगत द्वारा विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ.

मां दुर्गा की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्र विधिवत रूप से आरंभ

शक्ति की भक्ति में जुटे गुमला के लोग

निर्मल सिंह। गुमला

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता. नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः. शक्ति की अधिष्ठात्री मां दुर्गा की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्र सोमवार से विधिवत रूप से आरंभ हो गया. गुमला में अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना कर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां शैलपुत्री की पूजा की गई. इस शुभ अवसर पर पूरा गुमला भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया. श्रद्धालु मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना में पूर्ण श्रद्धा, आस्था और भक्ति के साथ लीन हो गए हैं. कलश स्थापना के साथ ही दुर्गा सप्तशती का पाठ, आरती, पूजा-अर्चना, धूप-दीप की सुगंध और भक्ति गीतों की ध्वनि से वातावरण भक्तिमय हो उठा. मंदिरों और पूजा पंडालों में विशेष सजावट की गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर-घर में मां दुर्गा की आराधना आरंभ हो गई है. गुमला के प्रमुख पूजा स्थलों पर विशेष अनुष्ठान हुए. श्री बड़ा दुर्गा मंदिर में आचार्य यमुना पांडेय, दुर्गा बाड़ी में आचार्य गुरुदास बनर्जी, महावीर चौक स्थित भारतीय नवयुवक संघ द्वारा डॉ. विनोद कुमार पाठक, करौंदी में सीताराम मिश्र, डुमरडीह में आचार्य शिवराज पांडेय, लक्ष्मण नगर में मनोज पाठक, कोटेंगसेरा तिर्री में गोपाल मिश्रा, कसीरा में जन्मजय पाठक, पतिया में बिरसा दास गोस्वामी, मुरकुंडा में शेखर पांडेय, कोटाम में मधुसूदन मिश्रा, कुलाबीरा में आचार्य दलू दास और दुर्गा मंदिर खोरा में श्री राम किशोर दास देवघरिया द्वारा विधिवत कलश स्थापना की गई.

इधर, बघिमा और रायडीह में भक्तों ने भव्य कलश यात्रा निकाली. ग्रामीण अंचलों में भी श्रद्धालु अपने-अपने घरों और पंडालों में कलश स्थापना कर मां दुर्गा के नौ रूपों की विधिवत पूजा-अर्चना में जुट गए हैं. दुर्गा सप्तशती के पाठ और आरती की गूंज से माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया है. पूजा पंडालों को आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है. साथ ही परिसर की सफाई युद्धस्तर पर की जा रही है. कारीगर पूजा पंडालों को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं, वहीं मूर्तिकार मां दुर्गा की प्रतिमाओं को मूर्त रूप देने में दिन-रात जुटे हुए हैं. नवरात्र के प्रथम दिन से ही गुमला में आस्था और उल्लास का माहौल छा गया है. भक्तगण व्रत, उपवास और नियमों का पालन करते हुए मां दुर्गा की कृपा प्राप्ति हेतु साधना में लीन हैं. आने वाले नौ दिनों तक गुमला में शक्ति उपासना का यह पर्व पूरी भव्यता और भक्तिभाव से मनाया जाएगा.

दिल महोम्मद ने किया था सहयोग, 1963 से कामडारा में हो रही है दुर्गा पूजा

कामडारा। कामडारा प्रखंड में दुर्गा पूजा का इतिहास काफी पुराना है. सन 1963 ई में कामडारा चर्च के तत्कालीन पादरी समद के सुझाव वह पहल पर कामडारा वासियों ने दुर्गा पूजा मनाने का निर्णय लिया था. इसकी पहल करते हुए स्वयं पादरी ने 10 रुपये चंदा देकर लोगों का हौसला बढ़ाया था. देखते ही देखते लोग मिलते गए और कारवां बनता गया. कामडारा निवासी स्वर्गीय दिल मोहम्मद खान भी सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए आगे आए थे. उन्होंने मंगरा साहू, गणेश साहू, किरीचरण साहू, रामन साहू और राम गोपाल साहू के साथ मिलकर गुमला जिला के तत्कालीन मलेरिया इंस्पेक्टर गिरिजा प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में 337 रुपये चंदा इकट्ठा किए और धूमधाम से दुर्गा पूजा किये थे. श्री दुर्गा पूजा उत्सव में सभी धर्मों के लोगों ने भाग लेकर कामडारा में सांम्प्रदायिक सौहार्द का पैगाम दिया. पूजा समिति के वरिष्ठ जन अपने अतीत को याद करते हुए बताते हैं कि उक्त समय आज के जैसा नही था ना वाहन थे और ना ही माहौल.

नशे के सौदागरों पर पुलिस का कहर, 38 गिरफ्तार

गुमला। जिला में तेज गति से मादक पदार्थों का कारोबार और सेवन का जाल फैल रहा है. मादक पदार्थों के कारोबार का महाजाल नए पीढ़ी के युवा छात्रों को निगल रहा है. परिवार और समाज के लोग अपने और देश के भविष्य को लेकर चिंतित है. शहर से लेकर गांव तक ब्राउन शुगर, गांजा और शराब की लत घरों को बर्बादी की कगार पर ला दिया है. मादक पदार्थों के बढ़ते प्रचलन और अपराध को लेकर जहां आम व खास हर वर्ग के लोग चिंतित व व्यथित थे वहीं अवतार पुरुष की तरह गुमला में आए पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमां के नेतृत्व में गमला की तस्वीर में बदलाव की उम्मीद जग गई है. इसका कारण यह है कि एसपी हरीश बिन जमां के नेतृत्व में जनवरी से सितंबर माह तक मादक पदार्थों के कारोबार से जुड़े 38 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. इस मामले में अलग-अलग थाना में कुल 25 प्राथमिकी दर्ज हुए हैं . पुलिस की कार्रवाई से नशे के कारोबारियों का कारोबार कमजोर हुआ है . एसपी के अनुसार जनवरी 2025 से 18 सितंबर 2025 तक पुलिस ने मादक पदार्थों के कारोबार से जुड़े 25 मामले दर्ज कर 38 लोगों को गिरफ्तार करने की गई है- जिसमें उत्पाद अधिनियम के 3 और एनडीपीएस एक्ट के 22 मामले शाम–गुमला मुख्य मार्ग पर छापेमारी कर एक कंटेनर से 66 लाख रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद किया था.

रातू में दर्जनों लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की

रातू (रांची)। रातू प्रखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का कार्यकर्ता सम्मेलन सोमवार को बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया. यह सम्मेलन पिर्रा स्थित वीरा मैरिज हॉल में संपन्न हुआ, जिसकी संयुक्त अध्यक्षता जिला संयोजक एवं केंद्रीय सदस्य अश्विनी शर्मा, जिला संयोजक सदस्य डॉ. हेमलाल कुमार मेहता तथा जयवंत तिग्गा ने की. सम्मेलन के दौरान प्रखंड संगठन के गठन हेतु प्रस्ताव और समर्थन की प्रक्रिया अपनाई गई. इसमें विभिन्न पदों के लिए नामों का प्रस्ताव सामने आया. अध्यक्ष पद के लिए बेलाल अंसारी, जीतनंदन महतो और असलम अंसारी के नाम रखे गए. वहीं, सचिव पद हेतु दिनेश तिग्गा, एन.के. यादव और प्रदीप किस्पोट्टा के नाम सामने आए. कोषाध्यक्ष पद के लिए अजय साहू का नाम प्रस्तावित किया गया. उपाध्यक्ष पद के लिए सूरज प्रमाणिक, आसिफ मंसूरी, ने शकुंतला देवी और सिंदबाद खान के नाम चर्चा में रहे. इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए बेलाल अंसारी ने असलम अंसारी को अपना समर्थन देते हुए अपना नाम वापस ले लिया सम्मेलन के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए बड़ी संख्या में लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. नए सदस्यों में राम प्रकाश ठाकुर, निसार अहमद, आफताब अंसारी, साहिल स्वरूप गुप्ता, नदीम सरवर, जावेद अंसारी, अयान अंसारी, राजा खान, अंकित साहू, चांद खान, आजम अंसारी, अफसर खान, बिट्टू राजा, सागर गुप्ता, किशन गुप्ता, छोटू अंसारी, पवन साहू, दीपक बैठा, किशन कुमार गुप्ता का नाम शामिल है.

लोहरदगा में कलश शोभायात्रा निकाली गई, मां दुर्गा के नौ रूपों की झांकियां आकर्षण का केंद्र

लोहरदगा। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन लोहरदगा नगर में भव्य कलश शोभायात्रा का आयोजन किया गया. केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति लोहरदगा के तत्वावधान में सोमवार की सुबह देवी मंडप पावरगंज से यात्रा का शुभारंभ हुआ, जो सोमवार बाजार, शास्त्री चौक होते हुए ठाकुरबाड़ी मंदिर पहुंची. यहां कलश स्थापना के साथ नवाह्न पारायण पाठ की शुरुआत हुई, जो पूरे नौ दिनों तक चलेगा. शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु भागीदारी कर रहे थे. भक्तों के हाथों में ध्वज, माथे पर टीका और मुख पर भक्ति भाव साफ झलक रहा था. सबसे आकर्षक रही बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मां दुर्गा के नौ रूपों की जीवंत झांकियां, जिनमें श्रद्धालुओं ने विशेष रुचि दिखाई. ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि और जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूब गया. शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया. केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष संतोष लकड़ा ने जानकारी दी कि परंपरा के अनुसार ग्राम देवी मंदिर से कलश में जल भरकर ठाकुरबाड़ी मंदिर लाया जाता है और यहीं से नवरात्र की आराधना प्रारंभ होती है. उन्होंने बताया कि विजयदशमी के दिन बक्सीदीपा मेला मैदान में रावण दहन होगा. इस बार रावण की ऊंचाई लगभग 55 फीट रखी गई है. इसके साथ ही कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन और रंगारंग आतिशबाजी भी दर्शकों को आकर्षित करेगी. महामंत्री मिथुन तमेडा ने बताया कि शोभायात्रा की निगरानी ड्रोन कैमरों से की गई ताकि सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनी रहे. उन्होंने कहा कि इस वर्ष दुर्गा पूजा को यादगार और भव्य रूप देने का प्रयास किया जा रहा है. पूजा पंडालों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, फायर एक्सटिंग्विशर, पानी और बालू, तथा आपातकालीन निकास द्वार की व्यवस्था की गई है. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समिति ने विशेष अपील की है कि सप्तमी, अष्टमी और नवमी के दिन छोटे बच्चों को पूजा पंडाल में लाने वाले माता-पिता उनकी जेब में नाम, पता और मोबाइल नंबर अवश्य रखें ताकि गुम होने की स्थिति में उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाया जा सके. इस शोभायात्रा में ओम प्रकाश सिंह, पूर्व माटी कला बोर्ड अध्यक्ष चंद्र प्रजापति, अशोक पोद्दार, डॉ. टी. साहू, मोहन दुबे, रवि वर्मा, अजय पंकज, सुनील अग्रवाल समेत कई लोग मौजूद थे.

एक नजर

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलगी में भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न

कुडू (लोहरदगा)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सलगी के प्रांगण में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहां लोहरदगा विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव के विधायक निधि से निर्मित होने वाले बहुउद्देशीय हॉल का विधिवत शिलान्यास एवं भूमि पूजन संपन्न हुआ. इस अवसर पर शिलान्यास कार्यक्रम का नेतृत्व विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव के सुपुत्र एवं समाजसेवी रोहित प्रियदर्शी उरांव की उपस्थिति में विधायक के निजी सचिव संजय दुबे द्वारा किया गया. भूमि पूजन वैदिक विधि से पुरोहित जितेन्द्र नाथ बैद्य द्वारा कराया गया. कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोहर साहू सहित प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया. कार्यक्रम में पहुंचे रोहित प्रियदर्शी उरांव ने देवी दुर्गा मंदिर, सलगी में माथा टेक क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की.

व्यापारी से मकई सप्लाई के नाम पर 4.82 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी, थाने में दिया आवेदन

गुमला। प्रतिष्ठित व्यापारी को मक्का सप्लाई कराने के नाम पर करीब 4 लाख 82 हजार 500 रुपये की साइबर ठग ने आन लाइन चूना लगाया है. मामला इतना सुनियोजित था कि ठगों ने न सिर्फ कंपनी का नाम और पता दिखाया, बल्कि नकली इनवॉइस, ट्रक की तस्वीर और गाड़ी नंबर तक मुहैया करा कर व्यापारी को यकीन दिलाया. कहा कि उसका माल भेज दिया गया है. इस संबंध में गुमला थाना क्षेत्र के ग्राम पतिया निवासी प्रवीण कुमार दास, जो गुमला में इशांक ट्रेडर्स के नाम से कारोबार करते हैं, ने रविवार की अपराह्न 4 बजे पुलिस को लिखित आवेदन देकर पूरा घटनाक्रम बताया है. उनके मुताबिक उन्होंने 22 अगस्त को इंडिया मार्ट ऐप पर मक्का का रेट सर्च किया. उसी दौरान एक मोबाइल नंबर से संपर्क कर खुद को जय हिंद ट्रेडिंग कंपनी, इंदौर का प्रतिनिधि बताने वाले शख्स ने उनसे डील की. 24 अगस्त को 20.50 रुपये प्रति किलो के दर पर 30 टन मक्का की सप्लाई का सौदा पक्का हुआ. ठग ने बैंक खाता यूको बैंक, इंदौर (अकाउंट होल्डर – अंकित कुमार सिंह) बताया.

इटकी में दुर्गा पूजा की धूम, कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ दुर्गा सप्तशती का पाठ

इटकी। इटकी क्षेत्र में सोमवार को दुर्गा पूजा की शुरुआत श्रद्धा और धूमधाम के साथ हुई. परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार विभिन्न पूजा पंडालों में कलश स्थापना कर दुर्गा सप्तशती पाठ का आरंभ किया गया. क्षेत्र के प्रतिष्ठित जमींदार परिवार के वंशज लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव और लाल गौरव नाथ शाहदेव द्वारा आयोजित पूजा पंडाल में पंडित राजेंद्र मिश्र की अगुवाई में विधिवत कलश स्थापना की गई. वहीं, बनिया टोली स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में पंडित शत्रुघ्न पांडेय के नेतृत्व में श्रद्धालु पूर्णिमा यादव, अभय पांडेय, कमलेश गोप और अमरेश पांडे द्वारा कलश स्थापना कर दुर्गा सप्तशती पाठ का शुभारंभ किया गया. पूजा पंडालों में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था. मौके पर सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के सदस्य सहित दर्जनों श्रद्धालु मौजूद थे.

गुमला : हिंडाल्को कंपनी की लूटनीति के विरुद्ध बिशुनपुर माइंस क्षेत्र में नुक्कड़ सभा की जाएगी

गुमला। बॉक्साइट माइन्स रैयत मजदूर समिति बिशुनपुर के तत्वाधान में हिंडाल्को कंपनी की लूट नीति के विरुद्ध तथा माइंस क्षेत्र में सीएसआर के तहत पेयजल, स्कूल, अस्पताल, रोजगार, सड़क, इत्यादि बुनियादी सुविधाओं की बहाली की मांग को लेकर बिशुनपुर चौक में नुक्कड़ सभा आयोजित की जाएगी. विदित हो कि हिंडाल्को कंपनी द्वारा बॉक्साइट माइन्स का संचालन करते हुए 50 साल से भी ज्यादा हो गए. बावजूद अब तक स्कूल, अस्पताल, सड़क, सिंचाई, रोजगार देने की बात तो दूर पीने का साफ पानी भी अब तक जंगल पहाड़ में रहने वाले लोगों के लिए व्यवस्था नहीं की गई है. जो क्षेत्र के आदिवासी मूलवासी के लिए दुर्भाग्य से कम नहीं है, वहीं सरकार व जिला प्रशासन हिंडाल्को कंपनी की इस मनमानी पर चुपी साधे बैठी है.

दुंदरिया सब्जी बाजार से 16 वर्षीय छात्र लापता, बच्चे की मां ने थाने में की शिकायत

गुमला। रायडीह थाना क्षेत्र के कुलमुंडा गांव निवासी महिला सावित्री देवी ने सोमवार की अपराह्न 3 बजे गुमला थाना पहुंचकर अपने 16 वर्षीय पुत्र रितेश सिंह पिता स्वर्गीय जयधर सिंह के लापता होने का रिपोर्ट दर्ज कराया है. थाना को दिए आवेदन में महिला ने बताया बीते शनिवार को करीब 1 बजे अपने पुत्र को लेकर दुंदुरिया स्थित सब्जी बाजार सब्जी खरीदने आई थी. सब्जी खरीदने के क्रम में बेटा कुछ खाने के लिए खरीदने की बात कह कर चला गया. काफी देर इंतजार करने के बाद भी वह वापस नहीं आया महिला ने अपने स्तर से काफी खोजबीन का प्रयास किया. लेकिन बेटे का कहीं पता नहीं चला. इसके बाद वह अपने घर चली आई और अपने रिश्तेदारों के सहयोग से संबंधित स्थानों पर काफी खोजबीन की. नहीं मिलने पर सोमवार को गुमला थाना पहुंची और आवेदन देकर खोजबीन की गुहार लगाई है.

रातू तालाब में महिला ने बच्चे संग लगाई छलांग मछुआरों ने हिम्मत दिखाकर बचाई जान

रातू। रातू तालाब में सोमवार की सुबह एक अज्ञात महिला ने अपने छोटे बच्चे के साथ तालाब में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया. घटना के दौरान महिला और बच्चा पानी में डूबने लगे, लेकिन तालाब किनारे मौजूद मछुआरों ने तुरंत हिम्मत दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया.सूचना मिलते ही रातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अपने संरक्षण में ले लिया. फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है. पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है और महिला से पूछताछ कर रही है कि उसने यह कदम क्यों उठाया. स्थानीय लोगों का कहना है कि मछुआरों की सतर्कता और तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया, वरना स्थिति गंभीर हो सकती थी.

ठेठईटांगर — फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन पर बोले मुख्य अतिथि मंगल सिंह

खेल प्रतियोगिता से होता है खिलाड़ियों का करियर निर्माण

शुभम संदेश। सिमडेगा

सिमडेगा जिला के ठेठईटांगर स्टेडियम में खरवार भोगता समाज विकास संघ की खेल समिति द्वारा आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ. इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में भोगता ब्रदर्स (खूंटी) और बालिका वर्ग में जोराम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया. बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला भोगता ब्रदर्स खूंटी और कोलेबिरा एफसी के बीच खेला गया, जिसमें भोगता ब्रदर्स ने कोलेबिरा को 1-0 से पराजित किया. वहीं बालिका वर्ग में जोराम की टीम ने सडेन डेथ में जोगबहार की टीम को हराकर विजेता का ताज अपने नाम किया. दोनों ही वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना और टीम भावना का प्रदर्शन किया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि, खरवार भोगता समाज के दक्षिण प्रमंडलीय अध्यक्ष मंगल सिंह भोगता ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा, "यह आयोजन समाज को संगठित और विकसित करने की दिशा में एक मिसाल है. खेल न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह युवाओं के मानसिक, शारीरिक और स्वास्थ्य संबंधी विकास में अहम भूमिका निभाता है. खेलों से टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है, जो कैरियर निर्माण में सहायक साबित होता है."

उन्होंने आगे कहा कि खेलों के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है. हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन असली जीत सामूहिक प्रयास और समर्पण की होती है. समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जगन्नाथ भोगता, बसंत प्रधान, धीरज प्रधान, झुकती प्रधान, जय श्री प्रधान समेत कई समाजसेवियों ने अपने विचार व्यक्त किए. सभी वक्ताओं ने सामाजिक एकता बनाए रखने और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने की बात कही.विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी के साथ नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पारंपरिक तरीके से अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया. साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पारंपरिक नृत्य और गीतों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए. इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे. आयोजन समिति ने इस प्रकार के आयोजन को हर वर्ष आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, जिससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिल सके.

नगर महिला समिति की नारी शक्ति समूह ने गुरुकुल शांति आश्रम का परिभ्रमण किया

लोहरदगा। वनवासी कल्याण केंद्र नगर महिला समिति लोहरदगा के नारी शक्ति समूह ने गुरुकुल शांति आश्रम लोहरदगा का परिभ्रमण किया. आश्रम की व्यवस्था को अति सुंदर बताया. गुरुकुल पधारने पर गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने उनका स्वागत सत्कार किया. इस समूह में सुमन राय, रीता अग्रवाल, कनकलता अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, संगीता मित्तल, अंजलि अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, नीति अग्रवाल, अंशु खत्री, तनुजा, शीतल कर्मकार,ममता बंका आदि शामिल थे. उन्होंने बच्चों से वार्तालाप कर उनके दिनचर्या आदि के विषय में जाना तथा उनका उत्साहवर्धन किया. खाद्य सामग्री भी बच्चों को बांटा. इस अवसर परगुरुकुल के संचालक आचार्य शरच्चंद्र आर्य ने दिल्ली में हो रहे अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के विषय में बताया तथा उन्हें दिल्ली आने का निमंत्रण दिया. सभी को महर्षि दयानंद सरस्वती कृत सत्यार्थ प्रकाश ग्रंथ भेंट कर पढ़ने की प्रेरणा दी. श्री आर्य ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुकुल से एवं विभिन्न स्थानों से डेढ़ सौ आर्य वीर वीरांगनाओं के साथ लगभग ढाई सौ लोग इस क्षेत्र से सम्मेलन में भाग लेने के लिए जा रहे हैं. नगर समिति ने उदारता दिखाते हुए हुए दिल्ली जा रहे आर्य वीरों के पोशाक के लिए सहयोग भी किया. गुरुकुल के योगेंद्र आर्य ने सभी का धन्यवाद किया.

मंथन

झारखंड आईटी हब बनने की राह पर और आगे बढ़ा

झारखंड की राजधानी रांची अब नए दौर की दहलीज पर खड़ी है. गूगल, विप्रो और टीसीएस जैसी शीर्ष आईटी कंपनियों के कॉर्पोरेट ऑफिस खोलने की तैयारी और 100 एकड़ जमीन का आवंटन यह संकेत है कि राज्य सूचना - प्रौद्योगिकी के मानचित्र पर मजबूती से उभरना चाहता है. सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है-रांची को बेंगलुरु और पुणे की तर्ज पर आईटी हब के रूप में विकसित करना. इस पहल से अगले पांच वर्षों में 50 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि होटल, ट्रांसपोर्ट और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों को अप्रत्यक्ष लाभ पहुंचेगा. साथ ही, आईटी पॉलिसी-2025 के तहत टैक्स छूट और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा निवेश को और आकर्षक बनाएगी. महत्वपूर्ण यह कि युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. वैश्विक परिदृश्य भी इस बदलाव के पक्ष में है. अमेरिका में एच-1बी वीज़ा नीति में हुए संशोधन से भारतीय आईटी कंपनियों पर अतिरिक्त खर्च का दबाव बढ़ा है. नतीजतन, कंपनियां अब अपने कामकाज को भारत के टियर -2 शहरों में ले जाने की दिशा में सोच रही हैं. ऐसे में रांची और जमशेदपुर जैसे शहर उनके लिए नए केंद्र साबित हो सकते हैं. झारखंड के लिए यह अवसर केवल रोजगार तक सीमित नहीं, बल्कि यह आर्थिक संरचना को नए आयाम देने वाला साबित हो सकता है. चुनौती यही होगी कि सरकार अपने वादों को जमीन पर उतारे और इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजली, इंटरनेट व सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता से पूरा करे. यदि यह सुनिश्चित हो पाया, तो रांची शहर न सिर्फ झारखंड बल्कि पूरे पूर्वी भारत का आईटी हब बनने की क्षमता रखता है.

नजरिया

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की अहमियत

चुनाव आयोग ने देशभर के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है. यह कदम लोकतंत्र की बुनियाद-मतदाता सूची को और अधिक पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. आयोग अक्तूबर-नवंबर से इस प्रक्रिया की शुरुआत कर सकता है. उदाहरण के लिए, दिल्ली में 2008, उत्तराखंड में 2006 और बिहार में 2003 की सूचियों का उपयोग आधार के रूप में हो रहा है. इससे साफ है कि लाखों नए मतदाता अब तक सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं या कई मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम अब भी दर्ज हैं. ऐसी स्थिति चुनावी प्रक्रिया की साख और निष्पक्षता दोनों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है. चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि पुराने रिकॉर्ड से मौजूदा वोटरों का मिलान करने का कार्य अधिकांश राज्यों में लगभग पूरा हो चुका है. अब इस पहल को बिहार से आगे बढ़ाकर पूरे देश में लागू करने की तैयारी है. इससे न केवल मतदाता सूची की विश्वसनीयता बढ़ेगी बल्कि चुनावों की पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी. 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और बंगाल जैसे राज्यों में चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया की सफलता और समय पर पूर्णता विशेष महत्व रखती है. यह सुनिश्चित करना होगा कि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में दर्ज हो और किसी भी तरह की त्रुटि से चुनावी प्रक्रिया प्रभावित न हो. लोकतंत्र की मजबूती मतदाता सूची की शुद्धता में ही निहित है. आयोग की यह कवायद उसी दिशा में एक जरूरी कदम है.

विजन कर्नाटक: मिशन कर्नाटक का अपरिहार्य हिस्सा

किशोर कुमार अखौरी

एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण; कर्नाटक को पहले भी मिला भरपूर मौका

यह विजन या मिशन तो झारखंड भी अपना सकता था. ऐसा हुआ होता तो झारखंड के साथ-साथ दूसरे राज्यों के युवा भी यहां होते और झारखंड के हर एक धार्मिक और पर्यटन स्थल पूरी तरह आबाद होते. और झारखंड खुशहाल राज्य बन गया होता.

किसी भी राज्य के समुचित विकास का लक्ष्य हो, तो एक स्पष्ट विजन और मजबूत इच्छाशक्ति अपरिहार्य होती है. इसे साकार किया कर्नाटक सरकार ने. जब हमारे देश में इंटरनेट, सूचना प्रौद्योगिकी और इस पर आश्रित बड़ी-बड़ी कंपनियां ठौर तलाश रही थीं, कुछ नया की संभावना दस्तक दे रही थी, तब कर्नाटक सरकार ने आगे बढ़ कर एक क्रांतिकारी निर्णय लिया. उसने नवीन प्रौद्योगिकी पर आधारित संभावित बड़े बदलाव को पहचाना और उसका दिल खोल कर स्वागत किया. इस क्रम में बेंगलुरु को भरपूर मौका मिला और बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ऑफिस एक-एक कर के खुलते चले गए. इन कंपनियों की मौजूदगी ने अल्प अवधि में ही इसे सिलिकॉन वैली और देश की आईटी राजधानी के रूप में स्थापित कर दिया. बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अलावा आज वहां लगभग 70000 सॉफ्टवेयर/ आईटी कंपनियां रजिस्टर्ड हैं. 2016 के बाद बेंगलुरु दुनिया भर की आईटी कंपनियों का हब बनने की दिशा में काफी तेजी से अग्रसर हुआ है. 540 प्रतिशत निवेश में वृद्धि के साथ यहां सिर्फ 2020 में 7.2 अरब डॉलर का निवेश हुआ है. शिक्षा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई. 100 से ज्यादा उत्कृष्ट इंजीनियरिंग कॉलेज और 400 से अधिक आईटी के शोध और विकास केंद्रों का गढ़ बन चुका है बेंगलुरु.

स्वाभाविक रूप से जहां दुनिया भर की इतनी अधिक सूचना प्रौद्योगिकी/ आईटी कंपनियां हों, वहां कार्य करने के लिए लाखों की संख्या में विशेषज्ञ युवाओं की आवश्यकता पड़ेगी. देश के हर राज्य से मेहनती और योग्य युवा जब वहां पहुंच रहे थे, तो उत्तर प्रदेश, बिहार और हमारे झारखंड के प्रतिभाशाली युवाओं को तो वहां जाना ही था. आज यहां 37 प्रतिशत की आबादी 15 से 35 वर्ष के आयु वर्ग की है. अब इनके निवास के लिए लाखों की संख्या में आवास की आवश्यकता थी. तात्कालिक व्यवस्था के रूप में पीजी का व्यवसाय कुछ काम आया और फिर बेंगलुरु में धीरे-धीरे बहुमंजिली इमारतों की भरमार होती चली गई.जमीन की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल आया. जमीन के मालिक रातों-रात करोड़पति हो गये और रियल इस्टेट बहुत बड़ा व्यवसाय बन गया. अन्य राज्यों की भांति हमारे राज्य से भी अन्य कौशल से लैस युवा मजदूरी के लिए वहां पहुंचने लगे. स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में बेंगलुरु में लगातार विश्वस्तरीय कॉलेज /अस्पताल खुलते चले गए, यानी यहां भी रोजगार के असीम अवसर.

लाखों की संख्या में युवाओं का जमावड़ा होटल व्यवसाय में भी खूब उछाल लाया. वहीं स्विगी, जोमैटो जैसे एप्प घर बैठे भोजन पहुंचाने लगे, हजारों की संख्या में युवा होटलों और घर-घर भोजन के पैकेट पहुंचाने के कार्य से जुड़ गए.खेती-बारी करने वाले किसानों को भी अपनी उपज की बेहतर कीमत मिलने लगी. सब्जी, फल, अनाज की हजारों दुकान तो खुलीं ही, हजारों की संख्या में बड़े-छोटे मॉल भी खुल गये. इस क्षेत्र में भी अप्रत्याशित ढंग से 15 मिनट में राशन सामग्री पहुंचाने के नाम पर हजारों युवाओं को रोजगार मिल गया.

ओला-उबर की उपयोगिता बढ़ने लगी और गाड़ियों के मालिक तथा ड्राइवर की मांग/व्यस्तता अत्यधिक बढ़ गयी. जबकि पूर्व में गाड़ियों की संख्या कम रहने के बावजूद उनकी मांग काफी कम थी. स्थानीय स्तर पर भी बहुत बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रकार के रोजगारों का सृजन हुआ. पूरा बेंगलुरु तेजी से फलने-फूलने और समृद्ध होने लगा. अधिकांश आईटी कंपनियों की विशेषता है कि वहां सप्ताह में सिर्फ 5 दिन ही कार्य हुआ करते हैं. 'वीकेंड' यानी शनिवार और रविवार की छुट्टी ने लाखों-करोड़ों के पैकेज पर काम कर रहे युवाओं में मौज-मस्ती और पिकनिक का भाव भर दिया. इसका नतीजा यह हुआ कि इन दो दिनों में सैर-सपाटे का प्रचलन अप्रत्याशित बढ़ गया. बेंगलुरु के 200-300 किमी के दायरे में पड़ने वाले प्राकृतिक छटाओं से परिपूर्ण पर्यटन स्थलों की तो चांदी हो गयी. पहले जिन स्थानों में नाम-मात्र की भीड़ हुआ करती थी, वहां पांव रखने की जगह भी कम पड़ने लगी. इन पर्यटन स्थलों में बड़ी संख्या में होटल-लॉज खुल गए, इसके बावजूद 'वीकेंड' में यहां कमरा और बेड मिलना धीरे-धीरे दूभर होता चला गया. इन परिस्थितियों में यहां रहने वाले लोगों का जीवन खुशहाल हुआ और संपन्नता बढ़ने लगी. आज केरल के वरकला, मुन्नार, वायनाड, एलेप्पी, वागामोन, तमिलनाडु के ऊटी, कोयम्बटूर, कन्याकुमारी, कुन्नूर, कोडाईकनाल, पांडिचेरी, मदुराई, रामेश्वरम्, कर्नाटक के चिकमंगलूर, कुर्ग, मैसूर, हम्पी, उडूपी, गोकर्णा और आन्ध्र प्रदेश के तिरुपति, विजगापतनम जैसे सैकड़ों धार्मिक तथा पर्यटन स्थल, बेंगलुरु के युवाओं के आकर्षण के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं. इन स्थानों के अतिरिक्त भी नए-नए पर्यटन केंद्र की तलाश की जा रही है और इन सबकी चहल-पहल पहले से कई गुणा बढ़ चुकी है.

यह विजन या मिशन तो झारखंड भी अपना सकता था. एक बड़ा उद्योग सैकड़ों एकड़ जमीन मांगता है, लेकिन सिर्फ 4-5 सौ एकड़ में हजारों आईटी कंपनियां खोली जा सकती हैं. ऐसा हुआ होता तो झारखंड के साथ-साथ दूसरे राज्यों के युवा भी यहां होते और झारखंड के हरेक धार्मिक और पर्यटन स्थल पूरी तरह आबाद होते. अरबों-खरबों का कारोबार करने वाली आईटी कंपनियों की वजह से झारखंड का राजस्व भी सैकड़ों गुणा बढ़ गया होता. लेकिन दुर्भाग्य कि यहां... विजन कर्नाटक-मिशन कर नाटक हावी रहा है. आशा की जा सकती है कि सरकार संभावनाओं पर मनन करे, इस विजन को समझे, अपनाए और जिससे हमारा राज्य हर दृष्टि से समृद्ध तथा खुशहाल बने.

(लेखक अन्नदा कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग के अवकाशप्राप्त विभागाध्यक्ष हैं)

आज का इतिहास

1739 : रूस और तुर्की ने बेलग्राद शांति संधि पर हस्ताक्षर किए.
1803 : असाए की लड़ाई में ब्रिटिश-भारतीय सेनाओं ने मराठा सेना को हराया.
1857 : रूस का जंगी जहाज लेफोर्ट फिनलैंड की खाड़ी में लापता, 826 की मौत.
1879 : रिचर्ड रोड्स ने सुनने वाली मशीन बनाई, इसे आडियोफोन नाम दिया गया.
1929 : बाल विवाह निषेध बिल को मंजूरी. यह शारदा कानून के नाम से जाना गया.
1955: पाकिस्तान ने बगदाद की संधि पर दस्तख्त किए.
1965 : भारत और पाकिस्तान के बीच जंग में युद्धविराम का ऐलान.
2009: इसरो ने भारतीय उपग्रह ओशन सैट-2 समेत 7 उपग्रह कक्षा में स्थापित किए.
2020: संसद ने जम्मू-कश्मीर भाषा बिल को मंजूरी प्रदान की, जिसमें पांच भाषाओं को आधिकारिक भाषा का दर्जा मिला.

चिंतन

बच्चों को अपने मां-बाप का भरोसा कभी नहीं तोड़ना चाहिए

मॉम .... मैं सोच रही थी ! कि आज रात को मैं शिखा के घर पर ही रुक जाऊंगी...थोड़ी कम्बाइंड स्टडी करनी है, वो परसों मैथ्स का टेस्ट है ना उसी की तैयारी करनी है. किताबें समेटते हुए चारू बोलती जा रही थी.

पर बेटा,रात को किसी के घर रुकना मुझे तो ठीक नहीं लगता.

मॉम, नाराज होती हुई चारू ने कहा, देखो ना पापा मां जाने नहीं दे रहीं. पापा मां पर नाराज़ होते हुए बोले, अरे रुक जाने दो ना चारू को उसकी सहेली के घर, एक रात की ही तो बात है. अपने बच्चों पर विश्वास करना सीखो. जाओ बेटा, जाओ.

चारू ने पापा को थैंक्स कहा और अपनी स्कूटी से निकल गयी.

रात का एक बजा था, फोन की घनघनाहट सुन कर वर्मा जी घबरा कर उठे, फोन पर आवाज आयी, मिस्टर वर्मा आप तुरन्त थाना गांधी नगर आने का कष्ट करें.

यह सुनकर वर्मा जी की सांसें गले में अटक गयीं, डर रहे थे की कहीं कोई अनहोनी ना हुई हो...कहीं बेटी को तो कुछ..... बदहवास थाने पहुंचे,देखा दस-पंद्रह लड़के लड़कियां मुंह छिपाए बैठे थे उनमें अपनी चारू को पहचानने में जरा भी देर नहीं लगी.

देखिए वर्मा जी, ये बच्चे दिल्ली के बाहर एक फार्म हाउस में ड्रग्स के साथ रेव पार्टी करते हुए पकड़े गए हैं. थानेदार ने रौबदार आवाज में कहा.

आप लोग ना जाने अपने बच्चों को कैसे संस्कार देते हैं....न जाने इतनी रात गए घर से बाहर निकलने की परमिशन कैसे दे देते हैं, आप लोग....शर्म आनी चाहिए.

वर्मा जी शर्म का सिर शर्म से झुका जा रहा था, वो बस एक ही बात सोच रहे थे...जब उन्होंने अपनी बेटी पर इतना विश्वास किया तो आखिर क्यों उनकी बेटी ने उनके साथ विश्वासघात कर दिया.

दोस्तों, इस दुनिया में कोई है जो आपका सबसे अधिक ध्यान रखता है, सबसे अधिक आपका भला चाहता है तो वो आपके माता-पिता हैं. वो आपको ऊपर से सख्त लग सकते हैं पर उनके भीतर आपके लिए आपार प्रेम होता है और कभी भी आपको उस प्रेम का नाजायज़ फायदा नहीं उठाना चाहिए. कभी भी आपको उनके विश्वास के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए. बच्चों को हमेशा अपने मां-बाप की इज्जत का ख्याल रखना चाहिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #Navratri2025
2. #नवरात्रि
3. महाराजा अग्रसेन
4. #जय_माता_दी
5. #JaiMataDi
6. Maa Durga
7. #JanhitDiwas_KuldeepBishnoi
8. Guardian of Bengaluru
9. Salute Seemanthkumar
10. जगत जननी

बहुरंग

फैंस का इंतज़ार खत्म, सामने आई अविका गौर और मिलिंद चांदवानी की शादी की डेट

टीवी शो 'बालिका वधू' में छोटी आनंदी का किरदार निभाकर घर-घर मशहूर हुईं अविका गौर एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार अपनी निजी जिंदगी को लेकर. अविका ने इस साल 11 जून को अपने बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी से सगाई की थी और दोनों फिलहाल रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कपल जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाला है.

अविका और मिलिंद 30 सितंबर, 2025 को 'पति पत्नी और पंगा' के सेट पर ही शादी करेंगे. अविका ने खुद भी इस बात की पुष्टि की और कहा, मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसा साथी मिला है, जो हमेशा मेरा साथ देता है, मुझे समझता है और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. इस खुशखबरी से हमारे दोनों परिवार भी बेहद उत्साहित हैं. अभिनेत्री ने आगे कहा, 2008 से मैं दर्शकों के बीच हूं और मुझे उनसे जो प्यार और आशीर्वाद मिला है, वह मेरे लिए बेहद खास है. मैं चाहती थी कि मेरे फैंस भी मेरी शादी का हिस्सा बनें और अब यह सपना सच होने वाला है. गौरतलब है कि अविका और मिलिंद पिछले पांच सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और अब उनका यह रिश्ता शादी में बदलने जा रहा है.

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 का नया पोस्टर जारी

बॉलीवुड की पावरफुल अदाकारा रानी मुखर्जी एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपने दमदार अंदाज़ से दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं. पिछले कई महीनों से उनकी चर्चित फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर काफी उत्साह बना हुआ है. अब दर्शकों का इंतजार और भी रोमांचक हो गया है, क्योंकि यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है.

इस पोस्टर में रानी मुखर्जी अपने आइकॉनिक किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के लुक में नजर आ रही हैं. पुलिस की वर्दी पहने और हाथ में बंदूक थामे रानी का यह रौबदार अंदाज़ एक बार फिर यह साबित करता है कि वह पर्दे पर किसी भी गैंगस्टर और अपराधी को सीधी चुनौती देने के लिए तैयार हैं. पोस्टर पर साफ झलकता है कि इस बार कहानी और भी ज्यादा इंटेंस, दमदार और चैलेंजिंग होने वाली है.

फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है, जबकि इसके निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं. यशराज फिल्म्स की इस मशहूर फ्रेंचाइज़ी की तीसरी किस्त से दर्शकों की उम्मीदें दोगुनी हैं. 2014 में आई 'मर्दानी' और 2019 की 'मर्दानी 2' में रानी मुखर्जी ने अपनी बेहतरीन अदाकारी और खाकी वर्दी के दम से जबरदस्त छाप छोड़ी थी.

नए पोस्टर के साथ निर्माताओं ने लिखा, नवरात्रि के शुभ अवसर पर, यहां बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाया जाता है. रानी मुखर्जी अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण मामले की जांच करने के लिए तैयार हैं.

फिल्म 'मर्दानी 3' को 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जाएगा. दर्शक और फैंस सोशल मीडिया पर पहले ही इस पोस्टर की तारीफ कर रहे हैं और यह मानकर चल रहे हैं कि रानी मुखर्जी का यह रोल एक बार फिर समाज को सोचने पर मजबूर कर देगा.

रायगढ़ में नवरात्रि की धूम, मनोकामना ज्योत जलाने की तैयारियां

शारदीय नवरात्रि को लेकर रायगढ़ जिले में श्रद्धा और भक्ति का माहौल है. 22 सितंबर से आरंभ हो रहे नवरात्रि पर्व को लेकर जिले के देवी मंदिरों में आकर्षक सजावट की गई है. श्रद्धालु भक्तों की मनोकामना पूर्ति हेतु मंदिरों में ज्योत प्रज्वलित करने की विशेष तैयारी की गई है.

नवरात्रि की पूर्व संध्या पर बंजारी मंदिर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई. यह यात्रा तराईमाल से प्रारंभ हुई, जहां यज्ञाचार्य पंडितों और यजमानों ने विधि-विधान से जलदेव की पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया. यात्रा के दौरान माता के जसगीत गूंजते रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा. इस कलश यात्रा में पाँच कर्मा नृत्य दलों के साथ 500 से अधिक महिलाएं और युवतियां शामिल हुईं. यात्रा लगभग तीन किलोमीटर भ्रमण करते हुए मां बंजारी धाम पहुंची, जहां कलश स्थापना की गई. इसके बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरित किया गया. वहीं, बूढ़ी माई मंदिर में नवरात्रि के पहले दिन सोमवार को सुबह 9:30 बजे से पूजा-अर्चना की जाएगी. मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजू पांडे ने बताया कि इस अवसर पर "मनोकामना दीप गृह" में हजारों ज्योत प्रज्वलित की जाएंगी.

जॉली एलएलबी 3 बनी हिट मशीन, 3 दिन में पार किया 50 करोड़ का आंकड़ा

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की दमदार जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने लौटी है. मशहूर कोर्टरूम ड्रामा फ्रैंचाइज़ी 'जॉली एलएलबी' का तीसरा पार्ट अब सिनेमाघरों में चर्चा का विषय बना हुआ है.

साल 2013 में आई पहली फिल्म में अरशद वारसी ने मुख्य भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीता था, जबकि 2017 में रिलीज़ हुई 'जॉली एलएलबी 2' में अक्षय कुमार ने अपनी मौजूदगी से बॉक्स ऑफिस पर सफलता दर्ज की थी. अब करीब आठ साल बाद डायरेक्टर सुभाष कपूर 'जॉली एलएलबी 3' लेकर आए हैं, जो 19 सितंबर को रिलीज़ हुई.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, लंबे इंतजार के बाद रिलीज़ हुई इस फिल्म को पहले ही दिन शानदार रिस्पॉन्स मिला. शुक्रवार को लगभग 12 करोड़ की ओपनिंग के बाद शनिवार को कलेक्शन उछलकर 20 करोड़ तक पहुंच गया. रविवार को भी फिल्म की पकड़ मजबूत रही और करीब 21 करोड़ का बिज़नेस किया. सिर्फ तीन दिनों में फिल्म ने लगभग 53.50 करोड़ की कमाई कर ली है.

इस बार कहानी की खासियत यह है कि कोर्टरूम में पहली बार दोनों 'जॉली' अक्षय और अरशद, आमने-सामने दिखाई दे रहे हैं. वहीं, दर्शकों के चहेते सौरभ शुक्ला ने एक बार फिर अपने यादगार जज का किरदार निभाया है. इसके अलावा हुमा कुरैशी और अमृता राव भी अपने-अपने रोल में वापसी करती दिख रही हैं. सोशल मीडिया पर फिल्म को शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

वृषभा की टीम ने मोहनलाल के सम्मान पर ज ताई खुशी

चार दशकों से भी ज्यादा के अपने करियर में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय करने वाले मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल विश्वनाथन नायर को वर्ष 2023 के प्रतिष्ठित दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मनित किया जाएगा. अभिनेता की इस खास उपलब्धि को के लिए बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वृषभा' की टीम ने खुशी और गर्व जाहिर करते हुए बधाइयां दीं.

फिल्म वृषभा की प्रोड्यूसर एकता आर. कपूर ने कहा, कांग्रेचुलेशन्स मोहनलाल सर! आपका टैलेंट और आपकी परफॉर्मेंस अनगिनत कलाकारों के लिए प्रेरणा है. टीम वृषभा के लिए आपके साथ काम करना किसी वरदान से कम नहीं. आप वाकई इंडियन सिनेमा के चमकते सितारे हैं. वरुण माथुर ने जोड़ा, मोहनलाल सर को इस शानदार उपलब्धि पर ढेर सारी शुभकामनाएं. यह आपकी लेजेंडरी जर्नी का एक और सुनहरा अध्याय है. पूरी टीम की ओर से हार्दिक बधाई.

अभिषेक व्यास बोले, दिल से बधाई मोहनलाल सर! आपका दशकों का काम आज भी हमें प्रेरित करता है और सिनेमा का भविष्य गढ़ता है. आपके इस सफ़र का हिस्सा होना हमारे लिए गर्व की बात है. डायरेक्टर नंदा किशोर ने कहा, श्मोहनलाल सर को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिलना हर सिनेमा प्रेमी के लिए गर्व का क्षण है. वह केवल अभिनेता नहीं, बल्कि एक भावना हैं. उनके साथ काम करना सौभाग्य है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी. अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है. शुभांक-1-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा. अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी. व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है. स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुनर्स्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा. किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं. शुभांक-2-5-6

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें. राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें. मान-सम्मान को ठेस लग सकती है. जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें. नये आगंतुकों से लाभ होगा. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी. शुभांक-5-7-9

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा. परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग मिलेगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. मनोरथ सिद्धि का योग है. शुभांक-1-3-6

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. चिंतन करें. पुराने मित्र से मिलन होगा. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शुभांक-5-7-9

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. शुभांक-3-5-7

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे. समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं. कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे. आलस्य का त्याग करें. पुरुषार्थ का सहारा लें. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी. शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : कर्म बल पर सफलता मिलेगी. व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा. आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे. बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी. आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-4-6-8

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. श्रम अधिक करना पड़ सकता है. वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं. शुभांक-3-5-7

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा. शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी. अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं. कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ. नैतिक दायरे में रहें. शुभांक-5-7-9

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं. उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी. कारोबार की उन्नति के लिए एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे. बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा. उत्साह बनाए रखिए, हर अभीष्ट की सिद्धि का योग है. शुभांक-1-5-8

श्री सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणी नमोऽस्तुते॥

शारदीय नवरात्रि इस बार 9 नहीं 10 दिन रहेंगे

शारदीय नवरात्रि 2025 का त्योहार इस साल 22 सितंबर, सोमवार से शुरू होकर 2 अक्टूबर, गुरुवार को विजयदशमी (दशहरा) के साथ समाप्त होगा। इस बार नवरात्रि 9 दिन के बजाय 10 दिन की होगी, जिसका कारण चतुर्थी तिथि का दो दिन होना है। यह एक विशेष और शुभ संयोग माना जाता है।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

घटस्थापना के लिए 22 सितंबर 2025 को दो शुभ मुहूर्त हैं।
पहला मुहूर्त सुबह 06.11 बजे से सुबह 07.52 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त – सुबह 11.51 बजे से दोपहर 12.39 बजे तक

विशेष संयोग

इस साल शारदीय नवरात्रि के 10 दिन होने का कारण चतुर्थी तिथि का दो दिनों तक रहना है। इसके अलावा, इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, जिसे सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यह एक दुर्लभ संयोग है जो पूजा के विशेष फल देगा।

देवी पूजन से पहले कलश स्थापना बेहद जरूरी

इस बार शारदीय नवरात्र 22 सितंबर से प्रारंभ होंगे और एक अक्टूबर को पूर्ण होंगे। जब भी सोमवार से नवरात्र शुरू होते हैं तो मातारानी हाथी पर सवार होकर आती हैं जो बहुत शुभ और फलदायी माने जाते हैं। हिंदू पुराणों में मान्यता है कि कलश को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है इसलिए देवी की पूजा से पहले कलश का पूजन किया जाता है।

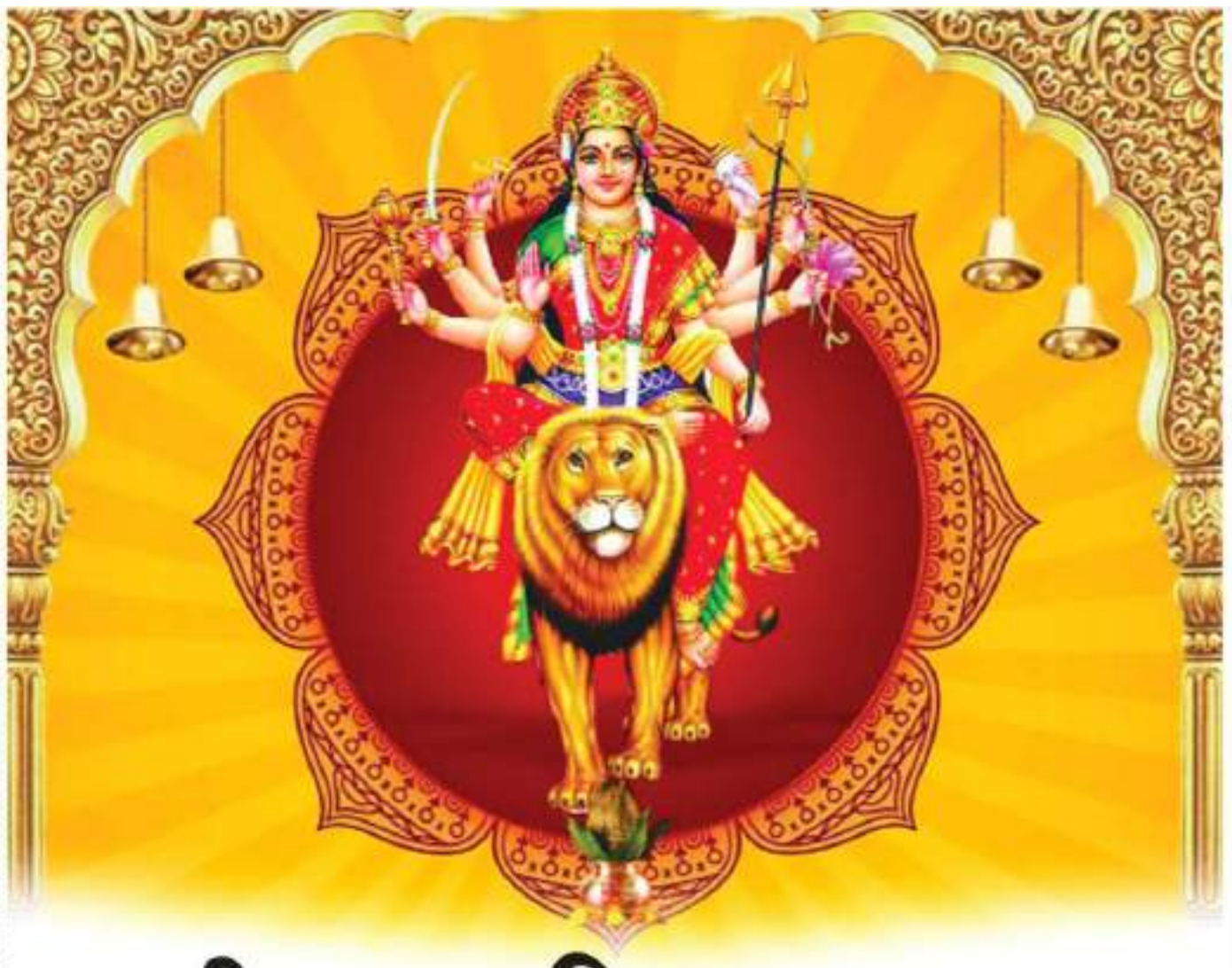

शारदीय नवरात्रि पर बना बेहद शुभ संयोग

शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू होंगे। इन नौ दिनों में दुर्गा मां के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाएगी। इस बार नवरात्रि पर कई शुभ योग बन रहे हैं। माता दुर्गा गज पर सवार होकर आएंगी, जो समृद्धि का प्रतीक है।

शारदीय नवरात्रि का पर्व हर साल देशभर में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस बार 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि आरंभ हो रहे हैं। इन 9 दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरुपों की पूजा की जाती है। इन 9 दिनों का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि, जो भक्त इन दिनों में माता रानी की सच्ची उपासना करता है मां दुर्गा उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। शारदीय नवरात्रि का आरंभ आश्विन प्रतिपदा तिथि से होता है और समापन दशमी तिथि को होता है। वैसे तो माता का वाहन शेर है लेकिन, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा अलग-अलग वाहन से आगमन और प्रस्थान करती हैं। माता के अलग-अलग वाहन पर आने और जाने का प्रभाव भी अलग होता है।

नवरात्रि का आरंभ कब से हो रहा है?

शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर से हो रहा है और 2 अक्टूबर को दशमी तिथि के दिन नवरात्रि का समापन हो जाएगा। साथ ही इस बार नवरात्रि पर ग्रहों का बहुत ही शुभ संयोग बना हुआ है। नवरात्रि पर इस बार बुधादित्य राजयोग, भद्र राजयोग, धन योग (चंद्र मंगल युति तुला राशि में), त्रिग्रह योग (चंद्रमा बुध और सूर्य की युति कन्या राशि में), और गजकेसरी राजयोग का शुभ संयोग रहने वाला है। नवरात्रि का आरंभ गजकेसरी राजयोग से हो रहा है क्योंकि, गुरु और चंद्रमा एक दूसरे से केंद्र भाव में होंगे। गुरु मिथुन राशि में और चंद्रमा कन्या राशि में गोचर करेंगे जिससे गजकेसरी राजयोग का निर्माण होगा। साथ ही इस बार मां दुर्गा भी गज पर सवार होकर आ रही हैं तो यह बेहद ही दुर्लभ संयोग है।

नवरात्रि 2025 मां दुर्गा का वाहन

शशिसूर्ये गजारूढ़ा, शनिभौमे तुरंगमे।
गुरुशुक्रे च दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता॥
फलम् – गजे च जलदा देवी, छत्रभङ्ग तुरंगमे।
नौकायां सर्व सिद्धिस्यात् दोलायां मरणं ध्रुवम्॥
इस बार शारदीय नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर सोमवार से हो रहा है। जब भी नवरात्रि का आरंभ रविवार या सोमवार से होता है तो उस दिन माता का आगमन गज यानी हाथी पर होता है। श्रीमद्देवी भागवत महापुराण के अनुसार, जब भी माता का आगमन हाथी पर होता है तो यह बेहद ही शुभ माना जाता है। माता के हाथी पर आगमन का अर्थ है कि पृथ्वी में वृद्धि होती साथ ही देश में धन समृद्धि में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

नवरात्रि 2025 मां दुर्गा के प्रस्थान का वाहन

शशिसूर्यदिने यदि सा विजया, महिषा गमनेरूज शोककरा,
शनिभौमे यदि सा विजया चरणायुधयानकरी विकला
बुधशुक्रे यदि सा विजया गजवाहनगा शुभवृष्टिकरा,
सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहनगा शुभसौख्यकरा॥
शारदीय नवरात्रि का समापन 2 अक्टूबर गुरुवार विजयदशमी के दिन होगा। जब भी माता का प्रस्थान गुरुवार के दिन होता है तो मां दुर्गा मनुष्य की सवारी करके प्रस्थान करती हैं।
इस बार भी मां मनुष्य की सवारी करके प्रस्थान करेंगी जिसे बहुत ही शुभ संकेत माना गया है। इसका मतलब है कि लोगों के बीच प्रेम बढ़ेगा और सुख शांति बनी रहेगी।

नवरात्रि किस दिन कौन सी देवी की पूजा करें?

नवरात्रि पहला दिन 22 सितंबर 2025 – मां शैलपुत्री की पूजा
नवरात्रि दूसरे दिन 23 सितंबर 2025 – मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
नवरात्रि तीसरे दिन 24 सितंबर 2025 – मां चंद्रघंटा की पूजा
नवरात्रि तीसरे दिन 25 सितंबर 2025 मां चंद्रघंटा की पूजा
नवरात्रि चौथा दिन 26 सितंबर 2025 – मां कूष्माण्डा की पूजा
नवरात्रि पांचवां दिन 27 सितंबर 2025 – मां स्कंदमाता की पूजा
नवरात्रि छठा दिन 28 सितंबर 2025 – मां कात्यायनी की पूजा
नवरात्रि सातवां दिन 29 सितंबर 2025 – मां कालरात्रि की पूजा
नवरात्रि आठवां दिन 30 सितंबर 2025 – मां महागौरी सिद्धिदात्री की पूजा
नवरात्रि नौवां दिन 1 अक्टूबर 2025 – मां सिद्धिदात्री की पूजा
नवरात्रि दसवां दिन 2 अक्टूबर 2025 – विजयदशमी
बता दें कि इस बार नवरात्रि में तृतीया तिथि दो दिन लग रही है। इसलिए 24 और 25 सितंबर दोनों ही दिन मां चंद्रघंटा की उपासना की जाएगी।

नवरात्रि व्रत में किन-किन नियमों का करना चाहिए पालन

22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जो 2 अक्टूबर को समाप्त होंगे। देवी के आने से सभी के जीवन में खुशियां और सुख-समृद्धि का वास होता है। इस दौरान घरों व पंडालों में माता का भव्य तरीके से स्वागत किया जाता है, जिसकी तैयारी महीने भर पहले शुरू हो जाती है। नवरात्रि के ये नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों को पूरी तरह से समर्पित है। इस अवधि में देवी की विधि विधान से पूजा की जाती है। वहीं महिलाएं परिवार की तरक्की और खुशहाल जीवन के लिए नौ दिनों तक उपवास रखती हैं, जिससे माता रानी प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में उपवास रखने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। लेकिन व्रत के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाता है, जिससे पूजा का संपूर्ण फल मिलता है।

नवरात्रि व्रत नियम

- हिंदू धर्म में कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। नवरात्रि के व्रत का पारण हमेशा कंजका का पूजन करने के बाद होता है। ऐसे में किसी भी कन्या व महिला को अपमानित न करें। हमेशा उनके प्रति सम्मान का भाव रखें।
- नवरात्रि का व्रत रख रहे लोगों को तामसिक भोजन से परहेज रखना चाहिए। इस दौरान साधक को सात्विकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है। इस दौरान दिन के अनुसार माता के स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। पूजा में हमेशा दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें, इससे देवी प्रसन्न होती हैं।
- नवरात्रि में अगर आपने कलश स्थापना, अखंड ज्योति या चौकी लगाई है, तो घर को कभी खाली न छोड़ें। ऐसा करना अशुभ होता है।
- यदि आप नौ दिनों का उपवास रख रहे हैं, तो बीच में व्रत न तोड़ें। यदि कोई गंभीर परिस्थिति है, तो देवी से क्षमा मांगें और व्रत नियमानुसार खोल लें।
- नवरात्रि के दिनों में घर में प्याज लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं रख रहे हैं, तब भी घर में इसका सेवन न करें।
- पैराणिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा घरों में भ्रमण करती हैं, तो घर को खाली न छोड़ें। हमेशा घर में उजाला व रौनक बनाए रखें, इससे सुख-समृद्धि का वास होता है।

अद्भुत, गोपनीय और रहस्यमयी हैं मां दुर्गा के 32 नाम

दानव महिषासुर के वध से प्रसन्न और निर्भय हो गए त्रिदेवों सहित देवताओं ने प्रसन्न भगवती से ऐसे किसी अमोघ उपाय की याचना की, जो सरल हो और कठिन से कठिन विपत्ति से छुड़ाने वाला हो। 'हे देवी! यदि वह उपाय गोपनीय हो तब भी कृपा कर हमें कहें।' मां भगवती ने अपने ही बत्तीस नामों की माला के एक अद्भुत गोपनीय रहस्यमय किंतु चमत्कारी जप का उपदेश दिया जिसके करने से घोर से घोर विपत्ति, राज्यभय या दारुण विपत्ति से ग्रस्त मनुष्य भी भयमुक्त एवं सुखी हो जाता है। मां दुर्गा को अपने यह 32 नाम अति प्रिय हैं। इन्हें सुनकर वे पुलकित हो जाती हैं।

कैसे करें जाप

देहशुद्धि के बाद कुश या कंबल के आसन पर बैठकर पूर्व या उत्तर की तरफ मुंह करके घी के दीपक के सामने इन नामों की 5/ 11/ 21 माला नौ दिन करनी है और जगत माता से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की याचना करनी है।

मां दुर्गा के 32 नाम

1.दुर्गा, 2.दुर्गार्तिशमनी, 3.दुर्गापद्विनिवारिणी, 4.दुर्गमच्छेदनी, 5.दुर्गसाधिनी, 6.दुर्गनाशिनी, 7.दुर्गतोद्धारिणी, 8.दुर्गनिहन्त्री, 9.दुर्गमापहा, 10.दुर्गमज्ञानदा, 11.दुर्गदैत्यलोकदवानला, 12.दुर्गमा, 13.दुर्गमालोका, 14.दुर्गमात्मस्वरुपिणी, 15.दुर्गमार्गप्रदा, 16.दुर्गम विद्या, 17.दुर्गमाश्रिता, 18.दुर्गमज्ञान संस्थाना, 19.दुर्गमध्यान भासिनी, 20.दुर्गमोहा, 21.दुर्गमगा, 22.दुर्गमार्थस्वरुपिणी, 23.दुर्गमासुर संहंत्रि, 24.दुर्गमायुध धारिणी, 25.दुर्गमांगी, 26.दुर्गमता, 27.दुर्गम्या, 28.दुर्गमेश्वरी, 29.दुर्गभीमा, 30.दुर्गभामा, 31.दुर्गभो, 32.दुर्गोद्धारिणी।

कैसे मनाएं नन्ही कन्याओं के पूजन का उत्सव

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर होते हैं कन्या पूजन के लिए।आइए जानें 9 दिन कैसे करें कन्या पूजन

- सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएं। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी है। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।
- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते हैं तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए : गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रुमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवें दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद हैं।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉइंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पुरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का आयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि देवी जब अपने लोक जाती है तो उसे घर की कन्या की तरह ही बिदा किया जाना चाहिए। अगर सामर्थ्य हो तो नौवें दिन लाल चुनर कन्याओं को भेंट में दें। उन्हें दुर्गा चालीसा की छोटी पुस्तकें भेंट करें। गरबा के डांडिए और चणिया-चोली दिए जा सकते हैं। नवरात्रि में इन सारी रीतियों के अनुसार पूजन करने व भेंट देने से देवी प्रसन्न होकर वर्ष भर के लिए सुख, समृद्धि, यश, वैभव, कीर्ति और सौभाग्य का वरदान देती है।

दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप जेमिमा रोड्रिग्स ने चुनी गई 16 सदस्यीय भारतीय टीम को दी शुभकामनाएं

भारत करेगा पहली बार मेजबानी, सात टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने 11 से 25 नवंबर तक होने वाले पहले दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई 16 सदस्यीय भारतीय टीम को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं. यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित किया जाएगा. गौरतलब है कि भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में टीम की घोषणा की थी, जिसके बाद से खिलाड़ियों की तैयारियां जोरों पर हैं. इस टूर्नामेंट में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका की टीमें भाग लेंगी. मैच भारत में नई दिल्ली, बेंगलुरु और श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित किए जाएंगे.

जेमिमा रोड्रिग्स, जो भारत के लिए 112 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, ने इस अवसर को गर्व का क्षण बताया. उन्होंने कहा, ₹यह गर्व की बात है कि पहली बार दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप भारत में आयोजित किया जा रहा है. मैं भारतीय टीम को दिल से शुभकामनाएं देती हूं और उम्मीद करती हूं कि वे ट्रॉफी जीतकर देश का मान बढ़ाएंगी. मैं बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रही हूं जब हमारी टीम ट्रॉफी उठाएगी.₹

इस आयोजन से पहले, सीएबीआई के अध्यक्ष डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नावर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट कर विश्व कप की तैयारियों की जानकारी दी थी. इस दौरान टूर्नामेंट की आयोजन समिति की अध्यक्ष और पूर्व विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी भी उपस्थित थीं.

भारतीय टीम का वर्गीकरण

टीम को बी1, बी2 और बी3 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है :

बी1 श्रेणी (पूर्ण दृष्टिबाधित)
सिमू दास (दिल्ली)
पी. करुणा कुमारी (आंध्र प्रदेश)
अनु कुमारी (बिहार)
जमुना रानी टुडू (ओडिशा)
काव्या वी (कर्नाटक)

बी2 श्रेणी (आंशिक दृष्टिबाधित)
अनेखा देवी (दिल्ली)
बसंती हंसदा (ओडिशा)
सिमरनजीत कौर (राजस्थान)
सुनीता सराठे (मध्य प्रदेश)
पारबती मार्डी (ओडिशा)

बी3 श्रेणी (कम दृष्टि वाले)
दीपिका टी सी (कर्नाटक – कप्तान)
फूला सोरेन (ओडिशा)
गंगा एस कदम (महाराष्ट्र – उप कप्तान)
काव्या एन आर (कर्नाटक)
सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश)
दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)

यह विश्व कप न केवल खेल के मैदान पर महिलाओं के साहस और संकल्प का प्रतीक बनेगा, बल्कि दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए नए अवसरों और पहचान का मार्ग भी प्रशस्त करेगा.

प्रो कबड्डी लीग 2025: यूपी योद्धाज का तमिल थलाइवाज से अहम मुकाबला आज

एजेंसियां । जयपुर

प्रो कबड्डी लीग (सीजन 12) में आज रात सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम, जयपुर में यूपी योद्धाज और तमिल थलाइवाज के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा. यह मैच यूपी के लिए जीत की पटरी पर लौटने का सुनहरा मौका है, वहीं तमिल थलाइवाज भी लगातार प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी. यूपी योद्धाज ने अब तक छह मुकाबलों में से केवल दो में जीत दर्ज की है, जबकि चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. टीम फिलहाल अंक तालिका में दसवें स्थान पर है. हालांकि, टीम ने कई मुकाबलों में कड़ा संघर्ष किया है और अपनी क्षमता का संकेत भी दिया है. रक्षात्मक रूप से मजबूत मानी जा रही यूपी की टीम अब अपने प्रदर्शन को ठोस नतीजों में बदलने की कोशिश करेगी. टीम के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने मैच से पहले कहा, ₹हम कई मैचों में बेहद करीब थे, लेकिन छोटी-छोटी गलतियों ने हमें नुकसान पहुंचाया. अगर रेडिंग और डिफेंस दोनों क्षेत्रों में तालमेल बना, तो हमें जीत जरूर मिलेगी. खिलाड़ी पूरी मेहनत कर रहे हैं और हम सकारात्मक परिणामों की ओर अग्रसर हैं. तमिल थलाइवाज की टीम ने इस सीज़न में मिश्रित प्रदर्शन किया है और निरंतरता पाने की कोशिश में है. ऐसे में दोनों टीमें इस मुकाबले को जीतकर अंकतालिका में स्थिति मजबूत करना चाहेंगी.

रोहित के नेतृत्व में जूनियर हॉकी टीम तैयार, कोच श्रीजेश ने जताया भरोसा

सुल्तान जोहोर कप

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 11 अक्टूबर से मलेशिया में शुरू हो रहे सुल्तान जोहोर कप के लिए पूरी तरह तैयार है. टीम की कमान डिफेंडर रोहित को सौंपी गई है, जो पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन कर भारत को फाइनल तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर उतरेंगे. इस टूर्नामेंट का समापन 18 अक्टूबर को होगा और यह चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप की तैयारी का अहम हिस्सा माना जा रहा है. टीम के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने कहा, ₹टीम ने अच्छी तैयारी की है. हमारे पास संतुलित और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं. सुल्तान जोहोर कप हमें मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का शानदार मौका देगा, जिससे हम विश्व कप से पहले अपनी रणनीति और संयोजन को परख सकते हैं. भारत का मुकाबला इन टीमों से होगा : भारत का पहला मुकाबला 11 अक्टूबर को ब्रिटेन से होगा, इसके बाद 12 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से भिड़ंत होगी.14 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान की हाई-वोल्टेज टक्कर देखने को मिलेगी, जबकि 15 अक्टूबर को भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा. राउंड रॉबिन चरण का आखिरी मुकाबला 17 अक्टूबर को मेज़बान मलेशिया के खिलाफ होगा. शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल में आमने-सामने होंगी.

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : ब्रिकमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह
डिफेंडर : रोहित (कप्तान), तालेम प्रियब्रत, अनमोल इक्का, आमिर अली, सुनील पीबी, रवनीत सिंह
मिडफील्डर : अंकित पाल, टी इंगेलम्बा लुवांग, अद्रोहित इक्का, अराइजीत सिंह हुंडल, रोशन कुजूर, मनमीत सिंह
फॉरवर्ड : अर्शदीप सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, अजीत यादव, गुरजोत सिंह
स्टैंडबाय : विवेक लाकड़ा, शारदानंद तिवारी, टी किंगसन सिंह, रोहित कुल्लू, दिलराज सिंह
टीम का लक्ष्य इस बार टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर जूनियर विश्व कप से पहले आत्मविश्वास बढ़ाना होगा.

एशिया कप 2025: भारत से हार के बाद मुश्किल में पाकिस्तान

फाइनल की रेस में अब भी बाकी है पाकिस्तान की उम्मीद

एजेंसियां । नई दिल्ली

एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारत के हाथों मिली 6 विकेट की हार ने पाकिस्तान की फाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल कर दी है. हालांकि, इस हार के बावजूद पाकिस्तानी टीम की उम्मीदें खत्म नहीं हुई हैं. यदि पाकिस्तान अपने बाकी दोनों सुपर-4 मुकाबले जीत लेता है, तो वह फाइनल की दौड़ में बना रह सकता है.

क्या है सुपर-4 का समीकरण? : एशिया कप 2025 के सुपर-4 राउंड में चार टीमों भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश को 3-3 मुकाबले खेलने हैं. प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलते हैं और अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाली टीमें फाइनल में पहुंचेंगी.

पाकिस्तान को अब अपने अगले दोनों मुकाबले श्रीलंका (23 सितंबर) और बांग्लादेश (25 सितंबर) से खेलने हैं. यदि पाकिस्तान इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है, तो उसके कुल चार अंक हो जाएंगे. ऐसे में वह अंक तालिका में शीर्ष दो में रह सकता है, लेकिन उसे अन्य टीमों के प्रदर्शन और नेट-रनरेट पर भी नजर रखनी होगी.

अंकतालिका की स्थिति : सुपर-4 चरण की मौजूदा स्थिति में भारत दो अंकों के साथ शीर्ष पर है. भारतीय टीम का नेट रन रेट +0.689 है, जबकि बांग्लादेश के पास भी दो अंक हैं और उसका नेट रन रेट +0.121 है. श्रीलंका और पाकिस्तान अभी तक खाता नहीं खोल पाए हैं, लेकिन श्रीलंका नेट रन रेट (-0.121) के आधार पर तीसरे और पाकिस्तान (-0.689) चौथे स्थान पर है.

श्रीलंका से हार, पाकिस्तान को कर सकती है बाहर

पाकिस्तान यदि श्रीलंका से अगला मुकाबला हार जाता है, तो उसके लिए फाइनल की राह लगभग बंद हो जाएगी. ऐसी स्थिति में वह अधिकतम दो अंकों तक ही पहुंच पाएगा, जो कि फाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं होगा. वहीं, श्रीलंका और बांग्लादेश भी अब तक फाइनल की दौड़ में बने हुए हैं. श्रीलंका ने ग्रुप-बी में तीनों मुकाबले जीतकर सुपर-4 में प्रवेश किया था, हालांकि सुपर-4 के पहले मैच में उसे बांग्लादेश के हाथों हार मिली.

भारत के लिए भी जरूरी है जीत

टीम इंडिया के सामने भी फाइनल की राह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है. सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत को 24 सितंबर को बांग्लादेश और 26 सितंबर को श्रीलंका से भिड़ना है. यदि भारत इनमें से एक मुकाबला जीतता है, तो उसके चार अंक हो जाएंगे. हालांकि यदि अन्य टीमें भी इतने ही अंक अर्जित करती हैं, तो मामला नेट रन रेट पर आकर अटक सकता है. भारत यदि दोनों मुकाबले जीत लेता है, तो वह सीधे फाइनल में प्रवेश करेगा.

क्या होगा भारत-पाकिस्तान फाइनल संभव? : क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह सबसे रोमांचक परिदृश्य हो सकता है — भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल. यह तभी संभव होगा जब दोनों टीमें अपने-अपने शेष मुकाबले जीतें और अंक तालिका में शीर्ष दो में रहें. यदि भारत एक मैच हारता है और पाकिस्तान दोनों जीतता है, तो भी फाइनल संभव है, बशर्ते पाकिस्तान का नेट रन रेट बेहतर रहे. इस तरह एशिया कप 2025 का रोमांच अपने चरम पर है और आने वाले कुछ दिन बेहद निर्णायक होंगे.

कलुआ गुर्जर ने पुष्पेंद्र नेवी को दी पटखनी, जीते ढाई लाख

एजेंसियां । गौतम बुद्ध नगर

स्वर्गीय प्रधान श्याम सिंह की स्मृति में आयोजित 35वें विशाल दंगल में भारत केसरी रेलवे के पहलवान कलुआ गुर्जर ने हरियाणा के भारत केसरी पुष्पेंद्र नेवी को कड़े मुकाबले में हराकर ढाई लाख रुपये की इनामी कुश्ती अपने नाम कर ली. यह मुकाबला दंगल का सबसे बड़ा आकर्षण रहा, जिसे देखने हजारों दर्शक पहुंचे. यह विशाल दंगल नोएडा के सेक्टर 74 स्थित तिवोली फॉर्म के पास खुले मैदान में रविवार दोपहर से शुरू होकर देर रात तक चला. मुख्य मुकाबले से पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री डीपी यादव ने दोनों पहलवानों का परिचय कराते हुए हाथ मिलवाए और कहा कि कुश्ती न सिर्फ शारीरिक बल का खेल है, बल्कि मानसिक संतुलन और अनुशासन का प्रतीक भी है. डीपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि जहां एक ओर आज के युवा नशा और अपराध की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती उन्हें एक सकारात्मक दिशा में ले जा रहे हैं. उन्होंने नोएडा जैसे शहरी क्षेत्र में इस प्रकार के आयोजन को सांस्कृतिक जागरूकता का प्रतीक बताया. दंगल के आयोजकों जितेंद्र यादव और विक्रांत यादव ने बताया कि यह आयोजन उनके पिता की स्मृति में हर साल आयोजित किया जाता है. इस बार दंगल में 1100 रुपये से लेकर 1 लाख 51 हजार रुपये तक की कई कुश्तियां हुईं, जिनमें सैकड़ों पहलवानों ने भाग लिया.विजेता पहलवानों को केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, यूपी के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और अन्य गणमान्य अतिथियों ने पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया.

आईसीसी और बीसीसीआई ने जय शाह को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, क्रिकेट में योगदान को भी सराहा

एजेंसियां । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर सहित कई प्रमुख हस्तियों ने आईसीसी चेयरमैन जय शाह को उनके 37वें जन्मदिन पर बधाई दी है. आईसीसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सपर अपने पोस्ट में लिखा, हमारे अध्यक्ष जय शाह को 37वें जन्मदिन की हार्दिक बधाई. अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने महिला और पुरुष क्रिकेट में रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा, शोभा, यूनिलीवर और गूगल जैसे नए प्रायोजक जोड़ने और तीन सफल वैश्विक टूर्नामेंटों का नेतृत्व करने में अहम भूमिका निभाई है. बीसीसीआई ने भी एक्स पोस्ट के माध्यम से उन्हें बधाई दी और उनके योगदान की सराहना की. बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने अपने संदेश में लिखा, आईसीसी अध्यक्ष जय शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. उनके सुखी, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करता हूं. भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने भी भावुक संदेश में लिखा, जय शाह, जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं. खेल को आगे बढ़ाने के लिए आपकी लगन और अथक प्रयास आने वाली पीढ़ियों पर अमिट छाप छोड़ेगी.

जय शाह का जन्म 22 सितंबर 1988 को हुआ था. वे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पुत्र हैं. उन्होंने 2009 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन से अपने प्रशासनिक करियर की शुरुआत की थी.2019 में उन्हें बीसीसीआई सचिव बनाया गया और इसके बाद वे एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष भी रहे. वर्तमान में वे आईसीसी के चेयरमैन के रूप में वैश्विक क्रिकेट संचालन में अहम भूमिका निभा रहे हैं.

एशिया कप 2025: भारत से हार के बाद शाहिद अफरीदी ने की टीम इंडिया की तारीफ, बोले- 200 रन भी बना लेते

एजेंसियां । नई दिल्ली

एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारत के हाथों मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम इंडिया की जमकर तारीफ की. अफरीदी ने कहा कि भारतीय टीम वर्ल्ड क्लास है और अगर लक्ष्य 200 रन भी होता, तब भी यह टीम हासिल कर लेती.

पाकिस्तान के समा टीवी पर बात करते हुए अफरीदी ने कहा, इंडिया डिजर्व करता है जीत. उनका एटीट्यूड, माइंडसेट, बल्लेबाजी और गेंदबाजी सब परफेक्ट है. आज की फील्डिंग छोड़ दें तो हर पहलू में वो एक बैलेंस टीम है जो बड़े मैचों में कमाल करती है.

पाकिस्तानी टीम की रणनीति पर सवाल : शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तान की रणनीति और बल्लेबाजी पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा किएक वक्त लगा कि पाकिस्तान 190 तक पहुंच सकता है, लेकिन 15वें ओवर के बाद 18 गेंदों में केवल 12 रन बने, जो चिंता का विषय है.उन्होंने तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के ओवर प्रबंधन पर भी सवाल उठाए और कहा कि बदलाव संभव था.

यूसुफ ने भी मानी रणनीतिक चूक : वहीं पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने भी हार का जिम्मा टीम की कमजोर मिडल ऑर्डर बल्लेबाजी को बताया. उन्होंने चौथे नंबर पर आए हुसैन तलत को जिम्मेदार ठहराया, जो केवल 10 रन बनाकर कुलदीप यादव की गेंद पर आउट हो गए.

यूसुफ ने भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की भी तारीफ की और कहा कि 172 रनों का लक्ष्य कम नहीं होता, लेकिन अभिषेक ने दबाव में भी शानदार बल्लेबाजी की और साबित किया कि भारत में हर खिलाड़ी तैयार होकर आता है. भारत की इस जीत ने उसे फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है.

श्याम लाल कॉलेज ने बिट्स पिलानी हॉकी टूर्नामेंट का खिताब जीता, श्रीराम कॉलेज को 5-0 से दी मात

एजेंसियां । नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिट्स पिलानी हॉकी टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है. फाइनल मुकाबले में श्याम लाल कॉलेज ने श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) को 5-0 से करारी शिकस्त दी. खिताब जीतने पर श्याम लाल कॉलेज की टीम को 25 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया, जबकि उपविजेता SRCC को 10 हजार रुपये का पुरस्कार मिला.

राजस्थान स्थित बिट्स पिलानी के मैदान पर खेले गए इस निर्णायक मुकाबले में श्याम लाल कॉलेज की ओर से नंदकिशोर ने 2 गोल दागे, जबकि प्रत्यूष सिंह जग्गी, अभिषेक और हर्ष शर्मा ने एक-एक गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की.

हंसराज कॉलेज ने जीता तीसरा स्थान : इस टूर्नामेंट के हार्ड लाइन मैच में हंसराज कॉलेज और मेजबान बिट्स पिलानी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली. निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहा. हंसराज कॉलेज की ओर से रविराज और बिट्स पिलानी की ओर से अंकित ने एक-एक गोल किया. मुकाबले का फैसला पेनल्टी ट्राइब्रेकर में हुआ, जहां हंसराज कॉलेज ने 6-5 से जीत दर्ज कर तीसरा स्थान हासिल किया. टूर्नामेंट में कॉलेजों के बीच हुए इन रोमांचक मुकाबलों ने युवाओं में हॉकी के प्रति उत्साह को और भी बढ़ाया है.

ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने गयाना को तीन विकेट से हराकर पांचवीं बार जीता खिताब

एजेंसियां । नई दिल्ली

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के फाइनल मुकाबले में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने गयाना अमेजन वॉरियर्स को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराकर पांचवीं बार खिताब अपने नाम किया. गयाना में खेले गए इस निर्णायक मैच में ट्रिनबागो ने एक बार फिर अपनी मजबूत टीम संतुलन और अनुभव का प्रदर्शन किया.

गयाना की धीमी शुरुआत, 130 रन पर सिमटी पारी : टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी और निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर मात्र 130 रन ही बना सकी. इफ्तिखार अहमद ने 27 गेंदों पर 30 रन बनाकर टीम को कुछ हद तक संभाला, वहीं बेन मैकडरमोट ने 28 और ड्वेन प्रीटोरियस ने 25 रनों का योगदान दिया. ट्रिनबागो की ओर से सौरभ नेत्रवलकर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए. वहीं, अकील हुसैन ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2 अहम विकेट झटके और गयाना की रन गति को रोकने में अहम भूमिका निभाई.

ट्रिनबागो की संतुलित बल्लेबाजी 18वें ओवर में जीता मुकाबला : 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की शुरुआत संभली हुई रही. सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने 34 गेंदों पर 26 रन बनाए. इसके अलावा कॉलिन मुनरो (23), सुनील नारायण (22), कीरोन पोलार्ड (21) और अंत में अकील हुसैन ने 7 गेंदों में नाबाद 16 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई. ट्रिनबागो ने यह लक्ष्य 18 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया.

अकील हुसैन बने 'प्लेयर ऑफ द मैच' : ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए अकील हुसैन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया. उन्होंने न सिर्फ गेंद से कमाल किया, बल्कि अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए जीत सुनिश्चित की.

एशिया कप 2025: अभिषेक शर्मा ने पाक के खिलाफ ठोका धमाकेदार अर्धशतक, युवराज का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसियां । नई दिल्ली

एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण के पहले मुकाबले में भारत के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए हर भारतीय का दिल जीत लिया. उन्होंने मात्र 39 गेंदों में 74 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इस प्रदर्शन के दम पर उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया.

युवराज सिंह का टूटा रिकॉर्ड : अभिषेक शर्मा ने अपनी इस विस्फोटक पारी में केवल 24 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया, जिससे वह पाकिस्तान के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने भारत के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था.

भारत-पाकिस्तान मैच में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले टॉप-5 खिलाड़ी: 1. मोहम्मद हफीज (पाकिस्तान) – 23 गेंदों में फिफ्टी (अहमदाबाद, 2012)
2. अभिषेक शर्मा (भारत) – 24 गेंदों में फिफ्टी (एशिया कप 2025)
3. युवराज सिंह (भारत) – 29 गेंदों में फिफ्टी (अहमदाबाद, 2012)
4. इफ्तिखार अहमद (पाकिस्तान) – 32 गेंदों में फिफ्टी (मेलबर्न, 2022)
5. मिस्बाह उल हक (पाकिस्तान) – 33 गेंदों में फिफ्टी (डरबन, 2007)

भारत-पाकिस्तान मुकाबले हमेशा से ही हाई-वोल्टेज और रोमांच से भरे होते हैं, लेकिन इस बार अभिषेक शर्मा ने अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा और खुद को बड़े मैचों का खिलाड़ी साबित कर दिया है. उनकी इस पारी से भारत को मजबूत शुरुआत मिली और टीम को सुपर-4 में बढ़त दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई.

न्यूज अपडेट

दंपती के बीच विवाद, युवक ने पंखे से लटक कर दे दी जान

पूर्वी चंपारण। घर में युवक ने पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी. घटना मृत युवक की पहचाना हाटसरैया निवासी लक्ष्मण साह के पुत्र रामबाबू कुमार के रूप में की गई है. जानकारी के अनुसार गांव में एक हीं घर के दो अलग-अलग कमरों में दो भाइयों का परिवार रहता है. बड़े भाई राजकुमार उसे बुलाने गया तो खिड़की से देखा कि रामबाबू पंखे से लटका हुआ है. उसके हल्ला करने पर गांव के लोग जुटे और पुलिस को सूचना दी. मृतक के पिता ने बताया कि रामबाबू की शादी सात वर्ष पूर्व नेपाल में हुई थी. रामबाबू भीजा बेचकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था. तीन माह पूर्व दंपती के बीच विवाद हुआ था. उसके बाद रामबाबू की पत्नी मीरा देवी दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई. पत्नी के मायके जाने के बाद वह तनाव में रह रहा था. एक सप्ताह पूर्व पत्नी को बुलाने के लिए नेपाल गया था. वहां पंचायती भी हुई थी. लेकिन उसकी पत्नी बच्चों को लेकर ससुराल आने को तैयार नहीं थी.

वाल्मीकिनगर लोस क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

बगहा। वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र के बगहा स्थित विमल बाबू स्टेडियम में रविवार को सांसद खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ. केंद्रीय खनन राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद सतीश चंद्र दूबे ने वॉलीबॉल को किक मारकर कार्यक्रम की शुरुआत की. इस अवसर पर बगहा के विधायक राम सिंह, नगर पालिका परिषद की डीपी चेयरमैन रश्मि रंजन समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे. महोत्सव में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी देखने को मिली. अपने उद्घाटन भाषण में मंत्री दूबे ने कहा कि यह खेल महोत्सव युवाओं को खेल के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुँचाने का जरिया बनेगा. उन्होंने कहा कि गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं देश का नाम रोशन करती हैं, और यही आयोजन उनका हौसला बढ़ाने के लिए है. मंत्री ने यह भी दावा किया कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में राज्य में एक बार फिर एनडीए सरकार बनेगी. उन्होंने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और भाईचारे को अपनाने का आह्वान किया.

खनन विभाग व पुलिस ने 13 हजार सीएफटी अवैध बालू जब्त किया

पटना। मनेर स्थित रामपुर घाट पर खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 13 हजार सीएफटी अवैध बालू जब्त किया. जब्त बालू की बाजार में कीमत 10 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है. खनन विभाग को लगातार सूचना मिल रही थी कि सोन नदी से नाव के माध्यम से बालू लाकर अवैध रूप से घाट पर जमा किया जा रहा है. इसी सूचना के आधार पर छापेमारी की गई. खनन निरीक्षक गोविंद कुमार और राजीव कुमार ने बताया कि रामपुर गंगा घाट के पास कई स्थानों पर बालू का अवैध भंडारण किया गया था. फिलहाल विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि जब्त बालू का मालिक कौन है. इस संबंध में मनेर थाने में मामला दर्ज किया जाएगा. मनेर से भोजपुर के कोइलवर तक सोन नदी से लगातार अवैध खनन जारी है. पहले घाट पर पुलिस बल तैनात था, लेकिन अब तैनाती नहीं होने से अवैध खनन में तेजी आ गई है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 33 जिलों में शहरी विकास की 1300 योजनाओं का किया शिलान्यास

स्वच्छता कर्मियों को किया सम्मानित

शुभम संदेश। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मौर्यलोक परिसर, पटना में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के अंतर्गत बिहार के 33 जिलों में कुल 769.63 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 1300 शहरी विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं शिलापट्ट अनावरण किया.

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पटना नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न पथों के पुनर्स्थापन और पुनर्निर्माण के कार्यों के लिए 124.44 करोड़ रुपये तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत 6 यांत्रिकीकृत कचरा स्थानांतरण स्टेशन के निर्माण के लिए 69.97 करोड़ रुपये की योजनाओं का भी शिलान्यास किया. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पटना स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 15 करोड़ रुपये की लागत से मौर्यलोक परिसर में

विकसित की गई नई सुविधाओं का फीता काटकर उद्घाटन किया. इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्मित स्मौर्य मंडपमस्र का निरीक्षण भी किया. मुख्यमंत्री ने 22 नवनियुक्त नगर प्रबंधकों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए, जिनमें से कुछ जैसे नीतू कुमारी, वर्षा कुमारी, निशां परवीन, रितेश कुमार और आशीष रंजन को प्रतीकात्मक रूप से मंच पर नियुक्ति पत्र सौंपा गया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन किया गया. साथ ही मुख्यमंत्री ने स्वच्छता सेवा अभियान के तहत स्वच्छता एक्सप्रेस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. कार्यक्रम में स्वच्छताकर्मी सुलेखा देवी, मालती देवी, श्रवण कुमार, अजय पासवान एवं सविता देवी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, यह बड़ी खुशी की बात है कि आज नगर विकास एवं आवास विभाग की कई योजनाओं का शिलान्यास किया गया है. मैं सभी अधिकारियों और जिम्मेदार संस्थाओं से अपेक्षा करता हूं कि इन कार्यों को तेज़ी और गुणवत्ता के साथ पूरा करें ताकि जनता को जल्द लाभ मिल सके. कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधायक संजीव चौरसिया समेत कई अधिकारी मौजूद थे.

बिहार सरकार ने बस यात्रा पर दी सब्सिडी

पटना। बिहार सरकार ने त्योहारों के मौसम में राज्य से बाहर काम करने वाले मज़दूरों और घर लौटने वाले यात्रियों को राहत देने के लिए 24.06 करोड़ रुपये की योजना को मंज़ूरी दी है. यह राशि दशहरा, दीपावली, छठ और होली जैसे बड़े पर्वों पर अंतरराज्यीय बस सेवा में छूट के लिए खर्च होगी. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि यह सुविधा डीलक्स नॉन एसी, डीलक्स एसी और डीलक्स स्लीपर एसी बसों पर लागू होगी, जो पीपीपी मॉडल के तहत संचालित हैं. वर्तमान बजट में केवल 10 करोड़ का प्रावधान था, शेष राशि आकस्मिकता निधि से दी जाएगी. यह कदम सरकार की आम जनता की जेब पर भार कम करने और त्योहारों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

राजद में बढ़ता मतभेदः तेज प्रताप यादव का बड़ा ऐलान

गीता व श्रीकृष्ण की कसम खाकर कहता हूं अब कभी राजद में वापसी नहीं करूंगा

संवाददाता। पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है. लेकिन दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद यादव के परिवार में मतभेद गहराते जा रहे हैं. पहले तेज प्रताप यादव और अब रोहिणी आचार्य के बगावती सुर ने लालू परिवार की राजनीतिक एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं. इन सबके बीच तेज प्रताप यादव ने एक बड़ा बयान देकर राजनीतिक पारा और चढ़ा दिया है. तेज प्रताप यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अब वे दोबारा कभी भी राजद में वापसी नहीं करेंगे. उन्होंने कहा, मैं गीता और भगवान श्रीकृष्ण की कसम खाकर कहता हूं कि चाहे कोई कितना भी बुलाए, मैं पार्टी में दोबारा नहीं जाऊंगा. तेज प्रताप ने यह भी कहा कि वे राजनीति और पारिवारिक संबंधों को अलग रखते हैं. उन्होंने कहा, स्माता-पिता हमारे भगवान हैं, उनका आशीर्वाद हमेशा रहेगा, लेकिन पार्टी और राजनीति की राह अब अलग है. तेज प्रताप यादव ने दोहराया कि वे आगामी विधानसभा चुनाव जनशक्ति जनता दल के बैनर तले ही लड़ेंगे.

उन्होंने कहा कि उनका मिशन शिक्षा, स्वास्थ्य और बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाना है. तेज प्रताप ने यह भी साफ किया कि वे महुआ सीट से ही चुनाव लड़ेंगे. गौरतलब है कि वर्तमान में महुआ सीट से राजद के मुकेश रोशन

विधायक हैं, जबकि तेज प्रताप यादव अभी हसनपुर से विधायक हैं. तेज प्रताप के इस फैसले से यह साफ हो गया है कि वे अपनी नई राजनीतिक पहचान बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं. वे लगातार महुआ से चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं और अब उसके लिए रणनीति भी बनाने में जुटे हैं.

राजद से निष्कासन के बाद तेज प्रताप यादव ने पार्टी और परिवार, दोनों से दूरी बना ली थी. लालू प्रसाद यादव ने स्वयं उन्हें पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित किया था. इस निर्णय के पीछे तेज प्रताप की कथित गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरों और रिश्ते की चर्चाओं को मुख्य कारण बताया गया. निष्कासन के बाद तेज प्रताप ने खुद को पूरी तरह अलग कर लिया और अब 6 महीने बीतने के बाद उन्होंने यह सार्वजनिक रूप से घोषणा कर दी है कि न तो वे पार्टी में लौटेंगे और न ही पुराने रिश्तों की ओर मुड़कर देखेंगे. तेज प्रताप यादव का यह बयान उनके राजनीतिक जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है. जहां एक ओर राजद से उनका रिश्ता पूरी तरह खत्म हो गया है, वहीं दूसरी ओर वे अपनी नई पार्टी और विचारधारा के साथ जनता के बीच पहुंचने की तैयारी में हैं. अब यह देखना दिलचस्प होगा कि बिहार की जनता तेज प्रताप के इस नए राजनीतिक अवतार को कितना समर्थन देती है और क्या वे महुआ सीट पर जीत दर्ज कर अपनी नई राजनीतिक यात्रा को सफल बना पाते हैं या नहीं.

नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का किया शुभारंभ

संवाददाता। पटना

बिहार की राजनीति में 22 सितंबर का दिन ऐतिहासिक बन गया जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया. इस योजना के तहत राज्य की लगभग 50 लाख महिलाओं को उनके बैंक खातों में 10-10 हज़ार रुपये की पहली किस्त डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के ज़रिए भेजी जाएगी. 5 हज़ार करोड़ रुपये की यह पहल महिलाओं को आर्थिक मज़बूती देने की दिशा में एक बड़ी पहल मानी जा रही है. इस योजना की लॉन्चिंग राजधानी पटना से हुई, जहां मुख्यमंत्री स्वयं राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होकर राशि ट्रांसफर करेंगे. इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पंचायत स्तर तक किया गया. सरकार ने इसे महज़ सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि उत्सव का रूप दिया है. 38 जिलों, 534 प्रखंडों और 70 हज़ार ग्राम संगठनों में समारोह आयोजित किए गए हैं, जिनमें हज़ारों महिलाएं और जनप्रतिनिधि शामिल हुए. इस योजना की नींव स्वयं सहायता समूह हैं, जिनके माध्यम से महिलाओं को संगठित कर स्वरोज़गार के लिए प्रेरित किया जा रहा है. सिलाई, बुनाई, पशुपालन, खेती और छोटे व्यापार जैसे क्षेत्रों में यह सहायता महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर देगी. इसका उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 1 करोड़ 5 लाख महिलाओं ने आवेदन किया है, जबकि 1.4 लाख से अधिक महिलाओं ने एसएचजी से जुड़ने की इच्छा जताई है. योजना का लाभ वही महिलाएं उठा सकेंगी जिनकी उम्र 18 से 60 वर्ष के बीच है.

अवैध विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किए गए

कटिहार। बलरामपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को 60 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है. पुलिस ने बजरगांव चेकपोस्ट के पास से दो मोटरसाइकिल पर लदी शराब की खेप पकड़ी. बलरामपुर पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर नंदलाल पासवान (42वर्ष) समस्तीपुर जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के नाथूद्वार के निवासी हैं. तथा मोहम्मद सद्दाम (30वर्ष) समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रहमतपुर के निवासी हैं. पुलिस ने उनके पास से 60 लीटर विदेशी शराब जब्त की.

शारदीय नवरात्र को लेकर गंगा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

भागलपुर। सोमवार से शारदीय नवरात्र की शुभारंभ हो गया है. इस पावन अवसर पर लोगों ने घरों और मंदिरों में कलश स्थापना एवं दुर्गा पाठ की शुरुआत की. माता दुर्गा की आराधना को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला. सुबह तड़के से ही भागलपुर और आसपास के सभी गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. भक्तों ने गंगा में स्नान कर पवित्र डुबकी लगाई और फिर विधिवत पूजा-अर्चना कर नवरात्र व्रत का संकल्प लिया. श्रद्धालुओं का कहना है कि हर साल वे इसी परंपरा के अनुसार गंगा स्नान कर नवरात्र की शुरुआत करते हैं, जिससे उन्हें आत्मिक शांति और संतुष्टि मिलती है. गंगा घाटों पर महिलाओं, पुरुषों और युवाओं की बड़ी संख्या सुबह से ही जुटी रही. हर ओर स्जय माता दीस्र के जयकारे गूंजते रहे और वातावरण भक्तिमय बना रहा. शास्त्रों के अनुसार शारदीय नवरात्र के पहले दिन माता शैलपुत्री की पूजा की जाती है. आज भक्तों ने विधि-विधान से माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर नवरात्रि का प्रारंभ किया.

कारोबार

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जल्द शुरू होंगी उड़ानें

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब अपने पहले चरण के अंतिम चरण में पहुंच चुका है. उम्मीद की जा रही है कि 2025 के अंत तक यहां से व्यावसायिक उड़ानें शुरू हो जाएंगी. एयरपोर्ट का पहला फेज लगभग तैयार है, जिसमें एक रनवे और अत्याधुनिक यात्री टर्मिनल शामिल है, जिसकी सालाना क्षमता करीब 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन के मुताबिक, कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस, विशेष रूप से पश्चिम एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया की कंपनियां, इस एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू करने में दिलचस्पी दिखा रही हैं. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूट्स को लेकर एयरस्पेस व स्लॉट आवंटन पर चर्चा अंतिम चरण में है.

उत्तर प्रदेश 37,000 करोड़ के राजस्व अधिशेष के साथ नंबर वन

नयी दिल्ली। कभी 'बीमारू' की श्रेणी में गिने जाने वाले उत्तर प्रदेश ने आर्थिक मोर्चे पर बड़ी छलांग लगाई है. भारत के महालेखाकार की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश 37,000 करोड़ के राजस्व अधिशेष के साथ देश में शीर्ष पर रहा. इसका अर्थ है कि राज्य की आमदनी उसके खर्च से अधिक रही है. उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में राजस्व संग्रह प्रणाली और वित्तीय प्रबंधन में व्यापक सुधार किए हैं, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है. इस सूची में गुजरात 19,865 करोड़ और ओडिशा 19,456 करोड़ के अधिशेष के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं. कुल 16 राज्यों ने राजस्व अधिशेष प्राप्त किया है, जिसमें झारखंड, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, गोवा और पूर्वोत्तर के कई राज्य शामिल हैं. वहीं, 12 राज्य अब भी राजस्व घाटे से जूझ रहे हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश (-43,488 करोड़), तमिलनाडु, राजस्थान जैसे राज्य शामिल हैं.

जीएसटी की नई दरें लागू हुईं: रोजमर्रा की चीजें सस्ती होने से आम जनता को मिली बड़ी राहत

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश में वस्तु एवं सेवा कर की नई दरें आज से प्रभावी हो गई हैं. नवरात्रि के पहले दिन से लागू इन नई दरों के तहत सरकार ने पुराने चार टैक्स स्लैब (5%, 12%, 18%, 28%) को घटाकर अब मुख्य रूप से दो स्लैब – 5% और 18% – में समाहित कर दिया है. इसके अलावा, लग्जरी और विलासिता की वस्तुओं पर 40% का विशेष टैक्स लगाया जाएगा. सरकार के इस बड़े टैक्स सुधार से देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलने की उम्मीद है. खासकर रसोई से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, दवाइयां, रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, वाहनों और घरेलू उपकरणों पर टैक्स घटाए जाने से चीजें सस्ती हो गई हैं. इससे आम जनता की जेब पर भार कम होगा. बड़ी एफएमसीजी कंपनियों ने जीएसटी दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को देने का फैसला किया है. साबुन, पाउडर, बिस्कुट, घी, तेल, डायपर, टूथपेस्ट, शैंपू, टैल्कम पाउडर जैसी वस्तुओं के दाम अब पहले से कम होंगे.

पनीर, मक्खन, नमकीन, जैम, केचअप, सूखे मेवे, आइसक्रीम और कॉफी पर अब सिर्फ 5% जीएसटी लगेगा. पहले ये वस्तुएं

12% या 18% स्लैब में थीं. ग्लूकोमीटर, डायग्नोस्टिक किट्स और कई जरूरी दवाएं अब सिर्फ 5% जीएसटी स्लैब में आ गई हैं, जिससे हेल्थकेयर से जुड़ी लागत में भी कमी आएगी. निर्माण क्षेत्र को भी बड़ी राहत दी गई है. सीमेंट पर जीएसटी की दर 28% से घटाकर 18% कर दी गई है. टीवी, एसी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर टैक्स अब 18% होगा, जो पहले 28% था. छोटी कारों पर अब 18% और बड़ी गाड़ियों पर 28% जीएसटी लगेगा. पहले एसयूवी और एमपीवी पर 28% टैक्स के साथ 22% सेस भी लगता था, जिससे कुल टैक्स करीब 50% तक हो जाता था. अब टैक्स घटाकर कुल 40% कर दिया गया है, जिससे गाड़ियां खरीदना अपेक्षाकृत सस्ता होगा. सैलून, फिटनेस क्लब, गा सेंटर और हेल्थ स्पा जैसी सेवाओं पर अब केवल 5% जीएसटी लगेगा, जो पहले 18% था. इससे युवाओं और शहरी ग्राहकों को सीधी राहत मिलेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि ये सुधार भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देंगे और कारोबारी सुगमता को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के प्रचार और जीएसटी सुधारों से उपभोक्ता विश्वास बढ़ा है. पिछले एक वर्ष में जीएसटी और आयकर में दी गई छूटों से देशवासियों को लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है. इससे बाजार में मांग बढ़ी है और निवेशकों का रुझान भी मजबूत हुआ है. नई जीएसटी दरों के लागू होने से हर आयु वर्ग और हर तबके को राहत मिली है. यह फैसला न केवल उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला भी साबित हो सकता है. सरकार का यह कदम महंगाई पर लगाम लगाने में भी सहायक होगा.

आईफोन 17 बना बैंकों के लिए 'सोने की खान' 450 करोड़ रुपए सिर्फ ब्याज से होगी कमाई

नई दिल्ली। एप्पल का नया आईफोन 17 भारत में लॉन्च हो चुका है और इसे लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है. हाई-एंड फीचर्स से लैस यह फोन न सिर्फ टेक्नोलॉजी प्रेमियों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि बैंकिंग सेक्टर के लिए भी एक सुनहरा अवसर बन गया है. दरअसल, बड़ी संख्या में ग्राहक इस महंगे स्मार्टफोन को ईएमआई पर खरीदने की योजना बना रहे हैं, जिससे बैंकों को मोटी कमाई का मौका मिल रहा है. चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस बारे में एक विस्तृत कैलकुलेशन साझा किया है. उन्होंने बताया कि भारत में आईफोन 17 एप्पल के लिए भले ही मुनाफे का सौदा हो, लेकिन असली फायदा तो बैंकों को हो रहा है. उनका कहना है कि स्भारत में आईफोन 17 एप्पल के लिए सोने की खान नहीं है, बल्कि बैंक हैं.स उन्होंने इसे एक स्कड़वा सचस्र भी बताया. कौशिक के अनुसार, आईफोन 17 (256जीबी) की कीमत 82,900 रुपये है. भारत में अनुमानतः 10 लाख लोग यह फोन खरीद सकते हैं, जिनमें से लगभग 70% यानी 7 लाख लोग इसे ईएमआई पर खरीदेंगे. यदि कोई ग्राहक 12 महीने की किस्तों में 14% सालाना ब्याज पर यह फोन खरीदता है, तो उसे हर महीने करीब 7,443 रुपये चुकाने होंगे. यानी कुल 6,420 रुपये अतिरिक्त केवल ब्याज के रूप में देने होंगे. इस हिसाब से 7 लाख ग्राहक मिलकर बैंकों को लगभग 450 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज के रूप में देंगे.

अमेरिका को भारतीय निर्यात में आई गिरावट दवाओं और स्मार्टफोन जैसे सेक्टरों को झटका

नयी दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50% तक टैरिफ लगाने के बाद भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में स्पष्ट गिरावट देखी जा रही है. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. सितंबर 2025 पहला ऐसा पूरा महीना रहा, जब श्रेणी सी के अधिकांश उत्पादों पर 50% टैरिफ पूरी तरह लागू रहा, जिससे निर्यात पर नकारात्मक असर पड़ा. रिपोर्ट के मुताबिक, श्रेणी सी के उत्पादों पर टैरिफ का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा है. ये उत्पाद भारत के अमेरिका को कुल निर्यात का 62.7% हिस्सा बनाते हैं. मई 2025 में श्रेणी सी का निर्यात जहां 4.82 अरब डॉलर था, वहीं अगस्त 2025 में यह घटकर 4.30 अरब डॉलर रह गया यानी 10.8% की गिरावट. खास बात यह है कि गिरावट केवल टैरिफ लगे उत्पादों तक सीमित नहीं रही. दवाइयों और स्मार्टफोन जैसे टैरिफ-मुक्त उत्पादों के निर्यात में भी अप्रत्याशित कमी देखी गई है, जो विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय है.

शेयर बाजार

अडानी ग्रुप के शेयरों में दूसरी दिन भी जबरदस्त तेजी, सेबी की क्लीन चिट

ब्रोकरेज अपग्रेड बने ट्रिगर, निवेशक उत्साहित

एजेंसी। नयी दिल्ली

शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार दूसरे दिन जबरदस्त तेजी देखने को मिली है. मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा हिंडनबर्ग मामले में गौतम अडानी को क्लीन चिट दिए जाने के बाद निवेशकों का भरोसा फिर से लौटा है, जिससे ग्रुप की कंपनियों के मार्केट कैप में जोरदार उछाल आया है. दो दिनों में अडानी ग्रुप की कुल बाजार पूंजी में 1.7 लाख करोड़ की बढ़ोतरी हुई है और यह अब 15 लाख करोड़ के पार पहुंच गया है. इस तेजी में सबसे बड़ा योगदान अडानी पावर का रहा, जिसके शेयरों में दो दिनों में 35% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई. कंपनी ने हाल ही में 1:5 के अनुपात

में स्टॉक स्प्लिट किया है, जिससे खुदरा निवेशकों के लिए शेयर खरीदना और आसान हो गया है. इसके साथ ही, मॉर्गन स्टेनली ने अडानी पावर को 'ओवरवेट' रेटिंग देते हुए इसका टारगेट प्राइस 818 तय किया है. ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि एफवाई32 तक अडानी पावर का पोर्टफोलियो 2.5 गुना बढ़कर 41.9 गीगावाट हो सकता है और इसकी कोयला-आधारित बिजली उत्पादन में बाजार हिस्सेदारी 8% से बढ़कर 15% हो सकती है. इसी भरोसे के चलते आज अडानी पावर के शेयर में 20% का अपर सर्किट लगा.

अडानी टोटल गैस के शेयरों में भी जोरदार उछाल देखा गया. आज इसमें 19% की तेजी रही और दो दिनों में शेयर करीब 27% चढ़ गया. वहीं, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में भी लगभग 12% तक की तेजी आई. जेफरीज ने अडानी ग्रीन का टारगेट प्राइस 1,300 तय किया है. क्रिस वुड, जो कि इमर्जिंग मार्केट्स में निवेश के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं, उन्होंने अपने इंडिया लॉन्ग-ओनली पोर्टफोलियो में अडानी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट को शामिल किया है. इसके लिए उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में कटौती की. उनके पास पहले से ही अडानी पोर्ट्स के शेयर हैं. एसबीआई सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट सनी अग्रवाल का कहना है कि अब अडानी ग्रुप को लेकर नेगेटिव खबरें खत्म हो गई हैं और निवेशकों का ध्यान अब कंपनियों की बुनियादी मजबूती पर होगा. उन्होंने अडानी पोर्ट्स, अंबुजा और एसीसी को मजबूत कैश फ्लो वाली कंपनियां बताते हुए अपनी पसंदीदा निवेश पसंदों में रखा है. कुल मिलाकर, सेबी की रिपोर्ट और ब्रोकरेज हाउसों की सकारात्मक रेटिंग ने अडानी ग्रुप के शेयरों में नई जान फूंक दी है. आने वाले समय में निवेशक इन शेयरों पर खास नजर बनाए रख सकते हैं.

एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला कारोबार

नयी दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं. अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे. हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है. यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा. वहीं एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है. अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लिवाली का जोर बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे. एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,664.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह नैस्डेक ने 160.75 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,631.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया.

स्टॉक मार्केट में टेक डिफेंस लैब्स की धांसू एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। साइबर सिक्योरिटी फर्म टेक डिफेंस लैब्स सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 193 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 366.70 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये उछल कर 385 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया. टेक डिफेंस लैब्स सॉल्यूशंस का 38.99 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 284.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,279.03 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 726.06 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 20,20,200 नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने ह्यूमन रिसोर्स में निवेश करने, अहमदाबाद में ग्लोबल सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर का सेटअप करने वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी. कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 94 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.24 करोड़ रुपये होगया.

मिर्जापुर के प्रसिद्ध विंध्याचल मंदिर के बाहर दर्शन के लिए भक्तों की उमड़ी भीड़.

न्यूज अपडेट

कर्नाटक में जाति जनगणना शुरू

बेंगलुरु। राज्य में सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण (जाति जनगणना) सोमवार से शुरू हो गई. कई समुदायों के असंतोष, आपत्तियों और चिंताओं के बीच राज्य का पिछड़ा वर्ग आयोग 7 करोड़ लोगों के घर-घर जाकर सारी जानकारी इकट्ठा करेगा. जाति जनगणना के लिए 1.75 लाख शिक्षकों को तैनात किया गया है और उन्हें अग्रिम तैयारियों के साथ प्रशिक्षित किया गया है. गणनाकार 60 प्रश्नों के माध्यम से सारी जानकारी दर्ज करेंगे. ईसाई उपजातियों के नाम दर्ज करने के मामले में आयोग ने विभिन्न राजनीतिक और प्रशासनिक जटिलताओं के कारण 33 ईसाई उपजातियों को सूची से हटा दिया है. हालांकि, लोग चाहें तो अपना धर्म और जाति विवरण स्वयं दर्ज कर सकते हैं.

कठुआ में जवानों ने की आतंकवादियों के खिलाफ तलाशी अभियान शुरू

कठुआ। कठुआ ज़िले के मल्हार इलाके के गाल गांव में दो संदिग्ध हथियारबंद आतंकवादी देखे जाने के बाद सोमवार को सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया है. अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चला रहे हैं. इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और संदिग्ध आतंकवादियों की तलाश के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. द्रगाल के आसपास के कई इलाकों में रुक-रुक कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से घरों के अंदर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सुरक्षा बलों को देने का आग्रह किया है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो हथियारबंद आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया है.

चीन : कोविड व्हिसलब्लोअर झांग को चार साल और जेल

बीजिंग। चीन में कोविड की व्हिसलब्लोअर को चार साल और कारावास की सजा सुनाई गई. पत्रकार को कोविड-19 विस्फोट के पहले दौर की रिपोर्टिंग के लिए चार वर्ष जेल की सजा पहले ही सुनाई जा चुकी है. अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता समूह आरएसएफ ने शनिवार को बताया कि झांग झान (42) को चीन में झगड़ा करने और उपद्रव भड़काने के आरोप में शुक्रवार को सजा सुनाई गई है. इन्हीं आरोपों में उन्हें दिसंबर 2020 में जेल की सजा हुई थी. तब उन्होंने कोरोना वायरस के शुरुआती प्रसार पर वुहान शहर से रिपोर्ट पोस्ट की थी. आरएसएफ एशिया-प्रशांत एडवोकेसी मैनेजर अलेक्जेंड्रा बिलाकोव्स्का ने एक बयान में कहा, उन्हें वैश्विक स्तर पर एक सूचना नायक के रूप में सम्मानित किया जाना चाहिए न कि जेल भेजा जाना चाहिए.

पाकिस्तान: पंजाब में छत गिरी छह छात्रों समेत आठ की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित एक शैक्षणिक अकादमी की छत गिरने गिरने से छह छात्रों समेत आठ लोग जिंदा दफन हो गए. हादसा हाफिजाबाद शहर में शनिवार शाम हुआ.पंजाब के आपातकाल विभाग की तरफ से जारी बयान के अनुसार, जब हादसा हुआ तब कक्षा में दो शिक्षक व नौ छात्र मौजूद थे. बचाव टीम ने चार छात्रों को मलबे से जिंदा निकाला, जिनमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई. बाद में सात अन्य के शव मलबे से निकाले गए, जिनमें पांच छात्र व दो शिक्षक शामिल हैं.

तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी ने दोबारा अपना नेता तुन लिया

नयी दिल्ली। तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने नेता को दोबारा चुना. पार्टी का कहना है कि यह कदम सरकार की कोशिशों का सामना करने के लिए उठाया गया है, जो पार्टी के नेतृत्व को बदलना चाहती है. रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के अध्यक्ष ओजगुर ओजेल ने कांग्रेस की शुरुआत में ही सभी सदस्यों से कहा कि वे उनके खिलाफ अविश्वास मत दें, ताकि नया चुनाव हो सके. अंत में उन्होंने सभी 835 वोटों के साथ जीत हासिल की. पार्टी का कहना है कि यह कदम इसलिए जरूरी था, क्योंकि अदालतें उन्हें हटा कर सरकार के समर्थन वाला व्यक्ति नियुक्त कर सकती थीं. सरकार पर पार्टी ने राजनीतिक दबाव डालने का आरोप लगाया है.

सिंगापुर : महिला से छेड़छाड़ मामले में भारतीय नागरिक को चार साल जेल

नयी दिल्ली। सिंगापुर में एक 46 वर्षीय भारतीय नागरिक को एक महिला के साथ छेड़छाड़ के मामले में सोमवार को चार साल की जेल और छह बेंत मारने की सजा सुनाई गई. अंकित शर्मा नाम के आरोपी को यह सजा तब सुनाई गई, जब कोर्ट ने उसे एक नर्सिंग रूम (बच्चों को दूध पिलाने के लिए बनाए गए कमरे) में महिला से छेड़छाड़ करने का दोषी पाया. यह घटना एक मार्च 2023 को सिंगापुर के चांगी सिटी प्वाइंट मॉल में हुई थी. पीड़िता 31 साल की एक तकनीकी विशेषज्ञ है. वह उस दिन पहली बार शर्मा से मिली थी. मुलाकात एक सहकर्मी द्वारा शर्मा की प्रोफाइल साझा करने के बाद तय हुई थी. शुरुआत में दोनों के बीच पेशेवर बातचीत हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद शर्मा ने अश्लील बातें शुरू कर दीं और महिला से निजी व अनुचित सवाल पूछने लगा. ये सब बातें दोनों एक बार में बैठे हुए कर रहे थे.

कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश को पिछड़ा बनाया : मोदी

एजेंसी । ईटानगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस की उपेक्षा के कारण अरुणाचल प्रदेश और पूरा नॉर्थ ईस्ट दशकों तक विकास से वंचित रहा. कांग्रेस ने इस क्षेत्र को केवल वोट और सीटों की गणना के आधार पर देखा और इसे नजरअंदाज किया. उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2014 के बाद इस सोच को बदलते हुए पूर्वोत्तर को विकास की प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा. प्रधानमंत्री मोदी यहां 5025 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे. मोदी ने कहा, "हमारे अरुणाचल प्रदेश में सूर्य की किरण सबसे पहले आती हैं, लेकिन विकास की किरण यहां पहुंचने में कई दशक लग गए. कांग्रेस के समय दिल्ली में बैठे लोग सोचते थे कि यहां सिर्फ दो लोकसभा सीटें हैं, तो ध्यान क्यों दिया जाए. यही कांग्रेस की सोच थी, जिसने नॉर्थ ईस्ट को बहुत पीछे धकेल दिया." उन्होंने कहा कि भाजपा का मंत्र वोट या सीटों की संख्या नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' है.

भाजपा सरकार ने सीमावर्ती और पिछड़े इलाकों को बदले नजरिए से देखा : प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार ने सीमावर्ती और पिछड़े इलाकों को बदले नजरिए से देखा. जिन्हें कांग्रेस ने लास्ट विलेज

और बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट कहा, उन्हें हमने फर्स्ट विलेज और अस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट बनाया. इसी बदली सोच का नतीजा है कि आज वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम सीमावर्ती इलाकों का जीवन आसान बना रहा है.

अपनी भक्ति अर्पित करना सचमुच दिव्य अनुभूति है : प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा को तीन कारणों से विशेष बताया-नवरात्रि के अवसर पर हिमालय की गोद में पूजा का सौभाग्य, 'नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार' और अरुणाचल को 5025 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात. उन्होंने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर उन्हें हिमालय की गोद में स्थित इन पर्वतों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. नवरात्रि के पहले दिन हम मां शैलपुत्री की पूजा करते हैं. इन पहाड़ों के बीच रहकर अपनी भक्ति अर्पित करना सचमुच दिव्य अनुभूति है.

जनता-जनार्दन को यह डबल बोनस मिला है. : दूसरे कारण के रूप में उन्होंने जीएसटी सुधारों का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि आज से पूरे देश में 'नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार' लागू हो गए हैं और इसके साथ ही 'जीएसटी बचत उत्सव' की शुरुआत हुई है. प्रधानमंत्री ने बताया कि अब जीएसटी को केवल दो स्लैब तक सीमित कर दिया गया है- 5 एवं 18 प्रतिशत. कई वस्तुएं टैक्स फ्री हो गई हैं और बाकी सामान भी सस्ते हो गए हैं. त्योहारों के इस मौसम में जनता-जनार्दन को यह डबल बोनस मिला है. तीसरा कारण उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में विकास परियोजनाओं की शुरुआत को बताया. मोदी ने कहा कि आज राज्य को बिजली, संपर्क, पर्यटन और स्वास्थ्य सेवा जैसे कई क्षेत्रों में नई परियोजनाएं मिली हैं. यह भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' के दोहरे लाभ का सशक्त उदाहरण है. प्रधानमंत्री ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट को भाजपा सरकार 'अष्टलक्ष्मी' मानती है और इसके विकास के लिए केंद्र सरकार लगातार अधिक धन खर्च कर रही है. कांग्रेस की उपेक्षा से हुए नुकसान की भरपाई अब तेजी से की जा रही है. उन्होंने कहा कि नॉर्थ ईस्ट भारत की समृद्धि का द्वार है और केंद्र सरकार इसे विकास का नया इंजन बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश केवल उगते सूर्य की धरती ही नहीं है, बल्कि यह देशभक्ति के उफान की भी धरती है.

दक्षिणी लेबनान में इजराइली ड्रोन हमले में पांच की मौत, तीन बच्चे भी शामिल

बेरूत। लेबनान के दक्षिणी शहर बिंत जबील में रविवार को इजराइली ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई,

जिनमें तीन बच्चे भी शामिल रहे. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में एक मोटरसाइकिल और वाहन भी निशाना बने, जिससे दो अन्य लोग घायल हुए. लोकसभा अध्यक्ष नबिह बेरी ने बताया कि मृतकों में एक पिता और उसके तीन बच्चे थे, जबकि माता घायल हैं. परिवार के सदस्य अमेरिकी नागरिक थे. इजराइली सेना ने कहा कि हमले में एक हिज्बुल्लाह सदस्य मारा गया, लेकिन "कुछ निर्दोष नागरिक भी हताहत हुए." सेना ने घटना की समीक्षा की घोषणा की और निर्दोषों को होने वाले नुकसान पर खेद जताया. लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हमले की निंदा करते हुए इसे ₹नागरिकों के खिलाफ खुला अपराध और दक्षिणी गांवों में लौट रहे लोगों के लिए डराने का संदेश₹ बताया. यह हमला उस समय हुआ है जब इजराइल ने पिछले साल नवंबर में हुए अमेरिका-समझौते के बाद से हिज्बुल्लाह की छावनियों को निशाना बनाना जारी रखा है. लेबनान पर अमेरिकी, सऊदी और हिज्बुल्लाह के घरेलू विरोधियों द्वारा समूह को हथियार छोड़ने का दबाव बढ़ा है, जबकि हिज्बुल्लाह ने चेतावनी दी है कि जब तक इजराइल हवाई हमले जारी रखेगा, हथियार छोड़ने पर चर्चा करना गंभीर गलती होगी.

अमेरिका जिद छोड़ दे तो हम बातचीत को तैयारः किम जोंग

एजेंसी । सियोल

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने साफ किया है कि अगर अमेरिका उनके देश से परमाणु हथियार छोड़ने की मांग बंद कर दे तो वह उसके के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं. मीडिया रिपोर्ट में के मुताबिक उन ने कहा, यदि अमेरिका हमसे परमाणु अप्रसार की बात नहीं करता और सच्चाई को स्वीकार कर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व चाहता है तो हमारे पास अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करने का कोई कारण नहीं रह जाता है.

उन्होंने रविवार को सुप्रीम पीपुल्स असेंबली में अपने भाषण में कहा कि परमाणु हथिथार उनके देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े हैं जो अमेरिका और दक्षिण कोरिया से गंभीर खतरे का सामना कर रहा है. उन्होंने कहा, यह हमारे देश के लिए अस्तित्व का मामला है कि हम परमाणु हथिथार बनाए तांकि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के

गंभीर खतरों से हम निपट सकें. किम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनसे हुई अपनी मुलाकात को अच्छी यादें बताते हुए कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं अभी भी अमेरिका के राष्ट्रपति को अच्छे तौर पर ही याद करता हूं. उल्लेखनीय है कि ये टिप्पणियां तब आई हैं जब दक्षिण कोरिया की नई उदारवादी सरकार ट्रंप से आग्रह कर रही है कि वह उत्तर कोरिया से वार्ता के संबध में आगे आएं.

नेपाल : पीएम सुशीला कार्की कैबिनेट के चार मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की

काठमांडू। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की कैबिनेट में शामिल होने के लिए चार नवनियुक्त मंत्रियों ने सोमवार को शपथ ली. राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शीतल निवास में एक विशेष समारोह में इन्हें शपथ दिलाई. पूर्व न्यायाधीश अनिल कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय आविष्कार केंद्र के संस्थापक महावीर पुन, पत्रकार जगदीश खरेल और कृषि विशेषज्ञ मदन परियार ने मंत्री पद की शपथ ली. सिन्हा ने उद्योग, कानून और भूमि व्यवस्था मंत्री, पुन ने शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, खरेल ने संचार और सूचना मंत्री तथा परियार ने कृषि मंत्री के रूप में शपथ ली. स्वास्थ्य मंत्री बनने के लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सचिव के पद से इस्तीफा देने वाली डॉ. संगीता मिश्रा को लेकर विवाद होने के बाद उनका नाम अंतिम समय में शपथग्रहण की सूची से हटा दिया गया. प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को राष्ट्रपति पौडेल से डॉ. मिश्रा को स्वास्थ्य मंत्रालय का कार्यभार सौंपने की सिफारिश की थी.

पंजाब के लिए व्यापक राहत पैकेज घोषित करे केंद्रः राहुल

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार के 16 सौ करोड़ रुपये के प्रारंभिक राहत पैकेज को नाकाफी बताया है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्य के लिए व्यापक पैकेज घोषित करने की अपील की है. राहुल गांधी ने सोमवार को एक्स पर 10 मिनट 52 सेकंड की डाक्यूमेंट्री पोस्ट की. इसमें वह पंजाब में स्थानीय कांग्रेस नेताओं के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके लोगों की समस्याएं सुनते हुए नजर आ रहे हैं. वीडियो में उनके साथ पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी हैं. राहुल ने कहा कि पंजाब में बाढ़ से 20 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है और सरकार ने प्रारंभिक राहत पैकेज के तौर पर सिर्फ 16 सौ करोड़ रुपये जारी किए हैं, जो पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है. उन्होंने इस भीषण

बाढ़ में डटे रहने पर राज्य के लोगों की तारीफ करते हुए उन्हें सहारा और मजबूती देने की अपील की.

उन्होंने कहा कि बाढ़ में लाखों घर उजड़ गए. 4 लाख एकड़ से ज्यादा फसल बर्बाद हो गई. बड़ी संख्या में मवेशी बह गए. इन सबके बावजूद राज्य के लोगों ने अद्भुत हिम्मत और साहस दिखाया. यह लोग फिर उठ खड़े होंगे, बस उन्हें सहारे और मजबूती की जरूरत है. उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से राज्य के पुनर्वास के लिए व्यापक पैकेज की अपील की. वीडियो में वह राज्य के अलग-अलग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं.

बीजापुर जिले में सशस्त्र बलों ने बरामद कीं पांच आईईडी

एजेंसी । बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के नेशनल पार्क क्षेत्र से सशस्त्र बल के जवानों ने सोमवार को पांच आईईडी बरामद किया है. इन सभी को सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया गया है. बीजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार स्थापित चिल्लामर्का कैंप से क्रमवार 214 बटालियन, 206 तथा डीआरजी के जवान और एवं बीडीएस की संयुक्त टीम चिल्लामार्का व कांडलापड़ती के जंगली पहाड़ी क्षेत्र में एरिया डॉमिनेशन और रेकी आभियान के लिए निकली हुई थीं. इस अभियान के दौरान आज भोपालपटनम ब्लाक के नेशनल पार्क क्षेत्र के चिल्लामार्का

से आगे लगभग 6 किलोमीटर दूर कांडला पड़ती की तरफ जाते हुए पहले नाले को पार करने के बाद 214 बटालियन सीआरपीएफ की बीडीएस टीम द्वारा कुछ संदिग्ध चीजें देखी गई . इसके बाद सुरक्षा बलों की टीम द्वारा क्षेत्र की सघन जांच की गई, जिसमें कुल पांच आईईडी क्रमवार पाई गईं. सीआरपीएफ की बीडीएस टीम ने उनको उसी स्थान पर विस्फोट करते हुए नष्ट कर नक्सलियों के मंसूबों को विफल कर दिया.

फिलीपींसः प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प, कई घायल, कई गिरफ्तार

फिलीपींस। फिलीपींस की पुलिस ने रविवार को राजधानी मनीला में राष्ट्रपति भवन के पास से कुछ लोगों

को गिरफ्तार किया. इन लोगों पर पुलिसकर्मियों पर पत्थर, बोतलें और आग लगाने वाले छोटे बम फेंकने का आरोप है. साथ ही उन्होंने वहां के महत्वपूर्ण रास्ते और पुल भी बंद कर दिए थे. यह सब तब हुआ, जब वहां एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन चल रहा था, जिसमें लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे थे. अधिकारियों को चश्मदीदों ने यह जानकारी दी. मनीला के एक ऐतिहासिक पार्क और लोकतंत्र स्मारक में भ्रष्टाचार के खिलाफ 33 हजार से अधिक लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे. लोगों का आरोप था कि विधायक, अधिकारी और निर्माण कंपनी के मालिक देश में बाढ़ नियंत्रण के लिए परियोजनाओं से भारी कमीशन ले रहे हैं. देश लगातार तूफानों और बाढ़ से प्रभावित रहता है और लोग गरीबी में जीवन जी रहे हैं.

राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए : डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी वफादार सहयोगी और अटार्नी जनरल पाम बॉन्डी पर अपने कई राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए सार्वजनिक तौर पर दबाव डाला है. ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखे कई पोस्ट में बांडी पर अपने इन विरोधियों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा है. उन्होंने लिखा, हम अब और देर नहीं कर सकते. वे हमारी प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को खत्म कर रहे हैं. ट्रंप ने अटॉर्नी जनरल को संबोधित करते हुए साफ तौर पर कहा, न्याय होना ही चाहिए, अभी! राष्ट्रपति ने

इस पोस्ट में अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कॉमी, डेमोक्रेटिक सीनेटर एडम शिफ और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स का नाम लिया. ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वर्तमान और पूर्व अधिकारियों के बारे के बयानों की समीक्षा की है, लेकिन उनके बारे में कुछ नहीं किया जा रहा है. कॉमी, शिफ और जेम्स, राष्ट्रपति के पहले कार्यकाल से ही उनकी तीखी नाराज़गी झेल रहे हैं. कॉमी ने ट्रंप के 2016 के राष्ट्रपति अभियान और रूस के बीच कथित संबंधों की जांच का नेतृत्व किया था. हालाकि इस बाबत किसी भी तरह की सांठगाठ के कोई सबूत नहीं मिले थे. ट्रंप ने मई 2017 में कॉमी को बर्खास्त कर दिया था. ट्रंप के सबसे मुखर आलोचकों में से एक शिफ ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के साथ उनकी बातचीत को लेकर राष्ट्रपति के खिलाफ पहले महाभियोग लगाए जाने के प्रयास का नेतृत्व किया था. इस बीच जेम्स और शिफ न्याय विभाग से संबंधित धोखाधड़ी मामले में जांच के घेरे में हैं. हालांकि दोनों ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है.

बड़ी कार्रवाई : यूएन की बैठक से पहले आईडीएफ ने खाली कराया गाजा अस्पताल

इटली ने रोकी इस्राइल जा रही विस्फोटकों की खेप

एजेंसी । येरूशलम

फलस्तीन को देश की मान्यता देने के लिए होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से पहले इस्राइल ने बड़ी कार्रवाई की. इस्राइली सेना ने गाजा सिटी अस्पताल को खाली कराया है. वहीं इटली के यूनियनों ने गाजा के लोगों के प्रति समर्थन दिखाते हुए 24 घंटे की हड़ताल का एलान किया है. इसके चलते इटली से इस्राइल जा रही विस्फोटकों की खेप को रोक दिया गया. दो साल से युद्ध से जूझ रहा गाजा इस्राइली हमलों के चलते खंडहर में तब्दील हो चुका है. साथ ही अकाल से जूझ रहा है. फलस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि इस्राइली सेना ने सोमवार को जॉर्डन अस्पताल को खाली करने का आदेश दिया.

इससे पहले सेना ने गाजा शहर में सभी

फलस्तीनियों को दक्षिण की ओर, मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी की ओर जाने का आदेश दिया. उसने सहायताकर्मियों को निजी संदेशों में बताया कि अस्पतालों को छोड़कर सभी मानवीय सहायता केंद्रों को खाली कर दिया जाना चाहिए. गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बुश ने बताया कि अस्पताल में कम से कम 300 मरीज हैं. साथ ही चिकित्सा कर्मचारी और मरीजों के परिवार के सदस्य भी हैं.

पेरिस के प्रसिद्ध एफिल टॉवर पर फलस्तीनी और इस्राइली झंडे लगे : फ्रांस द्वारा फलस्तीनी देश को मान्यता दिए जाने से पहले रविवार शाम को एफिल टॉवर पर एक विशाल स्क्रीन पर दो झंडे और एक जैतून की शाखा के साथ एक कबूतर को छोड़ा गया. शहर की मेयर ऐनी हिडाल्गो ने कहा कि इसका उद्देश्य फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पहल के प्रति पेरिस का समर्थन दर्शाना था. जिसे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में औपचारिक रूप दिया जाएगा. हिडाल्गो ने लिखा कि पेरिस शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है. इसके लिए पहले से कहीं अधिक दो-राज्य समाधान की आवश्यकता है और सभी फलस्तीनी और इस्राइली नागरिक पीड़ितों के प्रति एकजुटता व्यक्त की.

इटली यूनियनों ने गाजा के लोगों का किया समर्थन : इटली की यूनियनों ने गाजा के लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए 24 घंटे की हड़ताल का आह्वान किया है. देश भर में हुए धरना-प्रदर्शनों के साथ-साथ हड़ताल से सार्वजनिक परिवहन, रेलगाड़ियां प्रभावित होंगी. यूनियनों ने गाजा के लोगों द्वारा झेली जा रही हिंसा के प्रति इटली और यूरोपीय संघ सरकारों की निष्क्रियता की निंदा की है.

इटली ने इस्राइल को विस्फोटकों की खेप रोकी : एक इतालवी मेयर ने कहा कि स्थानीय प्रशासकों के पत्र के बाद रवेना बंदरगाह ने इस्राइल को विस्फोटक ले जाने वाले दो कंटेनरों को रोक दिया. रवेना के मेयर और वामपंथी राजनेता एलेसांद्रो बाराटोनी ने कहा कि बंदरगाह अधिकारियों ने उनके और क्षेत्रीय गवर्नर के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है.

सीरिया में 5 अक्तूबर को होगा संसदीय चुनाव

नयी दिल्ली। सीरिया अपनी नई इस्लामिस्ट-नेतृत्व वाली सरकार के तहत पहला संसदीय चुनाव 5 अक्तूबर कराएगा. सरकारी समाचार एजेंसी सना ने यह जानकारी दी. इस चुनाव में 210 सदस्यीय पीपल्स असेंबली के लिए मतदान देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में होगा, हालांकि चुनाव आयोग ने तीन प्रांतों में सुरक्षा कारणों से मतदान स्थगित करने की जानकारी दी थी. नई संसद का काम सरकार-नियंत्रित आर्थिक नीतियों में बदलाव और विदेशी नीति समझौतों के अनुमोदन के लिए कानून पारित करना होगा. यह सदन देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव रखेगा, जो पिछले दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता हटाए जाने के बाद शुरू हुई. आलोचक मानते हैं कि वर्तमान प्रणाली में अल्पसंख्यक समूहों की पर्याप्त भागीदारी नहीं है.

महिला ने एआई की मदद से जीती 1.25 करोड़ की लॉटरी

एजेंसी । नयी दिल्ली

रिश्तों में सलाह देना हो या किसी की मन की बात सुनना, आज चैटजीपीटी कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है. लेकिन अब यह लॉटरी जीतने में भी मददगार साबित हो रहा है. वर्जीनिया के मिडलोथियन शहर की रहने वाली कैरी एडवर्ड्स इसका ताजा उदाहरण हैं. उन्होंने आठ सितंबर को वर्जीनिया लॉटरी में चार सही नंबर और पावरबॉल मिलाकर लॉटरी जीत ली. पहले उन्हें 50 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 42 लाख रुपये) मिलने वाले थे. लेकिन उन्होंने 'पावर प्ले' नाम का एक विकल्प चुना, जिसमें केवल एक डॉलर और जोड़ने पर इनाम तीन गुना हो गया. इस तरह उन्हें कुल 1,50,000 डॉलर (करीब 1.25 करोड़ रुपये) मिले.

चैटजीपीटी ऐप से पूछे नंबर : अब सवाल यह है कि ये इनाम जीतने वाले नंबर उन्हें किसने बताए? ये नंबर चैटजीपीटी ने दिए. कैरी आमतौर पर लॉटरी नहीं खेलतीं. उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने फोन के चैटजीपीटी ऐप से नंबर पूछे. एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया, 'मैंने चैटजीपीटी से कहा- मुझसे बात करो...क्या तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ नंबर हैं?' दो दिन बाद जब वह एक बैठक में थीं, तो उनके फोन पर एक नोटिफिकेशन आया, जिसने उन्हें चौंका दिया. शुरुआत में उन्हें लगा कि यह कोई धोखाधड़ी है, लेकिन जब उन्होंने खबर की पुष्टि की तो उन्हें इस जिंदगी बदल देने वाली जीत पर भरोसा हुआ.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.